



|                  |   |             |
|------------------|---|-------------|
| 1. पंचामृत       | प्रिय स्वजन   | ..... 03    |
| 2. अवसर आंगणियाे | (1) श्री किशोर भीमजु संघवी Divine Scientific<br>Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा - 2019                   | ..... 04    |
|                  | (2) श्री किशोर भीमजी संघवी Divine Scientific<br>Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा - 2019                   | ..... 04    |
|                  | (3) Science of Divine Living Through<br>नमस्कार महामंत्र योग  | ..... 05    |
|                  | (4) Science of Divine Living Through<br>नमस्कार महामंत्र योग  | ..... 09    |
| 3. अहेवाल        | (1) महाशिवरात्री - पंचगीनी 2019   | ..... 06    |
|                  | (2) महाशिवरात्री - पंचगीनी 2019   | ..... 06    |
|                  | (3) Science Of Divine Living नमस्कार महामंत्र<br>योग शिबीर (अंधेरी)   | ..... 06    |
|                  | (4) Science Of Divine Living नमस्कार महामंत्र<br>योग शिबीर (अंधेरी)   | ..... 10    |
|                  | (5) Science Of Divine Living नमस्कार महामंत्र<br>योग शिबीर (बोरिवली)  | ..... 11    |
|                  | (6) Science Of Divine Living नमस्कार महामंत्र<br>योग शिबीर (बोरिवली)  | ..... 11-12 |
|                  | (7) Science Of Divine Living नमस्कार महामंत्र<br>योग शिबीर (मुलुंड)   | ..... 12-13 |
|                  | (8) Science Of Divine Living नमस्कार महामंत्र<br>योग शिबीर (मुलुंड)   | ..... 13    |
|                  | (9) महावीर जन्म कल्याणक (१७ अप्रैल २०१६)  | ..... 14    |
|                  | (10) महावीर जन्म कल्याणक (१७ अप्रैल २०१९)   | ..... 14    |
|                  | (11) श्री चैत्री नवरात्री शक्ति आराधना श्री नवपद ज्ञान<br>साधना With श्री सिद्धचक्र महायंत्र पूजन अनुष्ठान  | ..... 14-15 |
|                  | (12) श्री चैत्री नवरात्री शक्ति आराधना, श्री नवपद ज्ञान साधना<br>With श्री सिद्धचक्र महायंत्र पूजन अनुष्ठान | ..... 17-18 |
|                  | (13) श्री सीमंधर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव (2019)   | ..... 16    |
|                  | (14) श्री सीमंधर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव (2019)   | ..... 16-20 |
|                  | (15) अक्षय तृतीया - महासत्संग (रविवार, 5-5-2019)  | ..... 20    |
|                  | (16) अक्षय तृतीया - महासत्संग (रविवार, 5-5-2019)  | ..... 21    |
|                  | (17) उपध्यानात्मक सम्यक् पर्युषण मुक्तिनी यात्रा  | ..... 21-22 |
|                  | (18) उपध्यानात्मक सम्यक् पर्युषण मुक्ति की यात्रा   | ..... 22    |
|                  | (19) श्री किशोर भीमजु संघवी Divine Scientific<br>Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा - 2018                  | ..... 23-25 |
|                  | (20) श्री किशोर भीमजी संघवी Divine Scientific<br>Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा - 2018                  | ..... 25-26 |

शुभेच्छक : वाणी प्रभावशाली इसलिए है क्योंकि पहले जीवन में स्वयं अनुभव किया फिर आपके सामने रखा है (पहले आचरण करो फिर बोलो) ।



|  |  |       |       |
|--|--|-------|-------|
| 4. Residential उपध्यानात्मक पर्युषण  |  | ..... | 30    |
| 5. Residential उपध्यानात्मक पर्युषण  |  | ..... | 31    |
| 6. अपूर्व अवसर   | स्वामी वात्सल्य  | ..... | 32    |
| 7.   |  | ..... | 33    |
| 8.   |  | ..... | 34    |
| 9. Divine Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा में प.पू. गुरुदेव की विविध भावमुद्रा |  | ..... | 34    |
| 10. Divine Scientific Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा 2019 की विस्तृत रुपरेखा               |  | ..... | 35-39 |
| 11. ऋतुंभरा परिसर में प्रभुजी के विविध स्वरूप  |  | ..... | 36    |
| 12.  |  | ..... | 36    |
| 13.  |  | ..... | 40    |
| 14. नवीन अभियान  | श्री सीमंधर स्वामी प्रेरित नवीन अभियान                       | ..... | 41    |
|  | घर घर सत्संग और नगर नगर शिबीर                                |       |       |
|  | श्री सीमंधर स्वामी प्रेरित नवीन अभियान                       | ..... | 42    |
|  | घेर घेर सत्संग अने नगरे नगरे शिबीर                           |       |       |
| 15. अनुभव का अन्तर   | (1) श्री चैत्री नवरात्री शक्ति आराधना, श्री नवपद ज्ञान साधना | ..... | 43    |
|  | With श्री सिद्धचक्र महायंत्र पूजन अनुष्ठान                   |       |       |
|  | (2) जीव से शिव (सिद्ध) की यात्रा - महाशिवरात्री - 2019       | ..... | 43-44 |
|  | (3) Science of Divine Living Through                         | ..... | 44-45 |
|  | नमस्कार महामंत्र योग   |       |       |
|  | (4) श्री किशोर भीमजी संघवी Divine Scientific                 |       |       |
|  | Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा - 2018                    |       |       |
|  | (a) पर्युषण 2018   | ..... | 44-49 |
|  | (b) Advanced Spiritual Lifestyle Training                    | ..... | 49-51 |
|  | (c) महावीर जन्मोत्सव - 2018                                  | ..... | 51-52 |
|  | (d) Scientific Pratikraman                                   | ..... | 52-53 |
| 16. आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा   |  | ..... | 54-55 |
| 17. प्रभुवाणी (English)  | Scientific Practical Divine Lifestyle Educational Training   | ..... | 53-54 |
| प्रभुवाणी (Hindi)  |  | ..... | 54-55 |
| 18. जिज्ञासा तमारी - जवाब प्रभुना  | सत्संगीओना प्रश्नोना जवाब                                    | ..... | 56-57 |
| जिज्ञासा आपकी - जवाब प्रभुके   | सत्संगीओं के प्रश्नों के जवाब                                | ..... | 57-58 |
| 19. सत्संग - परम आनंद परिवार   | भगवद् गीता अने मातुं ज़ुवन                                   | ..... | 58-59 |
| सत्संग - परम आनंद परिवार   | भगवद् गीता और मेरा जीवन                                      | ..... | 59-60 |
| 20. आहार विहार   | तुलसी  | ..... | 60    |
| 21. बालजगत   |  | ..... | 61    |
| 22. दिव्य जीवन व्यवस्था के 12 Steps  |  | ..... | 61-62 |
| 23. VISION 2025  |  | ..... | 62-63 |

**पर्युषण अनुभवधारा - 2019 नी विस्तृत रुपरेखा माटे जुओ Page No. 36 to 37**  
**आगामी कार्यक्रमनी विस्तृत रुपरेखा माटे जुओ Page No. 51 to 52**



प्रिय स्वजन,

“अरिहंत अरिहंत नाम समरता थाये अंतरज्ञान,  
अरिहंत अरिहंत अरिहंत अरिहंत.....  
नाम जपता, थाये केवलज्ञान...”

जन्म से हमे नमस्कार महामंत्र सहज योग से मिला है लेकिन इस नमस्कार महामंत्र के अंदर जीव को तारने के लिए क्या क्या रहस्य भरे हुए है इसका हमे पता नहीं है । सबसे पहला शब्द इस नमस्कार महामंत्र का है “नमो” । “नमो” शब्द जग को जीतने का सबसे बड़ा मंत्र है । इस जगत को जीतना है तो परमात्मा कहते है “नमन” कर । जब अंतर भाव से नमस्कार करेंगे तो इस मानवजीवन का सार्थ नीकलेगा । इस नमस्कार महामंत्र का पहला पद है, ‘अरिहंत पद’ । यह सृष्टि अनंत अनंत काल से चलती आ रही है । इस सृष्टि को तीनों काल से, तीनों लोक से जो जानता है तो वह है “अरिहंत” । यदि इस अरिहंत को हम आत्मसात करेंगे, हमारी नस नस में, श्वासोश्वास मे उतारेंगे तो हम भी अरिहंत बन सकते है Technology के इस जमाने में । अरिहंत का एक विशिष्ट गुण है, “सवि जीव करु शासन रसि” । इस चौद राजलोक मे रहे हुए एक एक जीव को मैं सवार्थसिद्ध पद तक ले जाऊँ ऐसी उनकी उच्चतम कक्षा की भावना होती है । जो जीव ऐसी उच्चतम कक्षा की भावना से हमारा मार्गदर्शन करता है तो वह अवश्य हमें हमारे लक्ष की ओर ले जाता है । जब ऐसे अरिहंत परमात्मा को हम भजेंगे, नमन करेंगे, स्मरण करेंगे तब हम भी अवश्य उनके जैसे बन जाएंगे ।

ऐसे अरिहंत परमात्मा और नमस्कार महामंत्र का रहस्य समझकर जीवन में उतारने का अवसर आ रहा है । परम सुख जीवन विकास केन्द्र द्वारा आयोजित प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई के सांनिध्य में "उपध्यानात्मक श्री किशोर भीमजी संघवी Divine Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा" में जुड़के अरिहंत बनने के लक्ष्य में आगे बढ़े । और जीवित तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी की असीम असीम कृपा पाएँ । अरिहंत बनने के लक्ष्य मे आगे बढ़ने अवश्य जुड़िये । जीवित तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी की असीम असीम कृपा पाएँ ।

**Dt. 26<sup>th</sup> August 2019 to 3<sup>rd</sup> September 2019**

आपका प्रिय मित्र,  
नमो जिजाणं ।



### नम्र निवेदन

‘नमो जिजाणं’ मेगोजीनना आ अंकथी लवाजम लेवामां आवशे. जे शिबिरार्थी / सत्संगी भाई-जहेनोने आ मेगोजीन रेग्युलर मणे अेवी धरखा होय ते आश्रुवन सदस्यना रु. १५००/- साथे आपना सेन्टर संचालकने तमारुं नाम, सरनामुं तथा फोन नंबर लभी आपवा विनंती. (Subscription Form to be filled & sent with Amount).

**98698 62373 / 99875 03512 / 98331 33266 / 98202 12816**

## परम सुख 24 x 7 HELPLINE

MISSED  
CALL NO. →

**09920202756**

**9920203965** ←

WHATS  
APP NO.

जीवन की किसी भी समस्या के उपाय और AUDIO/VIDEO CD/DVD, MAGAZINE, POSTER प्राप्त करने के लिए उपर बताए हुए नंबर पर संपर्क करें । यह सेवा २४ घंटे सातों दिन उपलब्ध है ।

**नमो जिजाणं**

The Science Of Divine Living

(त्रिमासिक पत्रिका)

अंक : ४४-४५, वर्ष : २०१९

ता. : १० अगस्त, २०१९

मुल्य: ३०.०० रुपिया

मुद्रक :

गोगरी ओइसेट प्रिंटरस

मालिक अने प्रकाशक :

परम सुख श्रुवन विकास केन्द्र (मुंभई)



Email : enquiry.namojinanam@gmail.com

Website : www.namojinanam.org

शुभेच्छक :

मित्र, दुश्मन और रिश्तेदार तीनों को कभी छोटा मत समझो ।



### શ્રી કિશોર ભીમજી સંઘવી Divine Scientific & Practical સમ્યક્ પર્યુષણ અનુભવધારા (2019)

પર્યુષણ એક લોકપ્રિય પ્રથા છે. આ જેન તહેવાર છે. તે સમગ્ર વિશ્વમાં ઉજવવામાં આવે છે. ભગવાન દ્વારા વર્ણવાયેલ પથ પર ચાલવું ધર્મ છે. જિન પરમાત્મા દ્વારા કહેવાતા પથને “જેન” કહેવામાં આવે છે. જાતિઓ, ધર્મ, સંપ્રદાયો મનુષ્યથી બનેલા છે. ભગવાને દુનયાને મિત્રતાનો માર્ગ આપ્યો. સમ્યક્ એટલે વૈજ્ઞાનિક. Scientific. Right. As it is. જેમ છે તેમ જોવું. પદ્ધતિમાં વિધિ-ક્રિયામાં ગુંચવાઈ ગયા. મૂળ તત્વ ખોવાઈ ગયો. ભગવાન દ્વારા ઉલ્લેખિત પથ કોઈ એક સુધી મર્યાદિત નથી. આપણે મનુષ્ય છીએ. માનવતા એ આપણો ધર્મ છે. સમય મુજબ આપણે આપણા જીવનમાં સુધારો કરવો જોઈએ. બધાને સાથે લઈને ચાલવાનું છે. આધ્યાત્મિક ટેકો એ બધી માનવ સમસ્યાઓનો ઉકેલ છે.

ગુરૂદેવ શ્રી પરમ પૂજ્ય પંકજભાઈની હાજરીમાં M. K. Sanghvi Rutumbara College Hall, Juhu, Vile Parle, Mumbai માં દર વર્ષે પર્યુષણનું આયોજન કરવામાં આવે છે. Scientific Practical Samyak Paryushan Aunbhavdhara. આ કારણ કે આપણે અભ્યાસ કરીએ છીએ પરંતુ ક્યાંક અર્થ શોધી રહ્યા છીએ. માણસ સત્-ચિત્-આનંદ સ્વરૂપ છે. જેનો અર્થ છે કે : હું જોઉં છું, મને ખબર છે, હું અનુભવું છું. I See. I Know. I Experience. જોવું, જાણવું, અનુભવવું એ આપણો મૂળભૂત સ્વભાવ છે. શાસ્ત્રો આપણે જાણતા નથી. ત્યાં એટલો સમય પણ નથી. બધું જ જાણવું જરૂરી નથી. આપણે જાણવું જોઈએ કે આપણા માટે શું જરૂરી છે. દર્શન વિના જ્ઞાન અધૂરો છે. સદગુરૂ એ છે જે આપણને પોતાની પાસે લાવે છે. ભગવાન આપણી અંદરજ વસે છે. બધા ભગવાન સ્વરૂપમાં બનેલા છે. ભગવાન આપણા જેવા મનુષ્ય હતા. તેઓએ ઉમદા કારણથી જગત જીતી લીધું. આપણે પણ સમસ્યાઓ ઉકેલવા માંગીએ છીએ. જ્યારે જ્ઞાની તરફ નમન કરીએ છીએ, ત્યારે તેમના ગુણ આપણી અંદર આવે છે. સદગુરૂ ભગવાન સાથે સંકળાયેલા છે. ભગવાનને સંપૂર્ણપણે સમર્પિત છે તેમણે તેમના અનુભવમાંથી મળ્યું છે. ગુરૂ નિશ્ચા માર્ગ સરળ બનાવે છે. Shortcut છે. પ્રભુકૃપા જીવનને

અર્થપૂર્ણ બનાવે છે. ભગવાન સંપૂર્ણ જ્ઞાનાત્મક છે. વિતરાગ પુનરાવર્તનમાંથી મુક્તિ તરફ દોરી જાય છે. તેથી, પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્રમાં ભગવાનને ઘરે લઈ જવા માટે પ્રેરણા મળી છે. શાશ્વત સુખ પછી જ મેળવી શકાય છે. જે ક્યારેએ સમાપ્ત થતું નથી. જેની કોઈ શરૂઆત નથી અથવા કોઈ અંત નથી. તે માત્ર એક દશા છે જેને “કૈવલ્ય” અથવા “સિદ્ધપદ” કહીએ છીએ. જીવનનો અંતિમ કેન્દ્ર કોણ છે. તે બધા મનને આકર્ષે છે. સૌને તે ગમે છે. સારું લાગે છે. કારણ કે દરેક પ્રાણી ઉત્તમ છે. ફક્ત કેટલાક કર્મ કર્યા છે અને જે અવરોધિત છે તે કરી રહ્યા છે. દરેક જીવો અનન્ય છે. દરેક જીવની અંદર ભગવાન વસે છે. આ જાણવું, પરીક્ષણ કરવું અને મંજૂર કરવું એ કાર્ય છે. આને સેવા કહેવામાં આવે છે. પાંચ પ્રકારની સેવાઓ વર્ણવેલ છે. તન સેવા, મન સેવા, ધન સેવા, વચન સેવા અને સંબંધ સેવા. સેવા એ મનુષ્ય ભવ પ્રાપ્ત કરવાનો માર્ગ છે. કર્મ નિર્જરા નું માર્ગ. તે વ્યક્તિ જે તેની કમાણી કરેલ સંપત્તિ, સમય અને વાણી વર્તન અને વિચારોથી બીજાઓને ઉપયોગી થવા માટેનો સંપર્ક કરે છે. સ્વમાં તેની રૂચિ સ્વ બની જાય છે. ગુરૂ એ માધ્યમ છે. સેવા ખામી ઉપર પ્રહાર કરે છે. અનુભવ બનાવે છે. સેવક બનવાના માર્ગમાં રહેવાની જરૂર છે. આ એક યોગ્ય વૃત્તિ માટેની વિકાસ તાલીમ છે. Right Attitude Development Training. વિનમ્ર અને સમજદાર બનવું. પર્યુષણ એ વિવિધ પથને જાણવાની તક છે. જ્ઞાન મેળવવા માટે, ભક્તિ યોગ, મંત્ર યોગ, લય યોગ દ્વારા. સર્જનના નિયમો અનુસાર જીવનશૈલી બનાવવી. પ્રતિક્રમણ દ્વારા જીવનને પ્રેમ અને દિવ્ય બનવાના સંદેશને મોકલીને નાપસંદગીને દૂર કરવા માટે અનુભવ અમલીકરણથી આવે છે. આ પગલા દ્વારા આપણે પણ ભગવાન જેવા સંપૂર્ણ સમૃદ્ધ બની શકીએ.

શ્રાવણ વદ ૧૦ (તા. 26-08-2019) આઠ-નવ દિવસના પર્યુષણ હોય છે. આહાર મૈત્રી સાથે સ્વામિવાત્સલ્યનું આયોજન કરવામાં આવે છે. સવારના 10.00 થી રાત્રે 10.00 વાગ્યે. Free બસ સેવા દ્વારા વિહાર ગોઠવાય છે. મહાવીર જન્મોત્સવની ઉજવણી કરવા, યથાશક્તિ યોગદાન આપવા આવો જીવન મહોત્સવ પરિવાર અને મિત્રોને લઈ સૌ એક સાથે ઉજવો. આ પરમ આનંદ પરિવારની હૃદયપૂર્વક અભ્યર્થના છે.

નમો જિણાણં.



### श्री किशोर भीमजी संघवी Divine Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा (2019)

पर्युषणा एक लोकपर्व है। यह एक जैन festival है। पुरे विश्व में मनाया जाता है। भगवान के बताये हुए मार्ग पर चलना धर्म है। जिन परमात्मा द्वारा बताया गया मार्ग “जैन” कहा जाता है। जाती, धर्म, संप्रदाय मनुष्य के बनाये हुए है। भगवान ने मैत्री का मार्ग जगत को दिया। सम्यक् means Scientific. Right. As it is. जैसा है वैसे देखना। लेकिन हम विधि क्रियाओं में जुट गए। मूल तत्त्व कहीं खो गया। भगवान का बताया हुआ मार्ग किसी एक तक सीमित नहीं है। हम मनुष्य है। मानवता हमारा धर्म है। काल अनुसार हमें अपना जीवन modify करना चाहिए। सब को साथ लेकर चलना है। आध्यात्म सहारा है मानव की सभी समस्याओं के निवारण का।

गुरुदेवश्री परम पूज्य पंकजभाई के सानिध्य में हर साल **M. K. Sanghvi Rutumbhara College Hall, Juhu, Vile Parle, Mumbai** में पर्युषणा का आयोजन किया जाता है। Scientific Practical Samyak Paryushan Anubhavdhara. ऐसा इसलिए है क्योंकि हम पठन तो करते हैं लेकिन कहीं न कहीं अर्थ की तलाश में हैं। मनुष्य स्वरूप सत-चित्त-आनंद है। Which means that : I see, I Know, I Experience. देखना, जानना, अनुभव करना हमारा मूलभूत स्वभाव है। शास्त्र हम जानते नहीं। इतना समय भी नहीं है। सब कुछ जानना जरूरी भी नहीं है। हमारे लिए जो जरूरी है वह हमें जानना है। दर्शन बीना ज्ञान अधूरा है। सद्गुरु वह है जो हमें अपने आप से मिलाता है। भगवान और कहीं नहीं हमारे भीतर ही है। हम सब प्रभु के स्वरूप में ही बनाए गए हैं। भगवान भी हमारी तरह मनुष्य थे कभी। पुरुषार्थ से वे जग जीत गए। हम भी problems solve करना चाहते हैं। जब ज्ञानी को नमन करते हैं तो उनके गुण हमारे अंदर आ जाते हैं। गुरु प्रभु से जुड़ा हुआ है। पूर्णतः समर्पित है। अपने अनुभव से उसने पाया है। गुरु निश्चा मार्ग आसान बना देती है। Shortcut है। प्रभु कृपा जीवन सार्थक कर देती है। प्रभु पूर्ण

ज्ञानी है। वीतराग हमें भवभ्रमण से मुक्ति की ओर ले जाते हैं। इसलिए परम सुख जीवन विकास केंद्र में प्रभु को घर ले जाने की प्रेरणा की जाती है। नाता जुड़ते ही पा जाते हैं सनातन साश्वत सुख। जो कभी खत्म नहीं होता। जिसका कोई अंत नहीं है न कोई शुरुआत। जो बस एक अवस्था है। जिसे हम “कैवल्य” या “सिद्धपद” कहते हैं। जो जीवन का परम लक्ष्य है। यह सब मन को आकर्षित करता है। हमें यह पसंद आता है। अच्छा लगता है। क्योंकि हर जीव श्रेष्ठ है। बस कुछ कर्म ऐसे किये हैं और कर रहे हैं जो अंतराय बने हैं। हर जीव unique है। हर जीव के अंदर भगवान का दिया हुआ वरदान है। इसे जानना, परखना और अनुमोदना करना हमारा कार्य है। ऐसा कार्य सेवा कहलाता है। पांच प्रकार की सेवाएं बताई गई हैं। तन सेवा, मन सेवा, धन सेवा, वचन सेवा और संबंध सेवा। सेवा माध्यम है मनुष्यभव पाने का। पुरुषार्थ करने का। कर्म निर्जरा करने का। अपना कमाया हुआ धन, समय और संपर्क वाणी, वर्तन, विचार से दूसरों को उपयोगी होने में जो जीव लगाता है उसका हित अवश्य अपने आप हो जाता है। गुरु माध्यम है। सेवा दोषों से ऊपर उठाती है। अनुभव कराती है। सेवक बनने के लिए मार्ग में रहना जरूरी है। यह एक right attitude development training है। विनयी और विवेकी बनने के लिए। पर्युषणा एक मौका है विविध मार्ग जानने का। ज्ञान प्राप्त करने का। भक्ति योग, मंत्र योग, लय योग द्वारा सृष्टि के नियमानुसार lifestyle create करने का। प्रतिक्रमण द्वारा जीव को likes and dislikes से पर उठाते हुए प्रेम का पैगाम भेजकर दिव्य बनने का। Implementation से अनुभव आता है। Step by step हम भी भगवान जैसे पूर्ण संपूर्ण संपन्न बन सकते हैं।

श्रावण वद १० (ता. 26-08-2019) से भाद्रपद सुद ५ (ता. 03-09-2019) आठ-नौ दिन के यह पर्युषणा होते हैं। आहार मैत्री युक्त स्वामीवात्सल्य से भरे हुए। सुबह 10.00 बजे से रात 10.00 बजे। Free बस सेवा द्वारा विहार का प्रबंध किया जाता है। अंतरंग महावीर जन्मोत्सव मनाएँ। धूमधाम से यथाशक्ति योगदान दें। आएं हर साल अवश्य सहपरिवार एवं मित्रगण सह मिलकर जीवन celebrate करें। परम आनंद परिवार की यही अभिलाषा है, हृदय अभ्यर्थना है।

नमो जिणाणं।

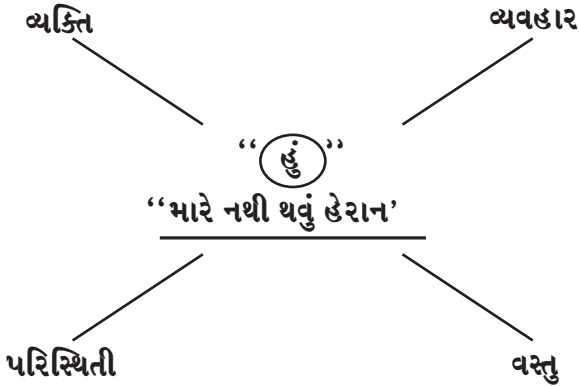


## Science Of Divine Living Through નમસ્કાર મહામંત્ર યોગ

આ સમગ્ર સૃષ્ટી કેવી રીતે ચાલે છે? આ સૃષ્ટીમાં મારું સ્થાન શું છે? અનંત સમયના પ્રવાસમાં 'હું' કેવી રીતે પ્રવાસ કરું છું? શેના આધારે પ્રવાસ કરું છું? ઈશ્વર એટલે કોણ? હું હમણા મનુષ્ય છું, તો શા માટે છું? મારો વિકાસ મેં જાતે કર્યો? વર્તમાન સમયમાં 'હું' ની શોધ ચાલુ છે, પરંતુ શું શોધું છું? શું ઝંખું છું? આવા અનેક પ્રશ્નો, સવાલો મનમાં ઊઠ્યા કરે છે... જીવન મધ્યુ છે, પરંતુ કેવી રીતે જીવવું? દરેક મનુષ્ય જીવનમાં અનેક અનુભવોમાંથી પસાર થાય છે, આ વહેતા પ્રવાહમાં જીવન જીવવાનું વિજ્ઞાન અને એના નિયમોને સમજવાનો જો મોકો મળે તો! ભયો ભયો થઈ જાય...! ખરેખર... આ અવસર આવી રહ્યો છે.

શું છે આ Science Of Divine Living? નમસ્કાર મહામંત્ર દ્વારા? એક ઝલક આ Science Of Divine Living ની થઈ જાય.

પાંચ પરમ લક્ષ : અત્યાર સુધી આપણે આપણું જીવન દિશાહીન અને લક્ષ વગરનું જીવી રહ્યા હતા. 'મારે નથી થવું હેરાન' આ પરમ મંત્ર આપણા જીવનની પરમ ગતિ અને પરમ અવસ્થા નક્કી કરે છે.



સતત જાગૃતિ માટે મારે નથી થવું હેરાન. દરેક વસ્તુ, વ્યક્તિ, પરિસ્થિતી સાથે વ્યવહાર કરતા 'હું હેરાન છું કે નહિ?' એ જોવું.

જીવનને એક લક્ષ મળી જાય એટલે નિશ્ચિતતા આવી જાય.

આ નિશ્ચિત જીવનને દિવ્ય બનાવવા માટે પ્રભુએ પાંચ આધાર આપ્યા છે. સવારે આંખ ખુલતાની સાથે ઈશ્વરને thank you કહી, વાતચીત કરી, એમની અક્ષયકૃપાનો સ્વીકાર કરી તે દિવસની શરૂઆત કરવાથી આખો દિવસ આનંદમાં જાય. You feel more energetic. ઘરમાં પણ વાતાવરણ અનુકૂળ અને પ્રસન્નતા વાળું બનશે. નમો જિજ્ઞાણં. દિવસ દરમ્યાન દરેક વ્યક્તિ સાથે વ્યવહાર કરતા એમનામાં રહેલા પરમાત્માના દર્શન કરી

મનમાં 'મારે નથી થવું હેરાન'નું ઉચ્ચારણ કરતા જે પણ વ્યવહાર થશે તે તમારા હિતમાં જ થશે. પ્રભુએ આ આધાર જે આપ્યો છે તે આજના Stress and Depression ના સમયમાં એક જબરદસ્ત booster છે. સાથે 'નમો જિજ્ઞાણં, જિઅ ભયાણં' ની ધૂન ભય, ડર, શંકાના વિચાર ને તોડી નાખે છે. દરેક જીવ સાથે love, care & share ની વર્તના કરવાથી આપણી અંદર વિવેક ઊભો થાય છે.

પાંચ પરમ જ્ઞાન : હું સૃષ્ટિનો અંશ છું. આ સૃષ્ટીના દરેક નિયમો મને પણ લાગુ પડે છે. હું સમયનો પ્રવાસી છું. અનંત સમયના પ્રવાસમાં અત્યારે વર્તમાન સમયે માનવ સ્ટેશન પર છું. આ સૃષ્ટીનું top most station છે. આપણે વડીલો, ધર્મસંતો પાસેથી સાંભળીયું છે કે માનવભવ બહુ અમુલ્ય છે. પરંતુ એનો અહેસાસ આ workshop દરમ્યાન થાય છે. વૈજ્ઞાનિક approach થી ધર્મ ને જીવનમાં વણવાનો છે. જે, આ workshop ની વિશિષ્ટતા છે. Awareness નો વધારો થાય છે.

આ workshop ની બીજી વિશિષ્ટતા છે મંત્ર યોગ નમસ્કાર મહામંત્રની વૈજ્ઞાનિક સમજ. અમુકજ શબ્દના સમુહને મંત્ર શા માટે કહેવાય છે? મંત્રના ઊચ્ચારણથી આપણી અંદર શું Chemistry રચાય છે અને સંગીતના વિજ્ઞાન સાથે પૂ. ગુરૂદેવ શ્રી પંકજભાઈ જ્યારે જાપ કરાવે છે ત્યારે શરીર, મન, ચિત્ત સમગ્રપણે મંત્રજાપમાં એકસત થઈ જાય છે. આનો જાત અનુભવ ઘણા શિબીરાર્થીઓએ કર્યો છે. એક જબરદસ્ત દિવ્ય અને energetic વાતાવરણ અનુભવાય છે.

આ સમગ્ર workshop ને દિવ્યતા ભક્ષે છે અરિહંત પરમાત્મા શ્રી સીમંધર સ્વામીની હાજરી. સીમંધર સ્વામીની હાજરીનો અનુભવ 'શ્વેતપ્રકાશ ની પ્રક્રિયા' દરમ્યાન થાય છે. આપણા સમગ્ર અસ્તિત્વનો કણ કણ (cell) આ પ્રક્રિયા દરમ્યાન શુદ્ધ થતો જાય છે. દિવ્યતા અને energy નો અનુભવ થાય છે.

પાત્રતા કેળવવા, શરીરથી ચિત્ત શુદ્ધિકરણની technique, રોજબરોજ જીવન વ્યવહારને સહજ, સરળ, સફળ બનાવવા અને શ્રી સીમંધર સ્વામી સાથે તાદાત્મ્ય તથા પ.પૂ. ગુરૂદેવશ્રી પંકજભાઈનું સાંનિધ્ય આ બધું એકજ સાથે, "Science Of Divine Living Through નમસ્કાર મહામંત્ર યોગના - 9 Sessions Workshop" ના સ્વરૂપમાં, June માં આવી રહી છે. અવશ્ય જોડાઈને સીમંધર સ્વામીની અસીમ અસીમ કૃપા પામી જીવનને દિવ્ય બનાવો.

નમો જિજ્ઞાણં.

સંકલન : રીટા મારૂ

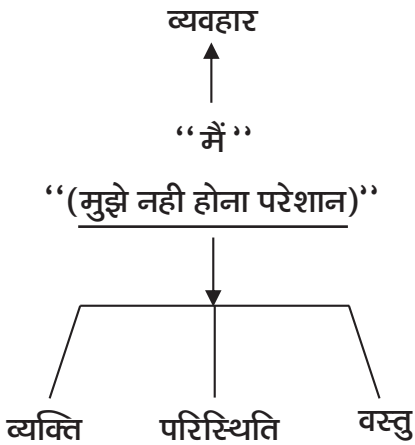


### Science Of Divine Living Through नमस्कार महामंत्र योग

यह समग्र सृष्टि किस तरह चलती है? इस सृष्टि मे मेरा स्थान क्या है? अनंत समय के प्रवास में 'मैं' किस तरह प्रवास कर रहा हूँ? किसके आधार पर प्रवास कर रहा हूँ? ईश्वर यांने कौन? इस समय में मनुष्य हूँ तो किस लिए हूँ? मेरा विकास मैंने स्वयं किया? वर्तमान में 'मैं हूँ' की खोज शुरु है परन्तु क्या ढुंढ़ रहा हूँ... क्या चाहता हूँ?... ऐसे अनेक प्रश्न, सवाल मन में उठते है। जीवन मिला है, परन्तु किस तरह जिएँ? हर एक मनुष्य जीवन में अनेक अनुभवो के बीच से गुजरता है, इस बहते प्रवाह में जीवन जीने का विज्ञान और उसके नियमो को समझने का मौका मिले तो? धन्य धन्य हो जाय.....! वास्तव में यह अवसर हा रहा है।

क्या है यह Science Of Divine Living? नमस्कार महामंत्र द्वारा? एक झलक इस Science Of Divine Living की हो जाय....

पाँच परम लक्ष्य – अब तक हम अपना जीवन दिशाहीन, लक्ष्यहीन जी रहे थे। 'मुझे नहीं होना परेशान' यह परम मंत्र हमारे जीवनकी गति और अवस्था तय करता है।



सतत् लक्ष्य की जागृति 'मुझे नहीं होना परेशान'। हरेक वस्तु, व्यक्ति, परिस्थिति के साथ व्यवहार करते हुए यह देखना है कि 'मैं परेशान हूँ या नहीं?'

जीवन को एक लक्ष्य मिल जाता है यांने नियमीतता आ जाती है। इस निश्चित जीवन को दिव्य बनाने के लिए प्रभुने पाँच आधार बताए है। सुबह आँख खुलते ही ईश्वर को Thank You कह कर ईश्वर के साथ बातचीत एवं उनकी अक्षय कृपा स्वीकार कर दिन की शुरुआत करने से पुरा दिन आनंद में बितता है। You feel more energetic. घर का वातावरण भी अनुकूल

और प्रसन्नता वाला बनेगा।

नमो जिणाणं कहकर पुरे दिन हरेक व्यक्ति के साथ व्यवहार करते समय उनके अंदर रहे हुए परमात्मा के दर्शन करते हुए मन में 'मुझे नहीं होना परेशान' का निर्णय लेते हुए.... जो भी व्यवहार होगा वह तुम्हारे हित में ही होगा। प्रभुने यह आधार जो दिया है वह आज के stress and depression के समय में एक जबरदस्त booster है। साथ ही 'नमो जिणाणं, जिअ भयाणं' की धून भय, डर, शंका के विचार को दुर करती है। हर जीव के साथ love, care & share के साथ वर्तन करने से हमारे अंदर विवेक उत्पन्न होता है।

पाँच परम ज्ञान – मैं सृष्टि का अंश हूँ। इस सृष्टि का हरेक नियम मुझ पर लागू होता है। मैं समय का प्रवासी हूँ। अनंत समय के प्रवास में अभी वर्तमान में मैं मानव स्टेशन पर हूँ और यह सृष्टि का top most station है। हमने अपने पूर्वजो, साधू संतो के पास से सुना है की मानवभव अमुल्य है परन्तु इसका एहसास इस workshop दरम्यान होता है। वैज्ञानिक approach से धर्म को जीवन की हर क्षण मे लाना इस workshop की विशिष्टता है। Awareness बढ़ती है। इस workshop की दुसरी विशिष्टता है मंत्रयोग। नमस्कार महामंत्र की वैज्ञानिक समझ। खास शब्दों के समुह को मंत्र क्यों कहते हैं? मंत्र के उच्चारण से अपने अंदर क्या Chemistry होती है उसकी समझ और जब प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई जाप करवाते है तब शरीर, मन और चित्त समग्ररूप से मंत्र में एकलीन हो जाता है। इसका स्व अनुभव बहुत से शिबीरार्थियों ने किया है। एक जबरदस्त दिव्य और energetic वातावरण की अनुभूति होती है।

इस समय में workshop को दिव्यता प्रदान करती है अरिहंत परमात्मा श्री सीमंधर स्वामीजी की उपस्थिति। सीमंधर स्वामी की उपस्थिति का अनुभव 'श्वेतप्रकाश' की प्रक्रिया दरम्यान होता है। हमारे अस्तित्व का कण कण (cell) इस प्रक्रिया दरम्यान शुद्ध होता जाता है दिव्यता और energy का अनुभव होता है।

पात्रता को खिलाने शरीर से चित्त शुद्धिकरण की technique, दैनिक जीवन व्यवहार सहज, सरल, सफल बनाने और श्री सीमंधर स्वामी के साथ तादात्म्य तथा प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई का सांनिध्य यह सब एक साथ Science Of Divine Living Through नमस्कार महामंत्र योग की 9 Sessions Workshop June महीने में आ रही है। अवश्य जुड़के श्री सीमंधर स्वामी की असीम कृपा पाएँ। जीवन को दिव्य बनाएँ।

नमो जिणाणं।

संकलन : पूर्वी मारु

शुभेच्छः

मुख खोलते ही आशीर्वाद निकले।



### महाशिवरात्री - पंचगीनी 2019

जवथी शिवनी यात्रा “महाशिवरात्री”. शिव साथे जोडावानी यात्रा अेटवे सिध्द बनवानी यात्रानुं आयोजन पंचगीनीमां 3, 4, 5 मार्च 2019 ना त्रश दिवस माटे ‘परम सुख जवन विकास केन्द्र’ ना नेजा छेठण प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाईना सांनिध्यमां करवामां आव्युं छतुं.

मुंबई मलाडथी सवारना 4.30 वागे बसमां रवाना थई सायनथी 5.30 वागे पंचगीनी जवा प्रयाश कर्तुं. पूनामां श्री लक्तामर तीर्थना दर्शन करी त्यां नवकारशी करी अपोरे 1.30 वागे पंचगीनी भोक्ष बंगलामां पछोँया. श्री जगदीशभाई तथा श्रीमती दिपीकाबेने स्वागत करतां सौने महाभणेश्वरनी मीठी मीठी स्ट्रोबेरीनी भोज करावी. त्यारबाद भोजनने न्याय आपी सेवको द्वारा महाशिवरात्रीनी तैयारी थई. सांजे Mapro Garden मां टोस्ट सेन्डवीच तथा स्ट्रोबेरी वीथ कीमनी भोज माश्लि. रात्रे Campfire मां प.पू. गुरुदेवे सौना प्रश्नोनुं निराकरण कर्तुं. साथे साथे ठंडीमां Hot Chocolate Milk नी भजा माश्लि.

बीजा दिवसे सवारना सात वागे सेवक श्री दिलीपभाईअे अद्भूत अद्वितीय भावसहित शिव बनवा माटे शुध्दात्म नमस्कार, प्राणमैत्री, चित्तमैत्री, शरीरमैत्री करावी. नवकारशी करी अगियार वागे स्नात्र पूजानी शुरुआत थई. भगवानना जन्म महोत्सव वपते जेम मेरु शिपर उपर देवदेवीओ भगवाननी लक्ति करे छे, आनंद मनावे छे तेवी जरीते अहिं पश सौअे भगवाननो जन्म महोत्सव मनाव्यो. नायगान, नृत्य, गरबा, पंजाबी लांगडा करी आनंद मनाव्यो. त्यारबाद शांतिकणश करीने पछी भगवाननी आरती उतारी भंगल दीवो करवामां आव्यो.

सांजे Table Land पर Trekking करीने गया. रातना भोजन पछी शिवलक्ति यालु थई.

शून्य तरङ्ग जवा अने शून्य बनवा माटे प.पू. गुरुदेवे “शिवोडम... शिवोडम... शिवोडम...” ना जाप कराव्या.

शिवनो अर्थ समजाव्यो. महाशिवरात्रीनो अर्थ समजाव्यो. आजना दिने पुरुषार्थ करवानो छे शिवत्व प्रगट करवा माटे. अेना माटे ‘शिवोडम’नो मंत्रोच्चार कर्यो. अधी मान्यताना (गमा अणगमाना) अम्बिप्रायने अडार काढयो. पछी मोडी रात सुधी सौ लक्तिरसमां बीजाया.

त्रीजा दिवसे सवारे नवकारशी करी ओल्ड महाभणेश्वर दर्शन करवा गया. अपोरे जमीने सौ 3.00 वागे बस द्वारा मुंबई आववा रवाना थया.

आनंद, उल्लास, पूजन, कीर्तन, भोजमस्ती साथे आ यात्रा पूरई थई.

नमो जिज्ञाशां.

### महाशिवरात्री - पंचगीनी 2019

जीव से शिव की यात्रा – “महाशिवरात्री” । शिव के साथ जुड़ने की यात्रा... याने सिध्द बनने की यात्रा का आयोजन पंचगीनी में दि. 3, 4, 5 मार्च 2019 के रोज तीन दिन के लिए ‘परम सुख जीवन विकास केन्द्र’ द्वारा प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई के सांनिध्य मे किया गया था ।

मुंबई मलाड से सुबह 4.30 बजे बस से रवाना होकर सायन 5.30 बजे पंचगीनी जाने के लिए प्रयाण किया । पूना मे श्री भक्तामर तीर्थ के दर्शन करके नवकारशी करके दोपहर 1.30 बजे पंचगीनी ‘मोक्ष’ बंगले में पहुँचे । श्री जगदीशभाई तथा श्रीमती दीपीकाबेन ने सबका स्वागत करते हुए महाबलेश्वर की मीठी मीठी स्ट्रोबेरी की मौज करवाई । तत्पश्चात् भोजन को न्याय देकर दोपहर को सेवकोने महाशिवरात्री की तैयारियाँ की । शाम को Mapro Garden में टोस्ट सेन्डवीच और स्ट्रोबेरी वीथ क्रीम का आनंद लिया । रात को Campfire में प.पू. गुरुदेवने सभी के मन में उठे हुए प्रश्नो का समाधान किया । साथ ही ठंडी के मौसम में सभी ने Hot Chocolate Milk का आनंद उठाया ।

दुसरे दिन सुबह सात बजे सेवक श्री दिलीपभाईने अद्भूत अद्वितीय भाव के साथ शिव बनने के लिए शुध्दात्म नमस्कार, प्राणमैत्री, चित्तमैत्री, शरीरमैत्री करवाई । नवकारशी के पश्चात ग्यारह बजे स्नात्र पूजा की शुरुआत की गई । भगवान के जन्म महोत्सव के समय मेरु शिखर पे जैसे देव देवीओ महोत्सव मनाते है वैसे ही यहाँ पर सभीने नृत्य, गरबा आदि करके आनंद मनाया । तत्पश्चात् शांतिकलश करके प्रभुजी की आरती उतारने मे आई और मंगल दीपक करने मे आया । शाम को सभी Table Land पर Trekking करने गए । रात को भोजन के बाद शिवभक्ति शुरु हुई । प.पू. गुरुदेवने शून्य की ओर जाने के लिए और शून्य बनने के लिए, “शिवोहम... शिवोहम... शिवोहम...” के मंत्र जाप करवाए ।

शिव का अर्थ समझाया । महाशिवरात्री का महत्व समझाया । आज के दिन पुरुषार्थ करना है शिवत्व प्राप्त करने के लिए और इसके लिए “शिवोहम” का मंत्रोच्चार किया । सभी मान्यताएँ (अच्छे-बुरे) के अभिप्रायो को निकाला । तत्पश्चात् सभी देर रात तक इस भक्तिरस मे लीन होते गए ।

तीसरे दिन सुबह नवकारशी के पश्चात् ओल्ड महाबलेश्वर दर्शन करने गए । दोपहर को भोजन के बाद 3.00 बजे मुंबई आने के लिए रवाना हुए ।

आनंद, उल्लास, कीर्तन, पूजन, मौज-मस्ती से भरी हुई यह यात्रा संपन्न हुई ।

नमो जिणाणं ।





### Science Of Divine Living

### નમસ્કાર મહામંત્ર યોગ શિબીર

### (અંધેરી)

આપણાં જીવનમાં દરેક વિચાર આપણને મારે છે. આ વિચારની ધારા ચોવિસ કલાક આવતી રહે છે જે Non-Stop છે અને આપણને મારે છે. આપણે હમેશા વિચારના mode માં જ રહીએ છીએ. આ વિચારને આપણે મારવાનો છે અને અદ્ભૂત બનાવવાનું છે. આપણે અદ્ભૂત બની શકીએ છીએ, કેવી રીતે? જે પોતાની પરિસ્થિતિનો સ્વીકાર કરે છે તે જ અદ્ભૂત બની શકે છે. અદ્ભૂત બનવાની યાવી એટલે **Science Of Divine Living નમસ્કાર મહામંત્ર યોગ શિબીર**નું આયોજન પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્ર દ્વારા **પ.પૂ. ગુરુદેવ પંકજભાઈના** સાંનિધ્યમાં અંધેરી જે.બી. નગરના શ્રી મુનિસુવ્રત સ્વામી જૈન દેરાસરમાં તા. ૩-૨-૨૦૧૯ના કરવામાં આવ્યું હતું. જેનો 450 જણાએ લાભ લીધો હતો.

શિબીરની શરૂઆત પ.પૂ. ગુરુદેવે પ્રભુકૃપાથી કરી. ત્યારબાદ પ.પૂ. ગુરુદેવે કહ્યું કે સમયના આ પ્રવાસમાં આપણને પાંચ પ્રકારની હસ્તિઓ મળે છે. વ્યક્તિ, વસ્તુ, પરિસ્થિતિ, જીવ, પરમાણુ – આ પાંચ સાથે હરક્ષણ આપણે કેવી રીતે વ્યવહાર કરવાનો છે તેની સમજણ આપી. ભગવાનની જેમ આપણે ‘સવિ જીવ કરુ પ્રેમ રસી’ બનવાનું છે. ‘મૈત્રી એ પરમો ધર્મ’... સૌ સાથે, સર્વ જીવ અજીવ સાથે મૈત્રી કરવાની છે. પોતાની મસ્તીમાં હસતા રહેવું.

ત્યારબાદ પ.પૂ. ગુરુદેવે દિવસની શરૂઆત કઈ રીતે કરવાની છે તેની સમજણ આપી. આપણી વિચારધારા જ આપણી જીવનધારા છે. એને બદલવાની છે. એની Formula મળી. જે મહાવીર સ્વામીએ મંત્ર દ્વારા આપી છે. હું કાંઈ નથી, મને કાંઈ નથી આવડતું... એનો સ્વીકાર કરવો. દરરોજ ભગવાનને ત્રણ Whatsapp કરવા, પાંચ contact points વ્યક્તિ, વસ્તુ, પરિસ્થિતિ, જીવ, પરમાણુ જેને આપણે હરક્ષણ મળીએ છીએ તેમની સાથે “નમો જિણાણાં” કહી મિત્રતા કરવાની છે.

“આપની અંદર રહેલ પરમાત્માને હું વંદન કરું છું, સ્વીકાર કરું છું અને મારા હૃદયમાં આપને હું special સ્થાન આપું છું.” આ ભાવ સાથે સામેવાળાને “નમો જિણાણાં” કહેવાનું છે.

સૌ સાથે મૈત્રી એ જ સામાયિક, પ્રતિક્રમણ, ચૈત્યવંદન, પૂજા છે. આ

જ ભગવાનનો માર્ગ છે. ત્યારબાદ પ.પૂ. ગુરુદેવે સાત મહાન હસ્તિઓને Thank You કહેવાનું એ સમજાવતા કહ્યું કે જેમની કૃપાથી આપણે અહીં મનુષ્ય સ્ટેશન પર આવ્યાં છીએ અને એમની જ કૃપાથી આપણને રોજ નવો દિવસ મળે છે. સાત હસ્તિઓને Thank You કહેવાનું છે. રોજ દિલની કિતાબ ખોલીને દિલથી ઈશ્વર, અરિહંત, સિદ્ધ, સાધુને ‘નમો જિણાણાં’ કહેવું, કૃપા લેવી અને માતા-પિતા, સદ્ગુરુ, ગુરુજન, સર્વ જીવ-અજીવને ‘નમો જિણાણાં, Thank You’ કહેવાનું છે. કૃપા લઈ કૃપા દેવાની છે.

આ શિબીરમાં પ.પૂ. ગુરુદેવના શ્રીમુખથી જિન શાસનનો સાર મળ્યો. અનુભવ આધારિત વાણી જે તીર્થંકર પરમાત્માએ આપી છે તે મળી.

ત્રણ Whatsapp કર્યાં. આજનો દિવસ અદ્ભૂત છે. કાંઈ પણ થાય હું આનંદમાં રહીશ. હું હંમેશા smile કરીશ.

ત્યારબાદ પ.પૂ. ગુરુદેવે હું આ ધરતી પર શા માટે આવ્યો છું અને મારા જીવનનો ધ્યેય શું છે? આ પ્રશ્નોનું સમાધાન આપ્યું.

આપણને કેવી રીતે બદલાવાનું છે? સૃષ્ટિ કેવી રીતે ચાલે છે? સ્ત્રીના ગુણ, પુરુષના ગુણ શું છે તે સમજાવ્યું.

આપણી સૌની અંદર ભગવાન છે પણ તેને ઉજાગર કેવી રીતે કરવાનું છે તે ખબર નથી. એના માટે રોજ આ કરવાનું છે. (૧) નમો જિણાણાં કહેવું (૨) મારે નથી થવું હેરાન અને (૩) તમે ગમે તેવા હો, I Love You.

ભગવાનની સાક્ષીએ દિલના તરંગથી સૌને “તમે ગમે તેવા હો, I Love You” ની ભાવધારા મોકલી.

આ પૂરી શિબીરનું હાર્દ હતું – મૈત્રી. સૌને પ્રેમ કરવો દરેક ક્ષણ, સમસ્ત જીવરાશિ સાથે પ્રેમ કરવાનો છે.

ત્યારબાદ પ.પૂ. ગુરુદેવે પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્રની પ્રવૃત્તિઓ વિશે વિગત આપી. આ પૂરી શિબીરનો લાભ શ્રી આશિષભાઈ શાહે લીધો હતો. શ્રી મુનિસુવ્રત સ્વામી જૈન દેરાસરના ટ્રસ્ટી શ્રી નવીનભાઈ નાહર, શ્રી સંજયભાઈ વોરા જેમના સહયોગથી આ પૂરી શિબીર થઈ તેમના કરકમલો દ્વારા દીપપ્રગટીકરણ થયું. પ.પૂ. ગુરુદેવે તેમનું બહુમાન કરી “નમો જિણાણાં”ની ટોપી પહેરાવી.

સર્વ જનમાં નવચેતના લાવતી... ભગવાનનો માર્ગ Modern પરિપેક્ષમાં પ્રસ્તુત કરતી આ શિબીર “સમરો મંત્ર ભલો નવકાર”ની સાથે પૂરી થઈ.



### Science Of Divine Living नमस्कार महामंत्र योग शिबीर (अंधेरी)

हमारे जीवन में हर विचार हमें मारता है। यह विचार की धारा चौबिसो घंटे आती है जो Non-Stop है और हमें मारती है। हमेशा हम विचार के mode में ही रहते हैं। इस विचार को हमें मारना है और हमें अदभूत बनना है। हम अदभूत बन सकते हैं, कैसे? जो अपनी परिस्थिति का स्वीकार करता है वही अदभूत बन सकता है। अदभूत बनने की चाबी याने नमस्कार महामंत्र योग शिबीर का आयोजन परम सुख जीवन विकास केन्द्र द्वारा प.पू. गुरुदेव पंकजभाई के सान्निध्य में अंधेरी जे.बी. नगर के श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिन देहरासर में दि. 3-2-2019 को किया गया था। जिसका 450 लोगोंने लाभ लिया। शिबीर की शुरुआत प.पू. गुरुदेवने प्रभुकृपा से की। तत्पश्चात् पू. गुरुदेवने कहा की समय के इस प्रवास में हमें पाँच प्रकार की हस्तियाँ मिलती हैं – व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति, जीव, परमाणु। इन के साथ हर क्षण हमें कैसे व्यवहार करना है यह समझाया। हमें भगवान की तरह 'सवि जीव करु प्रेम रसी' बनना है। 'मैत्री ए परमो धर्म' – सर्व के साथ, सर्व जीव-अजीव के साथ मैत्री करनी है। हर क्षण मुस्कुराना है। अपने आपको मस्ती में रखना है।

तत्पश्चात् प.पू. गुरुदेवने दिन की शुरुआत कैसे करनी है यह बताया।

हमारी विचारधारा ही हमारी जीवनधारा है। इसे हमें बदलना है – इसकी Formula मिली जो महावीर स्वामीने हमें मंत्र द्वारा दी है। मैं कुछ नहीं हूँ, मुझे कुछ नहीं आता इसको स्वीकार करना, तीन Whatsapp करना, पाँच Contact points – व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति, जीव, परमाणु जिससे हम हर क्षण मिलते हैं उनके साथ "नमो जिणाणं" कहकर मित्रता करनी है।

आपके अंदर रहे हुए परमात्मा को मैं वंदन करता हूँ, स्वीकार करता हूँ और मेरे हृदय में Special स्थान देता हूँ... यह भाव के साथ 'नमो जिणाणं' कहना है।

सबके साथ मैत्री.... यही सामायिक, प्रतिक्रमण, चैत्यवंदन, पूजा है। यही भगवान का मार्ग है। तत्पश्चात् प.पू. गुरुदेवने सात महान हस्तियों

को Thank You कहना है यह बताते हुए कहा कि जिनकी कृपा से हम यहाँ मनुष्य Station तक पहुँचे हैं और जिनकी कृपा से हमें रोज नया जन्म मिलता है उन सात हस्तियों को हमें Thank You कहना है। रोज दिल की किताब खोलकर दिल से ईश्वर, अरिहंत, सिद्ध, साधु को 'नमो जिणाणं' कहना, कृपा लेना और Thank You कहना और माता-पिता, सद्गुरु, गुरुजन, सर्व जीव-अजीव को 'नमो जिणाणं', 'Thank You' कहना है। कृपा लेकर कृपा देनी है।

इस शिबीर में प.पू. गुरुदेव के श्रीमुख से जिन शासन का सार मिला। अनुभव आधारित वाणी जो तीर्थंकर परमात्मा ने दी है वह मिली।

तीन Whatsapp करवाये – आज का दिन अदभूत है। कुछ भी हो जाए, मैं आनंद में रहूँगा। मैं हमेशा मुस्कुराता रहूँगा।

तत्पश्चात् प.पू. गुरुदेवने हमें इस धरती पर क्यों आये हैं और जीवन का मकसद क्या है इस प्रश्न का समाधान किया।

अपने आप को कैसे बदलना है? इसकी Formula मिली। सृष्टि कैसे चलती है? स्त्री के गुण, पुरुष के गुण क्या है यह समझाया।

हम सबके अंदर भगवान हैं लेकिन उसे उजागर कैसे करना है यह हमें नहीं पता। इसके लिए हमें रोज यह करना है – (1) 'नमो जिणाणं' कहना (2) 'मुझे नहीं होना परेशान' और (3) 'आप कैसे भी हो, I Love You' की स्थापना मन में।

भगवान की साक्षी में दिल के तरंग से सबको "आप कैसे भी हो, I Love You" की भावधारा भेजी।

यह पूरे शिबीर का हार्द था – मैत्री। सबको प्रेम करना है। हर क्षण। समस्त जीवराशि को प्रेम करना है।

तत्पश्चात् प.पू. गुरुदेवने परम सुख जीवन विकास केन्द्र की प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी दी। यह पूरे शिबीर का लाभ श्री आशिषभाई शाह ने लिया था। देहरासर के ट्रस्टी श्री नवीनभाई नाहर, श्री संजयभाई वोरा जिनके सहयोग से यह शिबीर हुई उनके करकमल द्वारा दीप्रगटीकरण हुआ और प.पू. गुरुदेवने उनका बहुमान करते हुए 'नमो जिणाणं' की टोपी पहनाई।

सर्व जन में नवचेतना लाती हुई – भगवान का मार्ग Modern परिपेक्ष में प्रस्तुत करती हुई यह शिबीर "समरो मंत्र भलो नवकार...." स्तवन के साथ पूर्ण हुई।

नमो जिणाणं।



### Science Of Divine Living Workshop बोरीवली (वेस्ट)

१० मी ईश्रुआरीना दिवसे सवारे ८.०० वागेथी अपोरे १२.०० वागे सुधी Science of Divine Living And Navkarmantra नी शिबीर बोरीवली वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ द्वारा आयोजित करायो હતો. શ્રી પ્રવીણભાઈ દોશી અને શ્રી શશીકાંતભાઈ શેઠ ઉપધ્યાન દરમ્યાન New Year Party Satsang માં પધાર્યા હતા જ્યાં તેમને આવી શિબીર કરાવવાની ઈચ્છા વ્યક્ત કરી હતી. પ.પૂ. ગુરુદેવ દ્વારા દિવ્ય જીવનનો માર્ગ ઉપયોગી લાગ્યું ને તેઓ પ્રેરિત થયા હતા. લગભગ ૨૦૦ જણાએ આ શિબીરમાં ભાગ લીધો. ઉપાશ્રયમાં બિરાજમાન મહાસતીજી ભગવંતોએ પણ લાભ દીધો.

શિબીરની શરૂઆત પ.પૂ. ગુરુદેવે પ્રભુકૃપા લઈને કરી. નમો જિણાણં ધૂન ગજી. રોજ સવારે આ પ્રકારે દિવસ શરૂ કરવા કીધું. જીવનમાં પાંચ પ્રકારના પરિવારોને મૈત્રી મોકલવા કહ્યું. માટે પરમ લક્ષની જાગૃતિ આવશ્યક છે એમ કહ્યું. પરમ લક્ષ વિશે સમજાવતા કહ્યું કે શરીરની પાંચ ઈંદ્રિઓ = 5 Cameras વૈજ્ઞાનિક રૂપે આ બતાવ્યું. આ પાંચ ઈંદ્રિયોની ક્ષમતા 0.75% જ છે છતાં 100% નહીં બલકે 200% વિશ્વાસ મુકીએ છીએ. જે દેખાય છે એ વાસ્તવિક નથી. બાકીના 99.25% અદૃશ્ય જગત છે. આ જગતનું અનુભવ લેવા દિવ્ય જીવનના Steps બતાવ્યા છે. સૌથી પહેલા કૃપા લેવાની ઈશ્વર પાસે પછી અરિહંત, સિદ્ધ અને સાધુ પરમાત્મા પાસે કૃપા લઈ પાંચ પરિવારને (Five levels) પર મોકલવી.

1. જેની સાથે ઘરમાં અને વ્યવસાય જગતમાં મળીએ છીએ.
2. મિત્ર ગણ અને અડોસી પડોસી.
3. સગાસંબંધી અને સમાજ.
4. દેશના પ્રધાન, ઓફિસર, કર્મચારી, મંત્રી, દેશવાસી.
5. સૃષ્ટિમાં રહેલા સર્વ જીવ-અજીવ.

આ પાંચ પરિવારની સાથે મૈત્રી જ હૈરાનગતીનો હલ છે. નિયમિતરૂપે રોજ સવારે અને રાત્રે સુતા પહેલા તથા મધ્યાહન કાળે અને જે પણ સમયે આ કરવાથી રસ્તા ખૂલે છે.

મૈત્રીની તરંગ સૌને મોકલવામાં આવી. સંગીત અને સુરથી વાતાવરણ holy and divine બન્યું. મન હલ્કું થયું. Thank you, God bless you, તમે ગમે તેવા હો, I Love You જીવનમાં ઉતારી results લાવા કહ્યા. ઈશ્વરને આપણે કદી Thank you કહ્યું જ નથી આ જાગૃતી આપી. ત્યારબાદ સદ્ગુરુ, માતા-પિતા અને સર્વ જીવોને પણ કૃપા લઈ કૃપા આપવા કહ્યું. આ આપણા જીવિત દૃશ્યમાન ભગવાન છે. આ પ્રકારની રચના બનાવી જીવન જીવવાનું છે, enjoy કરવાનું છે. દરેક વ્યક્તિ સાથે દરેક વસ્તુમાં, દરેક પરિસ્થિતિમાં enjoy, accept અને મૈત્રી કરવાની છે. આજ દિવ્ય જીવન

છે. જે પરમાત્માએ બતાવ્યું છે એવું શ્રી સીમંધરી વાણીમાં પ.પૂ. ગુરુદેવે પોતાના શ્રીમુખે કહ્યું.

નવકાર મંત્રની શિબીર જૂન માસે શરૂ થાય છે. પૂરો લાભ લેવા પ.પૂ. ગુરુદેવે સર્વ શિબીરાર્થીઓને પ્રેરણા કરી. અંતમાં નવકાર મંત્રના જાપ થયા. બોરિવલીના સંઘ શ્રેષ્ઠિવર્યોએ ગુરુદેવને ધન્યવાદ દીધા. તેઓ કૃત કૃત થયા. સૌ ટ્રસ્ટીવર્યોનું બહુમાન કરવામાં આવ્યું. પરમ આનંદ પરિવાર દ્વારા પ.પૂ. ગુરુદેવ હેઠળ પરમ આનંદ પરિવારને ગૌતમ પ્રસાદીનો આમંત્રણ હતું. Youtube પર આ કાર્યક્રમ live relay કરાયો હતો. Divine Living Workshop by P.Pu. Pankajbhai ના નામે પરમસુખ tv namojinanam youtube channel અને facebook, અરિહંત T.V., Whatsapp ના માધ્યમો તથા magazine subscription થી સૌને પરિવારમાં જોડાવા પ.પૂ. ગુરુદેવે પ્રેરણા કરી.

આ પ્રકારે શિબીર પૂરી થઈ. સૌ કોઈ કંઈ ને કંઈ અમૂલ્ય લઈ ઘર તરફ પ્રયાણ કર્યું.

નમો જિણાણં.

### Science Of Divine Living Workshop બોરિવલી (વેસ્ટ)

૧૦ ફરવરી ૨૦૧૯ કે દિન સુબહ કે ૯.૦૦ બજે સે દોપહર ૧૨.૦૦ બજે તક Science Of Divine Living And Navkarmantra કી શિબીર કા આયોજન કિયા ગયા થા । યહ શિબીર બોરિવલી વર્ધમાન સ્થાનકવાસી સંઘ દ્વારા ફલિત હુઆ । શ્રી પ્રવિણભાઈ દોષી તથા શ્રી શશીકાંતભાઈ શેઠ ઉપધ્યાન દરમ્યાન New Year Party Satsang મેં પધારે યે જહાં ઈસી શિબીર કરાને કી ઈચ્છા વ્યક્ત કી ગઈ થી ।

પ.પૂ. ગુરુદેવ કે દ્વારા દિવ્ય જીવન જીને કા માર્ગ ઉપયોગી પાકર વે પ્રેરિત હુ યે । તકરીબન 200 લોગોં ને શિબીર મેં ભાગ લિયા । ઉપાશ્રય મેં બિરાજમાન મહાસતીજી ભગવંતોને મી શિબીર મેં લાભ દિયા ।

શિબીર કી શુરુઆત પ.પૂ. ગુરુદેવ ને પ્રભુકૃપા લેતે હુ યે કી । નમો જિણાણં કી ધૂન ગજાઈ ઔર રોજ સુબહ ઈસ પ્રકાર દિન કી શુરુઆત કરને કો કહા । જીવન મેં પાંચ પરિવાર કો ઈસ મૈત્રી ધૂન દ્વારા પ્રેમ કા સંદેશ મેજને કો કહા । હમારી મુક્તિ કે લિા પરમ લક્ષ કી જાગૃતિ આવશ્યક હૈ । પરમ લક્ષ કે બારે મેં સમજાતે હુ પૂ. ગુરુદેવ ને હમારે શરીર કી પાંચ ઈંદ્રિયોં = 5 Cameras. વૈજ્ઞાનિક રુપ સે યહ બતાયા કી ઈન પાંચ Cameras કી ક્ષમતા કેવલ 0.75% હૈ લેકિન હમ ઈસ પર 100% નહીં બલકી 200% મરોસા કરતે હૈ । જો દિખતા હૈ વહ વાસ્તવિક નહીં હૈ । બાકી કા 99.25%



अदृश्य जगत है । इस जगत का अनुभव लेने के लिए ही दिव्य जीवन के Steps बताए गए है । सबसे पहले कृपा लेनी है ईश्वर से । फिर अरिहंत, सिद्ध और साधु परमात्मासे कृपा लेकर पाँच परिवार (Five Levels) को कृपा देनी है ।

1. घर और कारोबार के सदस्य ।
2. मित्र गण ओर अडोस-पडोस ।
3. सगेसंबंधी और समाज ।
4. देश के प्रधान, कर्मचारी, Officers, मंत्री, देशवासी ।
5. सृष्टि के सर्व जीव-अजीव ।

इन पाँच परिवारों के साथ मैत्री हमारी परेशानी हल करती है । नियमित सुबह और रात को सोने से पहले तथा मध्याह्न काल और जो भी समय यह करने से अवश्य रास्ते खुलते हैं ।

मैत्री के तरंग सभी को भेजे गए । संगीत और सुर के साथ वातावरण holy and divine बना । मन हल्का हुआ । Thank you, God bless you, आप कैसे भी हो, I Love You यह जीवन में उतारने और results लाने को कहा । हमने कभी ईश्वर को Thank You कहा ही नहीं है यह जागृति दी । ततपश्चात् सद्गुरु, माता-पिता और सभी जीवों को भी कृपा लेकर कृपा देने के लिए प.पू. गुरुदेव ने कहा । यही हमारे जीवित भगवान, दृश्यमान भगवान है । इस प्रकार की रचना बनाकर जीवन जीना है, Enjoy करना है । हर व्यक्ति, हर वस्तु, हर परिस्थिति को enjoy, accept और मित्रता करनी है । यही दिव्य जीवन है जो परमात्मा ने बताया है । श्री सीमंधरी वाणी में प.पू. गुरुदेवने अपने श्रीमुख से कहा ।

नवकार मंत्र की शिबीर जून महिने में शुरु होती है । पूर्ण लाभ लेने के लिए पू. गुरुदेवने सभी शिबीरार्थियों से प्रेरणा की । अंत में नवकार मंत्र के जाप हुए । बोरिवली के संघ श्रेष्ठीवर्योंने गुरुदेव को धन्यवाद दिया । वे कृत कृत हुए । सभी ट्रस्टिजनों का परम आनंद द्वारा पू. गुरुदेव के करकमलों से बहुमान किया गया । संघ की तरफ से परम आनंद परिवार को गौतम प्रसादी का निमंत्रण भी था । Youtube पर यह कार्यक्रम Divine Living Workshop by P. Pu. Pankajbhai live relay किया गया था । परमसुख tv namojinanam youtube channel तथा facebook और अरिहंत TV, Whatsapp तथा Magazine के subscription आदी माध्यमों से जुड़ने के लिए प.पू. गुरुदेव ने सभी से प्रेरणा की ।

इस प्रकार शिबीर पूर्ण हुई । सभीने कुछ न कुछ अमूल्य पाकर घर की ओर प्रस्थान किया ।

नमो जिणाणं ।

## Science Of Divine Living नमस्कार महामंत्र योग शिबीर (मुमुन्ड)

**Divine Life Style For Students, Professionals, Businessmen, Everyone.**

दरेकनुं जवन दिव्य बने अेवा उदेश साथे प.पू. गुरुदेव श्री पंजभाई द्वारा अेक अभियाननी शरूआत थई यूकी छे. अत्यार सुधी उजारे लोको अेनो लाभ लई यूक्या छे अने करोडो लोको T.V. ना माध्यमथी अेनो लाभ लई रखां छे अने पोताना जवननी परेशानीथी मुक्त थई आनंदमय जवन वितावी रखां छे. जो आजनो विद्यार्थी आ रीतनी दिव्य जवन शैली उभाराथी अपनावे छे तो अेनुं लविष्य उज्जवल बनवुं निश्चित छे. अेटवा माटे कटलीय स्कूलोमां आ जतनुं Workshop नुं आयोजन थई यूक्युं छे.

आवुं ज आयोजन मुमुन्डनी ज्ञान सिरता स्कूलमां संपन्न थयुं. सेविका श्रीमती रीटाबेन मारुना प्रयासोथी आ Workshop ना आयोजन माटे स्कूलना प्रिन्सिपल तथा वार्डस प्रिन्सिपल आरतीबेन पासेथी सडर्ष अनुमति मणी अने ता. 1-2-2019 ना अपोरे 1.00 थी 3.30 वाग्या सुधी आ Workshop लेवामां आव्युं. अपोरे 12.30 वागे सेवकोनी टीम स्कूलमां पडोथी गई ने तैयारीओ करी लीधी. 1.00 वाग्ये स्कूलना अधा विद्यार्थीओ स्कूलना डोलमां आव्या. स्कूलनी अेक टीयर विद्यार्थीओने संस्थानो परियय कराव्यो. त्यारबाद workshop नी शरूआत रीटाबेन मारुओ करी. तेमने विद्यार्थीओने ईश्वर, माता-पिता, गुरुजनोनुं मडत्व टूंकमां समजाव्युं. त्यारबाद प.पू. गुरुदेवे पधार्या अने तेमना श्रीमुखथी ज्ञानसरितानो प्रवाल शरू थयो. तेमणे बाणकोने ईश्वर, माता-पिता, गुरुजन तथा समस्त जव-अजवनुं मडत्व समजाव्युं अने कहुं के आपणी उपर अेमनो अनंत उपकार छे माटे रोज सवारे उठतावेत आ यारेयने Thank you कहुं अने तेमनी कृपा लेवानी छे. साथे साथे माता-पिता, गुरुजन तथा समस्त जव-अजवने कृपा आपवानी छे. “नमो जिणाणं”नी धून द्वारा प्रभुकृपानो स्वीकार कर्यो. “बोल मनवा बोल, मारे नथी थवुं डेरान” धून द्वारा सरणताथी बाणकोने जवननुं लक्ष समजाव्युं. हुं स्वतंत्र बनीश, हुं मडेनत करीश, हुं सौ साथे मैत्री करीश अने हुं सेवक बनीश... बहु सडजताथी गाता गाता जवननुं लक्ष समज्यां. “तमे गमे तेवा डो, I Love You” आ धून द्वारा अधा बाणकोअे आनंदथी जूमता जूमता अधा साथे स्वजन मैत्री करी. जेमां परिवारना सदस्योथी लईने सृष्टिना समस्त जवोने मैत्रीनो संदेशो भोकव्यो. भगवानने त्रण



Whatsapp करतां शीष्यां. आ रीते प.पू. गुरुदेवे सडज आंतरिक विकासनो मार्ग अताव्यो अने व्यवहारिक जवन जववा माटे पांथ व्यवहार अताव्यां. लशवा माटे पूरी system समजवी. स्कूलना Time-Table नी साथे जवननुं Time-Table डेवी रीते अनाववुं ते समजव्युं. साथे साथे जवननुं लक्ष नक्की करवानुं समजव्युं. परिक्षानी तैयारी डेवी रीते करवी ते अताव्युं. अंतमां बाणकोने मित्रो डेवी रीते अनाववा, मोबाईलनो उपयोग डेवी रीते अने कंट्रोल करवो ते समजव्युं.

अंतमां प्रिन्सीपले आभार व्यक्त कर्यां. इरीथी आवो Workshop जल्दी थाय अेवी लावना व्यक्त करी. आ रीते Workshop जेमां पूरा जवननो सार आवी गयो अे पूरो थयो. बाणकोअे डसतां-रमतां जवन उपयोगी वातो समज. आप सौ तमारी चितपरिचित स्कूलमां आवा Workshop नुं आयोजन करावीने अभूत्य लाब लई शको छो.

नमो जिशाशां.

## Science Of Divine Living नमस्कार महामंत्र योग शिबीर (मुलुब्ड)

**Divine Life Style For Students,  
Professionals, Businessmen, Everyone.**

हर एक का जीवन दिव्य बने इस उद्देश्य हेतु प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई द्वारा एक अभियान की शुरुवात हो चुकी है । अब तक हजारो लोग इसका लाभ ले चुके हैं और करोड़ो लोग T.V. के माध्यम से इसका लाभ उठा रहे हैं और अपने जीवन की परेशानी से मुक्त हो कर आनंदमय जीवन बिता रहे हैं । यदि आज का student इस तरह की दिव्य जीवन शैली अपना लेता है तो उसका भविष्य उज्ज्वल होना निश्चित है । इसलिए कई स्कूलो में इस तरह के Workshop का आयोजन हो चुका है ।

ऐसा ही एक सफल आयोजन मुलुब्ड के ज्ञान सरिता स्कूल में संपन्न हुआ । सेविका श्रीमती रीटाबेन मारु के प्रयासो से हमें इस Workshop के आयोजन हेतु स्कूल के Principal एवं Vice Principal आरतीबेन से सहर्ष अनुमति प्राप्त हुई और दिनांक 1 फरवरी 2019 को दोपहर 1.00 बजे से 3.30 बजे तक यह Workshop संपन्न हुआ । दोपहर 12.30 के करीब हमारी सेवक team स्कूल में पहुँच गई और तयारी शुरु

हो गई । 1.00 बजे के करीब सारे बच्चे स्कूल के हॉल में जमा हो गए । स्कूल की एक teacher ने बच्चों को हमारा और हमारी संस्था का परिचय करवाया । उसके पश्चात् Workshop की शुरुवात रीटाबेन मारु ने की । उन्होंने बच्चों को ईश्वर, माता-पिता, सृष्टि, गुरुजनों का महत्त्व संक्षिप्त में समझाया । तत्पश्चात गुरुदेव प.पू. पंकजभाई पधारे और उनके श्रीमुख से ज्ञान सरिता का प्रवाह शुरु हुआ । उन्होंने बच्चों को ईश्वर, माता-पिता, गुरुजन एवम् समस्त जीव-अजीव का महत्त्व समझाया और कहा कि इन सभी के हमारे उपर अनंत उपकार है । इसलिए सुबह उठते ही इन चारों को Thank You कहना और इनकी कृपा लेनी है । साथ ही माता-पिता, गुरुजनों और समस्त जीव-अजीव को कृपा देनी है । “नमो जिणाणं” की धून द्वारा प्रभुकृपा का स्वीकार किया । ‘बोल मनवा बोल...’ धून गाते गाते बड़ी सरलता के साथ बच्चों को जीवन के लक्ष्य समजाए । ‘मुझे नहीं होना परेशान, मैं स्वतंत्र बनूँगा, मैं मेहनत करूँगा, मैं सभी से मैत्री करूँगा और मैं सेवक बनूँगा । बड़ी सहजता से बच्चों ने गाते गाते जीवन लक्ष्य को समझा । “आप कैसे भी हो, I Love You” इस धून द्वारा सभी बच्चोंने बड़े आनंद के साथ झुमते झुमते स्वजन मैत्री की, जिसमें परिवार के सदस्यों से शुरुआत कर सृष्टि के समस्त जीवों को मैत्री का संदेश भेजा । भगवान को तीन Whatsapp करना सीखा ।

इस तरह प.पू. गुरुदेव ने आंतरिक विकास का सहज रास्ता समझाया और व्यवहारिक जीवन जीने के लिए पाँच व्यवहार बताए । पढ़ाई करने की पूरी system समझाई । स्कूल के Time-Table के साथ साथ जीवन का Time-Table कैसे बनाना है यह बतलाया । साथ में जीवन के लक्ष्य तय करना यह सभी बाते समझाई । Exam की तैयारी कैसे करनी है यह बतलाया । और अंत में बच्चों को कैसे friends बनाना है, Mobile का उपयोग कैसे और कितना करना है यह समझाया ।

अंत मे Principal महोदया ने आभार व्यक्त किया और दुबारा जल्दी ही ऐसा Workshop हो ऐसी भावना व्यक्त की । और इस तरह यह Workshop जिसमे पुरे जीवन का सार समा गया संपन्न हुआ । बच्चों ने हँसते हँसते, खेलते खेलते जीवन उपयोगी बाते समझी । आप सभी अपनी चिर परिचित स्कूल में ऐसे Workshop का आयोजन करवा सकते हो और अमूल्य लाभ ले सकते हो ।

सं. पूर्वीबेन मारु

नमो जिणाणं ।

शुभेच्छः :

छोटे से छोटा वाक्य भी पार लगाने वाला है ।



## महावीर जन्म कल्याणक (१७ अप्रैल २०१८)

चैत्र सुद तेरस अटले महावीर जन्म कल्याणक दिन. आपणी अंदर रहेल महावीरने जन्म आपवानो दिन. आ दिवसे परम सुख जीवन विकास केन्द्र द्वारा प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाईना सांनिध्यमां अेक अनूठो प्रयोग कराववामां आवे छे. आ वर्षे ता. १७ अप्रैल २०१८ना दिने आ अनुठा प्रयोगनु आयोजन करवामां आव्युं छतुं. सायन डोस्पिटल तथा Salvation Army आश्रममां महावीरने जगाडवानो आ प्रयोग करवामां आव्यो छतो.

सायन डोस्पिटलना सात नंबर गेट पास सौने २.०० वागे बोलाववामां आव्यां छतां. अधाने प.पू. गुरुदेवे डोस्पिटलना वॉर्डमां अंदर जई शुं करवानुं छे ते समजव्युं. वॉर्डमां जई दरेक पेशन्टने स्वजन बनी मणवानुं, तेमनी साथे तेमनुं दर्द share करवुं तथा क्लिनि Kit अर्पण करवी. “नमो जिशां” करी तेमनी साथे मैत्री करवी अने त्यां बेसीने तेओ जल्दीथी साज थईने तेमना धरे जाय अटला माटे त्यां बेसीने जाप करवा. आरीते प.पू. गुरुदेवना मार्गदर्शन प्रमाणे सौ अलग अलग वॉर्डमां Team Leader साथे क्लिनि kit लईने गया. अलग अलग वॉर्डमां दरेक दर्दने ‘नमो जिशां’ कडी क्लिनि अर्पण करी तेमने स्वजन बनी मण्यां. त्यां बेसीने ‘नमो जिशां’, जिअ लयां’, ‘श्री गजानंद जय गजानंद जय जय गणेश मोर्या’, ‘ॐ नमो भगवते श्री वासुदेवाय’, ‘गायत्री मंत्र’..... वगैरेना जाप कर्या. त्पारबाद सौ सायन डोस्पिटलना परिसरमां भेगा थया. त्यां प.पू. गुरुदेवे सायन डोस्पिटलना डोक्टरो, नर्सो, दर्दो माटे मंगल लावना करी अने जाप कराव्या.

त्पारबाद सायनमां Salvation Army आश्रममां गया. त्यां रहेती बालिकाओना सौ स्वजन, मित्र बनी मण्यां. तेमनी साथे वातो share करी गीतो गाया. बालिकाओने रोजबरोजनी उपयोगनी वस्तुओनी kit भेट आपवामां आवी. जेमां रुमा, टुथब्रश, कोलगेट पेस्ट, दांतियो, साबु, बकल, रबरबैन्ड वस्तुओ आपवामां आवी.

त्पारबाद त्यां पधारेल सर्व आराधकोने नास्तो तथा कुटी आपवामां आवी.

सायन डोस्पिटल तथा आश्रममां बालिकाओने मणी सौना अंतरमां आनंद छलकाई रह्यो. आपणी अंदर रहेल महावीरने प्रगट करवानी शुरुआत थई गई.

नमो जिशां.

## महावीर जन्म कल्याणक (१७ अप्रैल २०१९)

चैत्र सुद तेरस यांने महावीर जन्म कल्याणक दिन । हमारे अंदर रहे हुए महावीर को जगाने का दिन । इस परम सुख जीवन विकास केन्द्र द्वारा प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई के सांनिध्य में एक अनूठा प्रयोग कराने में आता है । इस साल दि. १७ अप्रैल २०१९ के दिन इस अनोखे प्रयोग का आयोजन किया गया था । सायन अस्पताल और Salvation Army आश्रम में हमारे अंदर महावीर को जगाने का प्रयोग किया गया था ।

सायन अस्पताल के 7 नंबर गेट के पास सभी को बुलाया गया था । प.पू. गुरुदेवने सभी को वॉर्ड में जाकर क्या करना है यह समझाया । वॉर्ड में जाकर सभी मरीजों को स्वजन बनके मिलना है । उनको फ्रुट अर्पण करना है और उनका दर्द share करना है । ‘नमो जिशां’ कहकर उनके साथ मैत्री करनी है । वहाँ पर बैठकर उनके जल्दी ठीक होने के लिए जाप करने है । इस तरह प.पू. गुरुदेव के मार्गदर्शन मुताबिक सभी अपने group team leader के साथ वॉर्ड में गए । अलग अलग वॉर्ड में जाकर सभी मरीजो को मिले । उन्हें ‘नमो जिशां’ कहकर फ्रुट की Kit अर्पण की । उनके साथ स्वजन बनकर बात की । वहाँ पर बैठकर उनके ठीक होने के लिए सभी ने वहाँ ‘नमो जिशां, जिअ भयां’, ‘जय गजानंद जय जय गणेश मोर्या’, ‘ॐ नमो भगवते श्री वासुदेवाय’, ‘गायत्री मंत्र’.... आदि जाप किए । तत्पश्चात सभी सायन अस्पताल के परिसर में इकट्ठे हुए । वहाँ प.पू. गुरुदेवने सायन अस्पताल के डोक्टर, नर्स, मरीजों और उनके सगे-संबंधी सभी के लिए मंगल भावना और जाप करवाये ।

तत्पश्चात् सायन में Salvation Army आश्रम गए । वहाँ रहती सभी बालिकाओं को स्वजन, मित्र बनकर सभी मिले । उनके साथ बातें share की, गाने गाये । उन्होंने भी अलग अलग गाने गाये । बालिकाओं को रोजिंदा उपयोगी वस्तुओं की kit दी गई जिसमें रुमाल, टुथब्रश, Colgate पेस्ट, कँगी, साबु, बकल, रबरबैन्ड, क्लीप, आदि चीजे देने में आई ।

तत्पश्चात् वहाँ पधारे हुए आराधको को नाश्ता और फ्रुटी दी गई । सभीने अपने अनुभव share किए । सायन अस्पताल में मरीजों को मिलकर और आश्रम में बालिकाओ को मिलकर सभी के अंतर में आनंद छलका रहा था । हमारे अंदर रहे हुए महावीर को प्रगट करने की शुरुवात हो गई थी ।

नमो जिशां ।

शुभेच्छक :

चाँदी के पाँव, पाँव में पायल, पायल में घुंघरु, वो आवाज सुनता है, बहरा नहीं है ।



### શ્રી ચૈત્રી નવરાત્રી શક્તિ આરાધના શ્રી નવપદ જ્ઞાન સાધના With શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર જાપ પૂજન અનુષ્ઠાન

આપણી અંદર રહેલી નકારાત્મકતાને દૂર કરી શક્તિની સ્થાપના કરવી.... જ્ઞાન સાધના કરી આપણો ગુણાત્મક વિકાસ કરવો.... 9 steps Towards Total Freedom...

મુક્તિ માર્ગની આ અંતર વિકાસની યાત્રાનું આયોજન ‘પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્ર’ દ્વારા પ.પૂ. ગુરુદેવ શ્રી પંકજભાઈના સાંનિધ્યમાં ચૈત્ર સુદ એકમથી ચૈત્ર સુદ પૂનમ સુધી ચૌદ દિવસ માટે કરાવવામાં આવ્યું હતું. ‘શ્રી ચૈત્રી નવરાત્રી શક્તિ આરાધના શ્રી નવપદ જ્ઞાન સાધના With શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર જાપ પૂજન અનુષ્ઠાન’ આરાધના સાધનામાં શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર સાથે જોડાવવા માટેનો આ સુવર્ણ અવસર છે. શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર એ આપણો ભવોભવનો સાથીદાર છે. ભવભ્રમણના ચક્રમાંથી મુક્તિ અપાવનાર મહાયંત્ર સમક્ષ પંદર દિવસ આરાધના સાધના કરવામાં આવી હતી.

પ્રથમ છ દિવસ શક્તિની આરાધના કરવામાં આવી હતી. તેમાં પ્રથમ આપણી અંદર રહેલ નકારાત્મકતાને દૂર કરવા શુધ્ધિકરણ મંત્ર મળ્યો “મારે નથી થવું હેરાન” અને પછી પાંચ નિર્ણય લીધા.

- 1) હું સ્વતંત્ર જરૂર બનીશ
- 2) હું શ્રમણ જરૂર બનીશ
- 3) હું નિર્ગ્રંથ જરૂર બનીશ
- 4) હું ભગવાન જરૂર બનીશ
- 5) હું સિધ્ધ જરૂર બનીશ.

“ૐ હ્રીં ક્લીં મહાકાલી દેવ્યાએ નમઃ”

ના જાપ પૂજન શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર પર કર્યા.

બીજા દિવસે શુધ્ધિકરણ process કર્યો. “નમો જિણાણં, જિઅ ભયાણં” પ્રભુની કૃપા લીધી અને કૃપા આપી. દુર્ગામાતાની આરાધના કરતા શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર પર વાસક્ષેપ પૂજન કર્યું.

“ૐ હ્રીં હ્રેં ક્લીં દુર્ગાએ નમઃ”

ત્રીજા દિવસે સારા બ્રહ્માંડ સાથે વિના કારણ પ્રેમ કર્યો. “તમે ગમે તેવા હો, I Love You”. સૌને પાંચ level પર પ્રેમનો message મોકલ્યો.

- 1) ઘરના સદસ્ય અને કામકાજના સદસ્ય
- 2) આડોસી પાડોસી અને મિત્રગણને
- 3) સગાસંબંધી અને સમાજ
- 4) દેશના વ્યવસ્થાપકો
- 5) પૂરા વિશ્વને અને સમસ્ત જીવ-અજીવને. એમ પાંચ level પર.

પ્રેમ જ મુક્તિ છે, મુક્તિ જ પ્રેમ છે. જે મૈત્રી કરે છે તે મુક્ત થાય છે, આનંદમાં રહે છે. બધા ધર્મનો સાર છે ‘પ્રેમ’.

“ૐ હ્રીં ક્લીં અંબે માતાએ નમઃ”

આ મંત્ર જાપ કરતાં શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર પર વાસક્ષેપ પૂજન કર્યું. ચોથા દિવસે ગજ ગજ આનંદ પ્રગટ કર્યો. ધન સંપત્તિનું શુધ્ધિકરણ કર્યું. ખોટા માર્ગથી, અવળા માર્ગથી આવેલ ધનસંપત્તિને સાત્વિક બનાવવાનો પ્રયોગ કર્યો.

પ્રભુ સમક્ષ Negative Energy ને Divine Energy બનાવવા માટે આરાધનામાં પ્રાયશ્ચિત્ત કરવાનું પ.પૂ. ગુરુદેવે કહ્યું. (1) મારાથી ભૂલ થઈ ગઈ છે, મને ક્ષમા કરો. (2) વ્યવહારિક પ્રાયશ્ચિત્ત કરવાનું કહ્યું. તમારી પાસે જે પણ છે એમાંથી 10% આપવાનું શરૂ કરો. જ્યારે આપવાનું શરૂ કરો છો તો આપોઆપ Divine બને છે.

“શ્રી ગજાનંદ જય ગજાનંદ જય જય ગણેશ મોર્યા”

આ જાપ કરી શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર પર વાસક્ષેપ પૂજન કર્યું.

“ૐ હ્રીં શ્રીં નમઃ”

પાંચમા દિવસે સત્તાને શુધ્ધ કરી. અજ્ઞાનની સત્તાને શુધ્ધ કરી. શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર સમક્ષ સૌનું મંગલ હો, કલ્યાણ હો, આનંદમાં હો... આ ભાવના કરતાં “ૐ હ્રીં શ્રીં મહાલક્ષ્મી દેવ્યાય નમઃ” આ જાપ કરતાં કરતાં વાસક્ષેપ પૂજન કર્યું.

છઠ્ઠા દિવસે સાધન, સામગ્રી, ધનનું શુધ્ધિકરણ કર્યું.

“ૐ નમો ભગવતે શ્રી વાસુદેવાય”

આ જાપ કરતાં કરતાં શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર પર વાસક્ષેપ પૂજન કર્યું.

સાતમા દિવસથી જ્ઞાનસાધના સરૂ થઈ. પહેલા છ દિવસ વ્યવહાર જગતમાં આપણે વ્યવહારિક સ્વરૂપે શું શું કરવાનું છે તે જોયું અને શુધ્ધિકરણ કર્યું. પ.પૂ. ગુરુદેવે સમ્યક્ જ્ઞાનનું સ્વરૂપ બતાવ્યું. જ્ઞાનનું પ્રાથમિક સ્વરૂપ છે. જાણકારી. બીજું સ્વરૂપ છે Memory અને ત્રીજું સ્વરૂપ છે જાગૃતિ. આપણી પાસે જાણકારી, Memory હોવા છતાં દુઃખી છીએ કારણ જાગૃતિ નથી. આપણને જ્ઞાન અવસ્થામાં જવાનું છે.

જ્ઞાનપદ અષ્ટકનો ગુંજારવ કરીને શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર પર વાસક્ષેપ પૂજન કર્યું.

“ૐ નમો નાણાસ્”

આઠમા દિવસે તપ પદને સમજ્યા. તપ પદ અષ્ટકનો ગુંજારવ કર્યો. સમ્યક્ તપ એટલે જ્ઞાનપૂર્વક જે જાણકારી છે પણ action માં નથી તેને action માં લાવવું. Action is a Samyak Tap. જેમ ઘઉંમા આવતાં કંકરને જ્ઞાનપૂર્વક અને જાગૃતિપૂર્વક વીણી વીણીને બહાર કાઢી નાખવાં એ તપ છે. તપનો Role છે. સહજ સ્વીકારભાવ સમ્યક્ તપનો Role છે. વૃત્તિમાં બદલાવથી હારને જીતમાં બદલે. આરાધના સાધનાથી Internal Energy શુધ્ધ બને. સમ્યક્ તપનું મૂળ છે "I will enjoy, I will always smile..." આ achieve કરવા માટેના process નું નામ છે સમ્યક્ તપ.

શ્રી સિધ્ધચક્ર મહાયંત્ર પર વાસક્ષેપ પૂજન કર્યું.



### “ॐ नमो तवस्सु”

नवमा दिवसे प्रथम पू. गुरुदेव दर्शन पद अष्टकनो गुंजारव कर्यो. त्यारभाद अष्टक पदनी समजशा आपी. सम्यक् दर्शननी दृढता प्रगट करवानी छे. Root Cause मां जईने कारण काढवानुं छे. ‘मारे नथी थवुं हेरान’नी साथे I Love You All होवुं जरूरी छे. कर्म सत्तानी सामे मुक्तिनी लडाई करवानी छे.

श्री सिध्ययक महायंत्र पर वासक्षेप पूजन कर्युं.

### “ॐ नमो दंशारास्सु”

दसमां दिवसे सम्यक् यारित्र पद अष्टकनो गुंजारव कर्यो. प.पू. गुरुदेवे कहुं सम्यक् ज्ञान, सम्यक् तप, सम्यक् दर्शन त्रणे मणे छे त्यारे ज सम्यक् यारित्र आवे छे. मुक्ति मणे छे. आजे सौनी अंदर सम्यक् यारित्र अेटले के मुक्तिनुं परिणाम लाववानुं छे. ज्यां सुधी सम्यक् ज्ञान : “मारे नथी थवुं हेरान” स्थापित नथी थतुं त्यां सुधी शरुआत थती नथी. तेने दर्शनमां लाववानुं छे. त्यारे ज यारित्र प्रगट थशे. Love You All उशे तो ज निर्जरा थशे. कर्मना आवरणे तोडवानुं छे. श्री सिध्ययक महायंत्र पर जप करतां करतां वासक्षेप पूजन कर्युं.

### “ॐ नमो यारितस्सु”

ज्ञान साधना पछी गुणात्मक विकास करवा पंच परमेष्ठिनी साधना शरु थई. प्रथम साधु पद विषे समजशा मणी. साधु व्यक्ति स्वरुपे नही गुण स्वरुपे छे. कारण ते गुणथी ओणभाय छे. साधु अने साधक वय्ये शुं इरक छे अे प.पू. गुरुदेवे समजय्युं. साधु Committed छे ज्यारे साधक Non Committed छे. साधु गुरु आज्ञामां ज जवन जवे छे. तेनुं लक्ष परम मुक्ति छे. साधु पद अष्टकनो गुंजारव कर्या पछी श्री सिध्ययक महायंत्र पर “नमो होअे सव्व साहूणं” ना जप पूजन कर्युं.

बारमा दिवसे उपाध्याय पद विशे समजशा मणी. उपाध्याय पद Solution Provider छे. आपणां जवनमां उपाध्याय बहु मदत्वना छे. लावस्वरुप शरु करशो तो आपोआप मणी जशे उपाध्याय पद. उपाध्याय आपण्णी साथे रडीने आपणने बधा Problems मांथी बहार काढे छे. “न...मो... उव जज्जा या णं” नो दररोज जप करवाथी उपाध्याय मणी शके छे. सद्गुरु मणी जशे. तपमां अेमनी सेवा, वैयावय्य, आज्ञानुं पालन विशे अताय्युं छे. सेवा ज माध्यम छे तेमनी नज्जक जवा माटे. उपाध्याय अष्टक पदनो गुंजारव कर्या बाद तेनी समजशा भेणवी. त्यारभाद श्री सिध्ययक महायंत्र पर वासक्षेप पूजन कर्युं.

### “नमो उवज्जायाणं”

तेरमा दिवसे आचार्य पद विशे समजशा भेणवी. आचार्य आपणां Guide छे. आचार्यना हृदयमां अेक ज लावना वहेती रहे छे के परमात्मानो मार्ग सौनी अंदर केवी रीते प्रगट करुं. जे परमात्माअे मने आय्युं छे ते सौनी अंदर प्रगट करुं. निगोदथी बहार नीकाणीने सिध्य पद सुधी पढोयाडी शके

अेवाछे आचार्य अने उपाध्याय. जे आचार्यनो पीणो वर्ण धारणकरे छे तेनुं ओजस सूर्य जेवुं अने छे. आचार्य भगवंत मार्ग प्रकाशक छे. सौ मां उजस, उल्लास, उमंग भरे छे. अेवा आचार्य आपणने सौने मणे अने आपणो परम गति तरङ्ग आगणवधीअे. श्री सिध्ययक महायंत्र पर वासक्षेप पूजन कर्युं.

### “नमो आयरियाणं”

चौदमां/पंदरमां दिवसे अरिहंत अने सिध्य परमात्मानुं अंतिमयरण. अने पद साथे अरिहंत पद अेटले देहसहित मुक्त दशा.

सिध्य पद अेटले देह रहित दशा. असंगी दशा, अयोगी दशा.

सिध्य दशा लक्ष छे. अे दशा सुधी पढोयाडनार तत्व छे अरिहंत पद.

अरिहंत नाम स्मरण करीने अेमनी कृपा लेवानी छे.

### “नमो अरिहंताणं”

### “नमो जिण्णाणं जिअ भयाणं”

आ भे मंत्र Continuous रटण करता रहो Result मणवानुं शरु थई जशे. आ ज धर्मदर्शक, साथीदार, रक्षणादार छे. कर्मना बधा क्यरा दूर करशे.

आत्मविकास माटे ‘नमो अरिहंताणं’नुं सतत रटण करो. Top Most पावरफुल मंत्र छे अरिहंत पद. जवमात्र जे पण अेनुं रटण करे छे अेनुं मंगल कल्याण अवश्य थाय छे. बधा दर्दनी दवा छे श्री अरिहंत. लावथी जे जपशे तेनो बेडो पार थई जशे. जिंदगीमां तोफान आवशे पण आपणने कंई नही थाय अेवुं पद छे श्री अरिहंत.

श्री सिध्ययक महायंत्र पर वासक्षेप पूजन कर्युं.

### “नमो अरिहंताणं”

उवे Last Stage सिध्य पद. आपणो Divine Form मां जेवा छीअे अेवी शुध्य दशा पामवानी छे. जे मारी जुदनी दशा छे. अेना माटे कर्म सत्ताने मात आपवानी छे. प्रतिकूलताने जतवानी छे. प्रतिकूलता आपणने जगाडे छे. प्रतिकूलता ज आपणने सिध्य अनावे छे. दरेक पण जगता रहेवानुं छे. दरेक पण ‘नमो अरिहंताणं’ जप 24 x 7 लावधारा यालु राभवानी छे. आ छे महावीरनी साधना. सिध्य पदनी साधना. श्री सिध्ययक महायंत्र पर वासक्षेप पूजन कर्युं.

### “नमो सिध्याणं”

आ रीते मुक्तिपदनी पंदर दिवसीय साधना पूर्ण थई.

आ आराधना साधनामां श्री सिध्ययक महायंत्र पोताना धरे प्रतिष्ठित करी महायंत्रने पोताना साथीदार अनावनार महानुभवो छे -

- (१) श्रीमती उषाभेन शांतिलालभाई जभरिया - अंधेरी
  - (२) श्री लारतभाई शाह - अमदावाद
  - (३) श्रीमती ताराभेन जुशालभाई जैन - नंदुरभार
- प.पू. गुरुदेव पूजित श्री सिध्ययक महायंत्रना लाभार्थी छे -
- (१) श्रीमती येतनाभेन संजयभाई शाह - मलाड

नमो जिण्णाणं.





## श्री चैत्री नवरात्री शक्ति आराधना श्री नवपद ज्ञान साधना With श्री सिद्धचक्र महायंत्र जाप पूजन अनुष्ठान

हमारे अंदर रही हुई नकारात्मकता को दूर करके शक्ति की स्थापना करना....., ज्ञान साधना करके हमारा गुणात्मक विकास करना....  
9 Steps Towards Total Freedom...

मुक्ति मार्ग के आंतर विकास की यह यात्रा का आयोजन “परम सुख जीवन विकास केन्द्र” द्वारा प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई के सान्निध्य में चैत्र सुद एकम से चैत्र सुद पूनम तक पंद्रह दिन के लिए सांताक्रुझ खीरानगर मे कराया गया था ।

“श्री चैत्री नवरात्री शक्ति आराधना श्री नवपद ज्ञान साधना With श्री सिद्धचक्र महायंत्र जाप पूजन अनुष्ठान” आराधना साधना में जुड़ने का यह सुवर्ण अवसर है । श्री सिद्धचक्र महायंत्र हमारा भवोभव का साथीदार है । भवभ्रमण के चक्र मे से मुक्ति दिलानेवाले महायंत्र के समक्ष पंद्रह दिन आराधना साधना करने में आई थी ।

पहले छह दिन शक्ति की आराधना की गई । पहले हमारे अंदर रही हुई नकारात्मकता को दूर किया । हमारे अंदर रही हुई नकारात्मकता को दूर करने के लिए शुद्धिकरण मंत्र मिला, “मुझे नहीं होना परेशान” और फिर पाँच निर्णय लिये ।

- 1) मैं स्वतंत्र जरूर बनूँगा ।
- 2) मैं श्रमण जरूर बनूँगा ।
- 3) मैं निर्ग्रथ जरूर बनूँगा ।
- 4) मैं भगवान जरूर बनूँगा ।
- 5) मैं सिद्ध जरूर बनूँगा ।

ॐ ह्रीं क्लीं महाकाली देव्याये नमः

के मंत्र जाप से श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

दुसरे दिन शुद्धिकरण Process किया । “नमो जिणाणं, जिअ भयाणं” प्रभु की कृपा ली और प्रभु की कृपा दी । दुर्गामाता की आराधना करते हुए श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

“ॐ ह्रीं ऐं क्लीं दुर्गाए नमः”

तीसरे दिन पूरे ब्रह्मांड के साथ बिना कारण प्रेम किया । “आप कैसे भी हो, I Love You” सबको पाँच Level पर प्रेम का Message भेजा ।

- 1) घर के सदस्य और कामकाज के सदस्य ।
- 2) अडोस-पडोस और मित्रगण ।
- 3) सगेसंबंधी और समाज ।
- 4) देश के व्यवस्थापक ।
- 5) पूरे विश्व के समस्त जीव-अजीव ।

प्रेम ही मुक्ति है । मुक्ति ही प्रेम है । जो मैत्री करता है वह मुक्त होता है । आनंद मे रहता है । सब धर्म का मूल सार है “प्रेम” ।

“ॐ ह्रीं क्लीं अंबे माताये नमः”

यह मंत्र जाप करके श्री सिद्धचक्र महायंत्र परवासक्षेप पूजन किया ।

चौथे दिन गज गज आनंद प्रगट किया । धन संपत्ति का शुद्धिकरण किया । गलत रासते से आई हुई धन संपत्ति को सत्त्विक बनाने का प्रयोग किया ।

प्रभु के समक्ष हमारे अंदर जो Negative Energy आ गई है उसे Divine Energy बनाने के लिए आराधना में प्रायश्चित करने के लिए प.पू. गुरुदेवने कहा । (1) मुझ से भुल हो गई है मुझे माफ करो (2) व्यवहारिक प्रायश्चित करने को कहा – आपके पास जो भी है उसमे से 10% देना शुरू कर दो । जब देना शुरू करते हैं तो अपने आप Divine बनते हैं ।

“श्री गजानंद जय गजानंद जय जय गणेश मोर्या”

यह जाप के साथ श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

“ॐ ह्रीं श्रीं नमः”

पाँचवे दिन सत्ता को शुद्ध किया । अज्ञान की सत्ता को शुद्ध किया । श्री सिद्धचक्र महायंत्र समक्ष सबका मंगल हो, कल्याण हो, आनंद हो... इस भावना के साथ, “ॐ ह्रीं श्रीं महालक्ष्मी देव्याये नमः” वासक्षेप पूजन किया ।

छठे दिन साधन सामग्री, धन का शुद्धिकरण किया ।

“ॐ नमो भगवते श्री वासुदेवाय”

यह जाप करते हुए श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

सातवे दिन से ज्ञान साधना शुरू हुई । पहले छह दिन हमे व्यवहार जगत मे व्यवहारिक स्वरूप से क्या करना है यह देखा और उसका शुद्धिकरण किया । प.पू. गुरुदेवने सम्यक् ज्ञान का स्वरूप बताया । ज्ञान का प्राथमिक स्वरूप है जानकारी । दूसरा स्वरूप है Memory और तीसरा स्वरूप है जागृति । हमारे पास जानकारी, Memory है फिर भी दुःखी है क्योंकि जागृति नहीं है । हमें ज्ञान अवस्था में नहाना है । ज्ञानपद अष्टक का गुंजारव करके श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

“ॐ नमो नाणस्”

आठवे दिन तप पद को समझे । तप पद अष्टक गुंजारव किया । सम्यक् तप यांने ज्ञानपूर्वक जो जानकारी है उसे Action मे लाना है । Action is a Samayak Tap. जैसे गेहूँ में आये हुए कंकण को ढूँढ़कर ज्ञानपूर्वक और जागृतिपूर्वक बाहर निकालना तप का Role है स्वीकार भाव । सम्यक् तप का Role है वृत्तिओ के बदलाव से हार को जीत में बदलना । आराधना साधना से Internal Energy शुद्ध बनती है । सम्यक् तप का मूल है, "I will Enjoy, I will always Smile..." यह achieve करने के



Process का नाम है सम्यक् तप ।

श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

“ॐ नमो तवस्”

नववे दिन प.पू. गुरुदेवने पहले दर्शन पद अष्टक गुंजारव किया । तत्पश्चात् अष्टक पद की समझ दी । सम्यक् दर्शन की दृढ़ता प्रगट करनी है । Root Cause में जाकर कारण ढूँढना है । “मुझे नहीं होना परेशान” के साथ "I Love You" होना जरूरी है । कर्मसत्ता के सामने मुक्ति की लड़ाई करनी है । श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

“ॐ नमो दंशणस्”

दसवे दिन सम्यक् चारित्र पद अष्टक का गुंजारव किया । प.पू. गुरुदेवने बताया कि सम्यक् ज्ञान, सम्यक् तप, सम्यक् दर्शन तीनों मिलते हैं तब ही सम्यक् चारित्र आता है । मुक्ति मिलती है । आज सबको अपने अंदर सम्यक् चारित्र यानि कि मुक्ति का परिणाम लाना है । जब तक सम्यक् ज्ञान “मुझे नहीं होना परेशान” स्थापित नहीं होता है तब तक शुरुआत नहीं होती । इसे दर्शन में लाना है । तब चारित्र प्रगट होगा । I Love You All होगा तो ही निर्जरा होगी । कर्म के आवरण को तोड़ना है । श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर जाप करते करते वासक्षेप पूजन किया ।

“ॐ नमो चारितस्”

ज्ञान साधना के पश्चात गुणात्मक विकास करने पंच परमेष्ठि की साधना शुरु हुई । पहले साधु पद के बारे में समझ मिली । साधु व्यक्ति स्वरूप से नहीं किंतु गुण स्वरूप से है । क्योंकि वह गुण से पहचाने जाते हैं । साधु और साधक के बीच का फरक क्या है यह समझाया । साधु Committed है । जब की साधक Non Committed है । साधु गुरु आज्ञा में जीवन जीते हैं । उसका लक्ष्य परम मुक्ति है । साधु अष्टक पद का गुंजारव किया । श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर “नमो लोए सब साहूणं” के जाप करते करते वासक्षेप पूजन किया ।

बारहवे दिन उपाध्याय पद के बारे में समझ मिली । हमारे जीवन में उपाध्याय बहुत ही महत्त्वपूर्ण है । भावस्वरूप शुरु करेंगे तो अपने आप मिल जायेंगे । हम सभी Problem में से बाहर निकालते हैं । “न मो उ व ज्ञा या णं” का जाप हररोज करने से उपाध्याय मिलने की संभावना है । सदगुरु मिल जाएंगे । तप में उनकी सेवा, वैयावच्य, आज्ञा पालन के बारे में बताया है । सेवा ही माध्यम है उनके नजदीक जाने का । उपाध्याय अष्टक पद का गुंजारव किया । उसकी समझ मिली । श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

“नमो उवज्ज्ञायाणं”

तेराहवे दिन आचार्य पद के बारे में समझ मिली । आचार्य हमारे Guide है । आचार्य के हृदय में यह भावना बहती है कि परमात्मा का मार्ग सबके अंदर कैसे प्रगट करु । जो परमात्माने मुझे दिया है वो सबके अंदर प्रगट करु । निगोद से बाहर निकाल के सिद्ध पद तक पहुँचा सकते हैं

ऐसे है आचार्य और उपाध्याय । जो आचार्य का पीला वर्ण धारण करता है उसका ओजस सूर्य जैसा बन जाता है । आचार्य भगवंत मार्ग प्रकाशक है । सबमें उजास, उमंग, उल्हास भरते हैं । ऐसे आचार्य हम सबको मिले और हम परम गति की ओर आगे बढ़े । श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

“नमो आयरियाणं”

चौदहवा/पंद्रहवा दिन अरिहंत और सिद्ध परमात्मा का अंतिम चरण । अरिहंत पद याने देहसहित अवस्था सिद्ध पद याने देहरहित अवस्था । असंगी दशा, अयोगी दशा । सिद्ध दशा लक्ष्य है । यह दशा तक पहुँचानेवाले तत्व है अरिहंत पद । अरिहंत नाम स्मरण करके उनकी कृपा लेनी है ।

“नमो अरिहंताणं”

“नमो जिणाणं, जिअ भयाणं”

यह दो मंत्र Continuous रटण करते रहो । Result मिलना शुरु हो जाएगा । यही धर्मदेशक, साथीदार, रक्षणहार है । कर्म के सभी कचरे दूर करेंगे । आत्मविकास के लिए सतत “नमो अरिहंताणं” का रटण करो । Top Most Powerful मंत्र है अरिहंत पद । जीव मात्र जो भी इसका रटण करता है उसका मंगल कल्याण अवश्य होता है । सब मर्ज की दवा है “श्री अरिहंत” । भाव से जो जपेगा उसका बेड़ा पार हो जाएगा । जिंदगी में तुफान आएगा लेकिन हमें कुछ नहीं होगा ऐसा है “श्री अरिहंत” । श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

“नमो अरिहंताणं”

अब Last Stage सिद्ध पद । हम Divine Form में जैसे हैं वैसी शुद्ध दशा पानी है । जो मेरी खुद की दशा है । इसके लिए कर्म सत्ता को मात देनी है । प्रतिकूलता को जितना है । प्रतिकूलता हमें जगाती है । प्रतिकूलता ही हमें सिद्ध बनाती है । हर पल जागते रहना है । हर पल “नमो अरिहंताणं” का जाप 24 x 7 जपते रहना है । यह है महावीर की साधना । श्री सिद्धचक्र महायंत्र पर वासक्षेप पूजन किया ।

“नमो सिद्धाणं”

इस तरह मुक्तिपद के लिए यह पंद्रह दिन की साधना पूर्ण हुई ।

इस आराधना साधना में श्री सिद्धचक्र महायंत्र अपने घर पर प्रतिष्ठित करके महायंत्र को अपना साथीदार बनाने वाले महानुभव हैं –

- 1) श्रीमती उषाबेन शांतीलालभाई जाखरिया – अंधेरी
- 2) श्री भारतभाई शाह – अहमदाबाद
- 3) श्रीमती ताराबेन खुशालभाई जैन – नंदुरबार

प.पू. गुरुदेव पूजित श्री सिद्धचक्र महायंत्र के लाभार्थी हैं –

- 1) श्रीमती चेतनाबेन संजयभाई शाह – मालाड

नमो जिणाणं ।

शुभेच्छः : गुरु और कृष्ण में कोई फर्क नहीं है, कृष्ण अपनी “बाँसुरी” की सुरीली तान छेड़ कर भक्तों को दीवाना बनाता है तो संत अपनी मधुरवाणी से ।



### श्री सीमंधर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव (मुलुन्ड, ता. 28-04-2019)

आपणी अंदरना सीमंधरने जगाडवा माटे वर्तमान जिवित तीर्थंकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामीनी कृपा द्रष्टि आपणी उपर पडे अने आपणुं मंगल कल्याण थई जाय अेवा लाव साथे अेमना शरणां रडी देवादिदेव श्री सीमंधर स्वामीनो जन्म कल्याणक महोत्सव मनाववा परम सुख जवन विकास केन्द्र द्वारा प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाईना सानिध्यमां 28 अप्रिल 2019 ना मुलुन्डमां आयोजन करवामां आव्युं हुंतुं.

अजबगजबनी हस्तिनुं celebration करवा आगला दिवसथी ज सेवको द्वारा तैयारी करवामां आवी. उत्साह, उल्लास, उमंगथी सभोवसरणानी रचना करवामां आवी. आसन पर श्री सीमंधर स्वामीनी प्रतिमा स्वरूपे स्थापना करवामां आवी. महोत्सवनी शरुआतमां सेवक श्री दिलीपभाई द्वारा प्रभुकृपा, पांच धून, त्रण Whatsapp, पांच level पर “तमे गमे तेवा डो, I Love You” कराववामां आव्युं. प.पू. गुरुदेवे दीप प्रगटीकरणा करी Celebration नी शरुआत करी. सौनुं हार्दिक स्वागत करी सौने वधाई आपी.

अनंत जवोना कल्याणकारी अेवा श्री सीमंधर स्वामीनी कृपा द्रष्टि आपणां पर पडे अेवा लाव करो अने अेमनी कृपा द्रष्टि आपणां लाव साथे जोडाई जाय छे. अनंत जवोना राडबर छे. जे अेमना शरणां रडे छे अेनो बेडो पार थई जाय छे. अेवी जंभना करवानी छे के अेमनी लाव द्रष्टि आपणाने आजे मणी जाय. आ लाव साथे आजे बेसवानुं छे अेम प.पू. गुरुदेवे कडी श्री सीमंधर स्वामी पासे कृपा मांगी.

“कृपा करो... कृपा करो... प्रभु कृपा करो...”

त्यारबाद श्री सीमंधर स्वामी केवी हस्ति छे तेनी समजण आपी. सो करोड साधु अने सो करोड साध्वी भगवंत अेमनी निश्रामां साधना करी रखां छे. अेमना 1800 करोड भक्त अेमनी लावधारा साथे जोडायेला छे. आपणो पण अेमनी साथे जोडाववानुं छे. कर्मसत्ता साथे लडाई करी विजय प्राप्त करवानी छे. अेमनी साथे सजन-सजनीनां संबंध बांधवानो छे. अेना माटे प्रभुअे 12 Steps Divine मार्ग अेताव्यो छे. जवनमां आ मार्ग उतारवानो छे. त्यारबाद प.पू. गुरुदेवे अरिहंतप्रकृ जेकेट “नमो जिशाणां, जिअ भयाणां” मंत्र आप्यो. हंमेशा भुश रडेवा माटे “तमे गमे तेवा डो, I Love You” मैत्री मंत्र आप्यो. आवा श्री सीमंधर स्वामी साथे नातो बांधवा प्रेरणा करतां प.पू. गुरुदेवे कहुं वर्षमां बे वार मौको मणे छे नांतो बांधवा. (1) पर्युषण महापर्व अने (2) श्री सीमंधर स्वामी जन्म कल्याणक दिन, ज्यां श्री सीमंधर स्वामी साक्षात प्रतिमा स्वरूपे हाजर डोय छे. श्री सीमंधर स्वामी अेवी हस्ति छे के आपणां जवनना दरेक क्षेत्रमां आपणी साथे डशे. आजे अेमनी साथे Agreement करवानो दिवस छे. तमारा आत्मप्रदेशमां अेवुं कंठक करो के श्री सीमंधर स्वामीनी पर्षदांमां जईने बेसवा मणे. दररोज त्रण वभत सात कृपा, पंचामृतनुं स्मरण, पोतानी जतने प्रभुने शरणे, अवश्य कृपा मणशे. “तमे गमे तेवा डो, I Love You” पांच level पर.... मैत्री करावी.

त्यारबाद ‘ॐ ह्रीं श्रीं अर्हम श्री सीमंधर स्वामीने नमो नमः’ ना जाप कर्या.

सौनुं मंगल डो... कल्याण डो... अेवी मंगल लावना करी. प्रभुज

समक्ष आरती उतारवामां आवी. मंगल दीपक करवामां आव्यो. श्री सीमंधर स्वामी साथे भवोभव नातो बांधवा पोताना हृदयमां तथा धरमां प्रतिष्ठित करवा श्री राजेशभाई पुभराजज बोडराअे हर्षोल्लासथी लाव लीधो.

त्यारबाद गौतमप्रसादी आरोडी सौ आनंद साथे छूटा पडयां.

नमो जिशाणां.

### श्री सीमंधर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव (मुलुन्ड, ता. 28-04-2019)

हमारे अंदर के सीमंधर को जगाने के लिए वर्तमान जीवित तीर्थंकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी की कृपा दृष्टि हम पर पडे और हमारा मंगल-कल्याण हो ऐसे भाव के साथ उनके शरण में रहकर देवादिदेव श्री सीमंधर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाने “परम सुख जीवन विकास केन्द्र” द्वारा प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई के सानिध्य में 28 अप्रिल 2019 को मुलुन्ड में आयोजन किया गया था ।

अजबगजब की हस्ति का Celebration करने के लिए अगले दिन से ही सेवको द्वारा तैयारी की गई । उत्साह, उल्लास, उमंग से समवसरण की रचना की गई । आसन पर श्री सीमंधर स्वामी की प्रतिमा स्थापित करने मे आई । महोत्सव की शुरुआत मे सेवक श्री दिलीपभाई द्वारा प्रभुकृपा, पाँच धून, तीन Whatsapp, पाँच level पर “आप कैसे हो, I Love You” मैत्री धून करने में आई । प.पू. गुरुदेवने दीप प्रगटीकरण करके Celebration की शुरुआत की । सभी का हार्दिक स्वागत किया और बधाई दी ।

अनंत जीवो के कल्याणक ऐसे श्री सीमंधर स्वामी की कृपादृष्टि हम पर पडे ऐसा भाव करो और उनकी कृपादृष्टि हमारे भाव के साथ जुड़ जाएगी । अनंत जीवो के राहबर है । जो उनके शरण में रहता है उसका बेडा पार हो जाता है । ऐसी झंखना करीनी है कि उनकी भाव दृष्टि आज हमे मिल जाए । इस भाव के साथ आज बैठना है ऐसा कहकर प.पू. गुरुदेवने श्री सीमंधर स्वामी के पास कृपा माँगी ।

“कृपा करो... कृपा करो... प्रभु कृपा करो...”

तत्पश्चात् श्री सीमंधर स्वामी कैसे है उसकी समझ दी । सो करोड साधु सो करोड साध्वी भगवंत उनकी निश्रामें साधना कर रहे है । उनके 1800 भक्त इनकी भावधारा के साथ जुड़े हुअे है । हमें भी उनके साथ जुड़ना है । कर्मसत्ता के साथ लडाई करके कैवल्य प्राप्त करना है । उनके साथ सजन-सजनी का नाता बाँधना है । उसके लिए प्रभुने 12 Steps Divine मार्ग बताया है । जीवनमे इस मार्ग को उतारना है । तत्पश्चात् प.पू. गुरुदेवने अरिहंतप्रफु जेकेट “नमो जिणाणं, जिअ भयाणं” मंत्र दिया । हंमेशा खुश रहने के लिए “आप कैसे भी हो, I Love You” मैत्री मंत्र दिया । ऐसे श्री सीमंधर स्वामी के साथ नाता बाँधने के लिए प्रेरणा करते हुए प.पू. गुरुदेवने कहा साल मे दो बार ऐसे मौके मिलते है । (1) पर्युषण महापर्व और (2) श्री सीमंधर स्वामी जन्म कल्याणक दिन – जहाँ श्री सीमंधर स्वामी साक्षात



प्रतिमा स्वरूप हाजर होते है । श्री सीमंधर स्वामी ऐसी हस्ती है कि हमारे जीवन के हरेक क्षेत्र में हमारे साथ होंगे । आज उनके साथ Agreement करने का दिन है । आपके आत्मप्रदेश में कुछ ऐसा करो कि श्री सीमंधर स्वामी की पर्षदा में जाकर बैठने को मिले । हररोज दिन मे तीन बार सात कृपा, पंचामृत का स्मरण, खुद की जात को प्रभु के शरण में... अवश्य कृपा मिलेगी । “आप कैसे भी हो, I Love You” पाँच level पर मैत्री की । तत्पश्चात् प.पू. गुरुदेवने “ॐ ह्रीं श्रीं अर्हम श्री सीमंधर स्वामीने नमो नमः” जाप करवाए ।

सबका मंगल हो, कल्याण हो ऐसी मंगल भावना की । प्रभुजी समक्ष आरती उतारने मे आई । मंगल दिपक करने में आया ।

श्री सीमंधर स्वामी के साथ भवोभव नाता बाँधने अपने हृदय मे और घर पर प्रतिष्ठित करने श्री राजेशभाई पुखराजजी बोहराने हर्षोल्लास से लाभ लिया । तत्पश्चात् गौतम प्रसादी ग्रहण करके सभी आनंद के साथ अपने घर गए ।

नमो जिणाणं ।

## अक्षय तृतीया महासत्संग अने ભક્તિસંધ્યા (रविवार, ता. 5-5-2019)

अक्षय तृतीया महासत्संगनो लाब वर्षमां इक्त अेक ज वषत मणे छे. अेटला माटे बधा सत्संगीओ अने सेवको आतुरतापूर्वक अेनी राड जुअे छे. आ दिवसे प.पू. गुरुदेव पासेथी विशेष ज्ञाननो महाप्रसाद मणे छे. आ महासत्संगनो आयोजन दर वर्ष प.पू. गुरुदेवना निवास स्थाने अक्षय तृतीया निमित्ते करवामां आवे छे. आ दिवसे प.पू. गुरुदेवना घरे श्री सीमंधर स्वामीनी प्रतिष्ठा थई छती. सौने प.पू. गुरुदेव तरङ्गथी डार्टिक आभंत्राण आपवामां आवे छे. त्राण वाग्याथी छ वाग्या सुधी महासत्संग त्यारबाद गौतमप्रसादी अने पछी शर्ज थाय छे प्रभु भक्ति... प्रभु मिलननी प्रक्रिया... जे साडा दस वाग्या सुधी याले छे.

आ वर्ष आ आयोजन 5 मे 2019 रविवारना दिवसे करवामां आव्युं छतुं. प.पू. गुरुदेवे प्रभुकृपा द्वारा महासत्संगनी शर्जात करी. प्रश्न कर्यो अक्षयपद अेटले शुं ? कोईके जवाब आप्यो इरीथी जन्म न लेवो पडे, तो कोईके कहुं मारी यात्रा अक्षय छे. आगण प.पू. गुरुदेवे समजाव्युं अक्षय = No Rest Only Arrest. आपण्णी अंदर जे त्रुटिओ छे तेने arrest करो जे आपण्णी दिवने तोडे छे. दरेक क्षण आपण्णी कांईकने कांईक विचारता डोईअे छीअे अने तूटीअे छीअे. क्षय अेटले तूटवुं अने तोडवुं जे तोडे छे अेना पर कर्णण करवानी छे. त्रुटिओ अेटले imperfection. आपण्णी जे वारंवार तूटीअे छीअे अेनुं solution शुं छे ? प.पू. गुरुदेवे कहुंके अेना माटे भगवाने त्राण त्रिपटी आपीछे.

प्रथम त्रिपटी

### (1) द्रष्टि निर्णय (Determination):

हुं अंदरथी भोभलो छुं. हुं अंदरथी भणुं छुं. आ वातनो जेटलो जल्दीथी स्वीकार करशुं अेटली ज जल्दी अेनो उकेल लावशुं. अक्षयतृतीयाना दिवसे

जे स्वीकारे छे के हुं न पोते मन, वचन अने कायाथी बणीश अने न बीजाने बाणीश. मारो द्रढ निश्चय छे के आजथी आ धंधो हुं बंध करीश. हुं मारा दोषनो स्वीकार करुं छुं. मारी साथे जे कंई थई रह्युं छे तेनो जवाबदार हुं पोते ज छुं. आवा द्रढ निर्णयने सामायिक कडेवाय छे.

### (2) Dedication :

द्रढ निर्णय पर यालवुं अेज Dedication छे. मनथी, वचनथी कोईनी पण्ण निंदा नही करीअे मात्र अनुमोदना करीशुं. वचन अेवा भोलशुं के सौनुं कल्याण थाय.

### (3) Devotion - Action Plan : अेना माटे त्राण Whatsapp :

- (1) आजनो दिवस अदभूत छे.
- (2) कंई पण्ण थाय हुं हुं भेशा आनंदमां रहीश, डसतो रहीश.
- (3) व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिती, जव, परमाणुं बधानी साथे हुं भेशा आनंदमां रहीश, डसतो रहीश.

द्वितीय त्रिपटी

### (1) नमो जिणाणं :

बधानो नमो जिणाणं लावथी स्वीकार करीश. तेमना हृदयमां रडेल परमात्माने हुं नभस्कार करीश ने मारा हृदयमां special स्थान आपीश.

### (2) मारे नथी थवुं डेरान :

दरेक व्यवहारमां हुं मनमां आ निर्णय लईश.

### (3) वभाषा करवा :

भरा हृदयथी गुणप्रमोद करीश.

अंतमां Thank You, I Love You, God Bless You कहीने विदाय लईश.

अंतिम त्रिपटी

### (1) “बोल मनवा बोल मारे नथी थवुं डेरान”

आ धून द्वारा सौअे परेशान न थवानो निर्णय लेवानो छे.

### (2) “नमो जिणाणं, जिअ भयाणं”

आ धून द्वारा प्रभुनी कृपा स्वीकारी प्रभुकृपा भोक्लवानी छे.

### (3) “तमे गमे तेवा डो, I Love You”

आ धून द्वारा पांच स्तर पर स्वजन मैत्री करी.

- 1) परिवारना सदस्यो (घर अने कार्य परिवार)
- 2) आडोसी पाडोसी तथा मित्रगण
- 3) सगासंबंधी
- 4) समाज तथा देशना सदस्यो तथा व्यवस्थापको
- 5) विश्व तथा संपूर्ण ब्रह्मांड

आ रीते सौ साथे मैत्री करी. अंतमां प.पू. गुरुदेवे व्यक्तिगत प्रश्नोनुं निराकरण कर्युं. आ रीते महासत्संग पूर्ण थयो. ज्ञानरूपी महाप्रसाद ग्रहण करीने सौअे गौतम प्रसादी ग्रहण करी.

त्यारबाद प.पू. गुरुदेवे भक्तिनी शर्जात करी अने भक्तिने अेवा स्तर पर लई गयां के अेक क्षण अेवी आवी के प्रभु अने हुं, हुं अने प्रभु अेक थई गया. अने आ भक्तिने यरम सीमा छती. अदभूत आनंदनी अनुभूति साथै अक्षय तृतीया महासत्सव पूर्ण थयो.

नमो जिणाणं



### अक्षय तृतीया महासत्संग एवं भक्तिसंध्या (रविवार, ता. 5-5-2019)

अक्षय तृतीया महासत्संग का लाभ वर्ष में केवल एक ही बार मिलता है इसलिए सभी सेवकों और सत्संगीओं को इसका आतुरतापूर्वक इंतजार रहता है। इस दिन प.पू. गुरुदेव से विशेष ज्ञान का महाप्रसाद मिलता है। इस महासत्संग का आयोजन हर वर्ष प.पू. गुरुदेव के घर पर अक्षय तृतीया के निमित्त से किया जाता है। इस दिन प.पू. गुरुदेव के घर पर श्री सीमंधर स्वामी की प्रतिष्ठा हुई थी। सभी को प.पू. गुरुदेव की ओर से invitation होता है। 3.00 बजे से 6.00 बजे तक महासत्संग उसके बाद गौतम प्रसादी और फिर शुरु होती है प्रभु भक्ति, प्रभु मिलन की प्रक्रिया जो 10.30 बजे तक चलती है।

इस वर्ष यह आयोजन 5 May रविवार के दिन किया गया था। प.पू. गुरुदेवने प्रभुकृपा द्वारा महा सत्संग की शुरुवात की और प्रश्न किया अक्षय पद यांने क्या? किसी ने जवाब दिया फिर जन्म न लेना पड़े तो किसी ने कहा मेरी यात्रा अक्षय है। आगे प.पू. गुरुदेवने समझाया अक्षय = No rest only arrest. हमारे अंदर जो त्रुटियाँ हैं उसको arrest करो, जो हमारे दिल को तोड़ती है। हर क्षण हम कुछ न कुछ सोचते रहते हैं और टुट जाते हैं। क्षय यांने टुटना और तोड़ना। जो तोड़ता है उस पर करुणा करनी है। त्रुटियाँ यांने imperfection. हम जो बार बार टुटते हैं उसका solution क्या है? प.पू. गुरुदेवने कहा कि इसके लिए भगवान ने हमें तीन त्रिपदी दी है।

#### प्रथम त्रिपदी

#### (1) दृढ़निर्णय (Determination) –

मैं अंदर से खोखला हूँ, मैं अंदर से जलता हूँ। इस बात को जितने जल्दी स्वीकार करेंगे उतने ही जल्दी उसको निपटना होगा। अक्षय तृतीया के दिन जो स्वीकारता है “मैं न खुद मन, वचन और काया से जलूँगा और न ही जलाऊँगा। मेरा दृढ़निर्णय है कि आज से यह धंधा बंद करूँगा। मैं अपने दोष का स्वीकार करता हूँ, ऐसा मेरे साथ जो हो रहा है उसका जिम्मेदार मैं ही हूँ। ऐसे दृढ़निर्णय को ही सामायिक कहते हैं।

#### (2) Dedication –

दृढ़निर्णय पर चलना यही Dedication. मन से, वचन से किसी की निंदा नहीं करेंगे मात्र अनुमोदना करेंगे। वचन ऐसे बोलें की सब का कल्याण हो जाए।

#### (3) Devotion – Action Plan – इसके लिए तीन Whatsapp :

- 1) आज का दिन अद्भूत है।
- 2) Come What may I will enjoy, I will Smile.
- 3) व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति, जीव, परमाणु सबके साथ I Will enjoy and I will Smile.

#### द्वितीय त्रिपदी

#### 1) नमो जिणाणं :-

सभी को नमो जिणाणं भाव से स्वीकार करूँगा। उनके हृदय में रहे हुए परमात्मा को नमस्कार करूँगा और अपने हृदय में Special स्थान

दूँगा।

#### 2 मुझे नहीं होना परेशान :-

हर व्यवहार में मन ही मन यह निर्णय लूँगा।

#### 3) तारिफ करना –

सच्चे दिल से गुण प्रमोद करूँगा।

अंत में Thank You, I Love You, God Bless You

कह कर विदा लूँगा।

#### अंतिम त्रिपदी

#### 1) “बोल मनवा बोल मुझे नहीं होना परेशान” –

यह धून के द्वारा सभी ने परेशान न होने का निर्णय लेना है।

#### 2) “नमो जिणाणं, जिअ भयाणं” –

इस धून द्वारा प्रभु की कृपा स्वीकारनी है और सभी को कृपा भेजनी है।

#### 3) “आप कैसे भी हो, I Love You” –

इस धून द्वारा 5 स्तर पर स्वजन मैत्री की।

- 1) परिवार के सदस्य (घर एवं व्यवसाय परिवार)
- 2) अड़ोस पड़ोस एवं मित्रगण
- 3) सगे संबंधी
- 4) समाज एवं देश के सदस्य और व्यवस्थापक
- 5) विश्व एवं सम्पूर्ण ब्रह्मांड।

इस तरह सभी के साथ मैत्री कि और अंत में प.पू. गुरुदेव ने वहाँ उपस्थित लोगो के व्यक्तिगत प्रश्नो का निराकरण किया। इस तरह महासत्संग संपन्न हुआ। ज्ञान रूपी महाप्रसाद ग्रहण करके सभी ने गौतम प्रसादी आरोही। तत्पश्चात प.पू. गुरुदेव ने भक्ति की शुरुवात की और भक्ति को इस स्तर पर ले गए कि एक क्षण ऐसा आया की प्रभु और मैं, मैं और प्रभु एक हो गए और यह भक्ति का Climax था। एक अद्भूत आनंद की अनुभूति के साथ यह अक्षय तृतीया का महोत्सव संपन्न हुआ।

नमो जिणाणं।

### उपध्यान + पर्युषण महोत्सव – 2018 (जूहु, 6 सप्ते म्बर थी 13 सप्ते म्बर)

आ वर्षनुं पर्युषण पर्व अद्भूत उत्तुं केमके आ वर्ष २४ कलाक भगवाननी साथे भगवानना मार्गमां रडेवानो सुनडेरो अवसर मण्यो उत्तो. परम सुभ अवन विकास केन्द्र प.पू. गुरुदेव श्री पंजभाईना सानिध्यमां आ वर्ष पर्युषण पर्वनी साथे-साथे उपध्यान तपनुं पण आयोजन करवामां आव्युं उत्तुं जे अद्भूत उत्तुं. उपध्यान अेटले भगवान द्वारा बतावेला मार्ग प्रमाणो अवन अवाननी training program अने पर्युषण अेटले परिवर्तन महोत्सव.

आजनी आपणो अवनशैली पूरी रीते अस्त व्यस्त छे अने आ अवनशैलीमां परिवर्तन करी आपणो केवी रीते भगवान द्वारा बतावेला मार्ग पर आलीने आपणुं परम लक्ष (मुक्ति) प्राप्त करी शकीये छे. अनी अद्भूत training आ उपध्यान तप द्वारा प्राप्त करी.



आ वर्ष पर्युषण महोत्सव 6th September थी शुरु थयो. आगला दिवसे बधा साधक सन्यास आश्रम पढोथी गया डता. ज्यां रहेवानी व्यवस्था करवामां आवी डती. बीजे दिवसे सवारे पांच वाग्याथी उपध्याननो नित्य क्रम शुरु थयो डतो. प.पू. गुरुदेव सौथी पडेला प्रभुकृपा करावता डता. जेमां ईश्वर, अरिहंत परमात्मा, सिद्ध परमात्मा, साधु परमात्मा, माता-पिता, सत्गुरु तथा गुरुजन अने समस्त जव अजव आ सातेयनी कृपा स्वीकारता डता अने साधु परमात्मा, माता-पिता, सद्गुरु तथा समस्त जव-अजवने कृपा आपता डता. अर्थात् ऐमना मंगलनी कामना करता डता. त्यारबाड प.पू. गुरुदेव पंचामृतनु रसपान करावता ऐमां कृपानुं अमृत, परम लक्षनुं अमृत, मैत्रीनुं अमृत, प्रेमनुं अमृत अने ज्ञानना अमृतनो समावेश थतो अने आ पंचामृतना रसपान द्वारा अद्भूत नवचेतनानुं संचार थतुं, दिव्य उर्जनो अनुभव थतो डतो. त्यारबाड त्रिश Whatsapp जे अद्भूत Tonic नुं कार्य करता डता.

- 1) Today is a wonderful day.
- 2) Come what may I will enjoy.
- 3) Come what may I will always smile.

त्यारबाड सौ सडेद वस्त्रोमां सुसज्जित थई प्रभुनुं शरश (टोपी) तथा कवच (ऐप्रेन) पडेरीने मैत्रीनो संदेश प्रसारित करवा माटे विचरश मैत्री माटे प्रस्थान करता डता. सन्यास आश्रमथी ऋतुम्भरा College ज्यां पर्युषण महोत्सवनुं आयोजन कर्तुं डतुं त्यां सुधी विचरश करता डता. अने आ विचरश 1.30 कलाकनुं लगभग थतुं डतुं. दरेक जव अने अजवनी साथे मैत्रीनो पैगाम पढोयाडता विचरश करता डता. जे पश रस्तामां मणतुं डतुं ऐमने आर्शिवाद आपता डता अने ऐमनाथी आर्शिवाद लेता डता. विश्व कल्याणनी भावना करता-करता ऋतुम्भराना प्रांगणमां प्रवेश करता डता. पछी त्यांथी शुरु थती डती शरीरमैत्री अने प्राणमैत्रीनुं सत्र. जे लगभग अेक कलाक सुधी चालती डती. जेमां पोताना शरीर तथा प्राणनी साथे मित्रता करीने रोगमुक्त आनंदमय जवन डेवी रीते जवी शकाय ऐ शीषवाडवामां आवतु डतुं. त्यारबाड नवकारशी करता डता ऐ पछी पर्युषण पर्वना सत्र attend करीने प्रभुवाणी ग्रहण करत डता. सांजे यौविहार करता अने अंतिम सत्रमां प्रतिक्रमश करीने लगभग 11.00 वागे सन्यास आश्रम पाछा आवता डता अने पछी व्यक्तिगत सवालो माटे विशेष session थतुं डतुं. थाक्या वगर अद्भूत उर्जनो साथे विश्राम करता डता.

आवी साधनानो लाभ 25 साधकों ऐ लीधो डतो जेमनुं सम्मान संवत्सरीना दिवसे प.पू. गुरुदेव द्वारा करवामां आव्युं डतुं. जे आपणे आ प्रकारनी जवनशैली अपनावी लेशुं तो जरूर आपणे आपणा परम लक्ष (मुक्ति)नी नज्क डशुं. आवा अद्भूत मार्गदर्शन माटे प.पू. गुरुदेवना चरणोमां कोटी-कोटी वंदन.

नमो जिशाणां.

### उपध्यान + पर्युषण महोत्सव 2018 (जुहू, 6<sup>th</sup> Sept. to 13<sup>th</sup> Sept.)

इस वर्ष का पर्युषण पर्व अद्भूत था क्योंकि इस वर्ष 24 घंटे भगवान के साथ भगवान के मार्ग में रहने का सुनहरा अवसर मिला था । परम सुख जीवन विकास केन्द्र प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई के सान्निध्य में इस वर्ष पर्युषण पर्व के साथ-साथ उपध्यान तप का भी आयोजन किया गया था जो

अद्भूत था । उपध्यान यांने भगवान द्वारा बताए मार्ग के अनुसार जीवन जीने का Training Program और पर्युषण महोत्सव यांने परिवर्तन महोत्सव ।

आज हमारी जीवन शैली पुरी तरह अस्त व्यस्त है और इस जीवन शैली में परिवर्तन कर हम कैसे भगवान द्वारा बतलाए मार्ग पर चल कर अपना परम लक्ष्य (मुक्ति) प्राप्त कर सकते है इसकी अद्भूत Training इस उपध्यान तप द्वारा प्राप्त की ।

इस वर्ष पर्युषण महापर्व 6th September को शुरु हुआ । अगले दिन सभी साधक सन्यास आश्रम पहुँच गए थे जहाँ रुकने की व्यवस्था की गई थी । दुसरे दिन सुबह 5.00 बजे से उपध्यान का नित्य क्रम शुरु हुआ था । प.पू. गुरुदेव सबसे पहले प्रभुकृपा करवाते थे जिसमें ईश्वर, अरिहंत परमात्मा, सिद्ध परमात्मा, साधु परमात्मा, माता-पिता, सत्गुरु एवं गुरुजन और समस्त जीव अजीव इन सातों की कृपा स्वीकारते थे और साधु परमात्मा, माता-पिता, सत्गुरु एवं समस्त जीव-अजीव को कृपा देते थे अर्थात् उनके मंगल की कामना करते थे । इसके पश्चात प.पू. गुरुदेव पंचामृत का रसपान करवाते थे जिसमें कृपा का अमृत, परम लक्ष्य का अमृत, मैत्री का अमृत, प्रेम का अमृत और ज्ञान के अमृत का समावेश होता था और इस पंचामृत के रसपान द्वारा अद्भूत नवचेतना का संचार होता था, दिव्य उर्जा का अनुभव होता था । तत्पश्चात तीन Whatsapp जो अद्भूत Tonic का कार्य करते थे ।

- 1) Today is a wonderful day.
- 2) Come what may I will enjoy.
- 3) Come what may I will always smile.

तत्पश्चात सभी श्वेत वस्त्रों में सुसज्जित होकर, प्रभु का शरण (टोपी) एवं कवच (ऐप्रेन) पहन कर मैत्री का संदेश प्रसारित करने के लिए विचरण मैत्री के लिए प्रस्थान करते थे । सन्यास आश्रम से जुहू ऋतुम्भरा College जहाँ पर्युषण महोत्सव का आयोजन किया गया था वहाँ तक विचरण करते थे और यह विचरण 1.30 घंटे के करीब होता था । हर जीव और अजीव के साथ मैत्री का पैगाम भेजते हुए विचरण करते थे । जो भी रास्ते में मिलता था उसे आर्शिवाद देते थे और उनसे आर्शिवाद लेते थे । विश्व कल्याण की भावना करते करते ऋतुम्भरा के प्रांगण में प्रवेश करते थे । फिर वहाँ शुरु होता था शरीर मैत्री और प्राणमैत्री का सत्र जो करीब एक घंटे तक चलता था जिसमें अपने शरीर एवं प्राण के साथ मित्रता कर के रोगमुक्त आनंदमय जीवन कैसे जी सकते है यह सीखाया जाता था । तत्पश्चात नवकारशी करते थे और फिर पर्युषण पर्व के सत्र attend कर प्रभु वाणी ग्रहण करते थे । शाम को चौविहार करते और अंत सत्र में प्रतिक्रमण कर के करीब 11.00 बजे सन्यास आश्रम वापस आते थे और फिर व्यक्तिगत सवाल के लिए विशेष Session होता था । बिना थकान अद्भूत उर्जा के साथ विश्राम करते थे ।

ऐसी साधना का लाभ 25 साधकों ने लिया जिनका सम्मान संवत्सरी के दिन प.पू. गुरुदेव द्वारा किया गया । यदि हम इस तरह की जीवन शैली अपनायेंगे तो जरूर हम अपने परम लक्ष्य (मुक्ति) के करीब होंगे । ऐसे अद्भूत मार्गदर्शन के लिए प.पू. गुरुदेव के चरणों में कोटी-कोटी वंदन ।

नमो जिणाणं ।

शुभेच्छक :

सब की बिगड़ी बनाने वाला तो एक “परमात्मा” ही है ।



### श्री किशोर भीमज संघवी

## Divine Scientific & Practical

### सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा (2018)

“महाविदेह”.... એવી ભાગ્યશાળી ભૂમિ.... જ્યાં એક સાથે વીસ વીસ તીર્થકર વિચરણ કરે છે.... જ્યાં કરોડો કરોડો દેવ-દેવીઓ જેમની સેવામાં હાજર છે, અઢારસો અઢારસો કરોડ ભક્તો જેમની આસપાસ ઉમટવા કરે છે, સો-સો કરોડ સાધુ-સાધ્વી.... દસ લાખ કેવલી ભગવંત.... જેમના પરિવારમાં છે... કેવું અપ્રતિમ સૌંદર્ય એમનું.... ! બસ નીરખ્યા જ કરીએ ! કેવો અદ્ભૂત નજારો છે એમનો કે મયુર-મયુરી ને અન્ય પંખીઓ પણ એમની હાજરીનો આનંદ લઈ રહ્યા છે. ઋતુઓ બધી એક સરખી છે, આખાયે વાતાવરણમાં ચારે બાજુ સુગંધ ફેલાઈ રહી છે... સૌ જીવો જેમની હાજરીનો આનંદ અનુભવી રહ્યા છે અને પોતાનું મંગલ અને કલ્યાણ કરી રહ્યા છે.... ! કેવો અદ્ભૂત નજારો છે મહાવિદેહમાં વર્તમાન જીવિત તીર્થકર શ્રી સીમંધર સ્વામીનો... ! આવો જ અદ્ભૂત નજારો અહીં આ ભરતક્ષેત્રમાં પણ જોવા મળ્યો ભારત દેશમાં મુંબઈ શહેરમાં પાર્લા ધામનાં ઋતુંભરા કોલેજના પરિસરમાં... ! જ્યાં વર્તમાન જીવિત તીર્થકર શ્રી સીમંધર સ્વામી વિવિધ સ્વરૂપમાં સાક્ષાત્ હાજર હતાં. કેવું અદ્ભૂત સ્વરૂપ... ! જોતા જ રહો. નીહાળીને આનંદથી ઝૂમી ઉઠીએ. અને એક નિર્ણય લેવાઈ જાય કે બસ... મારે તો હવે આમની સાથે કાયમનો નાતો બાંધવો જ છે. મને પણ સતત ચોવીસ કલાક ભગવાનની હાજરીનો આનંદ માણવો છે... ભગવાન સાથે જોડાઈને હું પણ જલ્દી જલ્દી મહાવિદેહમાં પ્રભુની પર્ષદામાં પહોંચી જાઉં અને પ્રભુની વાણી સુણાતાં સુણાતાં પરમ મંગલ પદને પામું. આવી પ્રભુની દિવ્ય હાજરી અને પ્રભુની સાક્ષાત્ દિવ્ય વાણી ગ્રહણ કરવા મળી “પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્ર” દ્વારા આયોજિત “શ્રી કિશોર ભીમજ સંઘવી Divine Scientific & Practical સમ્યક્ પર્યુષણ અનુભવધારા”માં જ્યાં પ.પૂ. ગુરૂદેવ શ્રી પંકજભાઈના શ્રી મુખેથી પ્રભુની દિવ્ય વાણી સતત નવ દિવસ ત્રણ સત્રમાં વહી રહી હતી.

આ સમ્યક્ પર્યુષણ અનુભવધારાનું આયોજન તા. ૬ સપ્ટેમ્બર ૨૦૧૮ થી તા. ૧૩ સપ્ટેમ્બર ૨૦૧૮ સુધી આઠ દિવસ માટે કરવામાં આવ્યું હતું. સમસ્ત જૈન સમાજ તથા અન્ય સમાજને ભગવાનનો આ દિવ્ય માર્ગ મળે અને સૌનું મંગલ થાય એવી ભાવના સાથે સંપ્રદાય તથા વાડાબંધીની ગ્રંથિઓથી મુક્ત થઈને સૌને સહર્ષ આમંત્રણ આપવામાં આવ્યું હતું. અહીં સુધી પહોંચવા માટે કેન્દ્ર દ્વારા Western Line માં બોરિવલી, કાંદિવલી, મલાડ, ગોરેગામ, સાંતાક્રુઝથી અને Central Line માં મુલુંડ, ઘાટકોપર, સાયનથી Free Bus સેવાની વ્યવસ્થા કરવામાં આવી હતી. આઠ દિવસની આ Scientific & Practical સમ્યક્ પર્યુષણ અનુભવધારા દરરોજ ત્રણ સત્રમાં હતી. પ્રથમ બે સત્ર જ્ઞાન સત્ર અને ત્રીજું સત્ર એટલે પ્રતિક્રમણ કરવાનું સત્ર. ત્યારબાદ દરરોજ રાત્રે શાંતિ પાઠ પછી આરતી તથા મંગલ દીવો ઉતારવામાં આવે છે. પર્યુષણના પાંચમાં દિવસે સિધ્ધાર્થ રાજા, ત્રિશલા માતા પધારે છે

અને વર્ધમાન મહાવીરનો જન્મ થાય છે. અદ્ભૂત છે આ દિવસ... મહાવીર જન્મોત્સવ મનાવી મહાવીર બનવાનો... !

આ Divine Scientific & Practical સમ્યક્ પર્યુષણ અનુભવધારાનું અરિહંત ચેનલ પર Delayed Live Telecast કરવામાં આવ્યું હતું. ઘરે બેસીને લાખો લોકોએ Scientific Practical પ્રતિક્રમણ કર્યું હતું. દરરોજ આઠ દિવસ Full day [www.namojinanam.org](http://www.namojinanam.org) પર Live Telecast કરવામાં આવ્યું હતું. દરરોજ બે time સ્વામી વાત્સલ્ય તથા આરાધકો માટે રહેવાની વ્યવસ્થા કરવામાં આવી હતી.

ઋતુંભરાના પ્રાંગણમાં વિધવિધ સ્વરૂપે મલકાતા પ્રભુજીની હાજરી માણવા અને પ્રભુજીની દિવ્યવાણી ગ્રહણ કરવા સૌ આતુર બન્યાં. પ.પૂ. ગુરૂદેવે તીર્થકર પરમાત્મા શ્રી સીમંધર સ્વામીની કૃપા લઈ શરૂઆત કરી આ Divine Scientific & Practical સમ્યક્ પર્યુષણ અનુભવધારાની.

“સીમંધરા ઓ સીમંધરા.... આવો પધારો સીમંધરા....

મારા અંતરમાં વાસ કરો સીમંધરા....”

આ ધૂન સાથે પ.પૂ. ગુરૂદેવે જીવિત તીર્થકર પરમાત્મા શ્રી સીમંધર સ્વામીને અહીં ઋતુંભરાના પ્રાંગણમાં પધારવા આહ્વાન કર્યું. થોડીક ક્ષણોમાં જ પ્રભુની સાક્ષાત્ હાજરી થઈ. તીર્થકર પરમાત્માનો એક અતિશય છે કે જે કોઈ પણ જ્યાંથી એમને બોલાવે તો એ ત્યાં હાજર થાય છે. ત્યારબાદ શ્રેષ્ઠીવર્ધ શ્રી કિશોરભાઈ છાબરિયા, FCP of JITO ના હસ્તે દીપ પ્રગટીકરણ થયું.

ભગવાનના દરબારમાં ઋતુંભરા અવસ્થા પ્રગટ કરવા પ.પૂ. ગુરૂદેવે કહ્યું અહીં એવી તૈયારી થઈ જાય કે ભગવાનનો માર્ગ આપણી અંદર આવે. આપણી અંદર અનંતકાળથી જે ગાંઠો પડેલી છે એને છોડવાની છે અને જીવનને આનંદ-ઉત્સવમય બનાવવાનો છે. એટલા માટે અહીં આઠ દિવસ ચારે બાજુથી Cut-off થઈ ‘સ્વ’નું નિરીક્ષણ કરવાનું છે. ‘સ્વયં’ એ પોતાની જાતને જોઈ બદલાવ લાવવાનો છે. આ બદલાવ લાવવા માટે જ આ પર્યુષણ છે.

ત્યારબાદ પ.પૂ. ગુરૂદેવે નવ દિવસની યાત્રા કઈ રીતે કરશું તેની ઝલક બતાવી. સ્થૂલ થી સૂક્ષ્મમાં કઈ રીતે Entry કરીશું તેની સમજણ આપી. તીર્થકર પરમાત્માનો Role આપણાં જીવનમાં કેટલો મહત્વનો છે તેની સમજણ આપી. ચોવીસે કલાક ભગવાન આપણી સાથે હોય તો આપણી અંદરના આવરણ તૂટે છે. જીવનમાં આવતાં અંતરાય જે વારંવાર સતાવે છે તે તૂટે છે. મન, શરીર સ્થિર બને છે. ધન, સંપત્તિ યોગ વ્યવસ્થિત બને છે. પરિવાર મધુર બને છે. પૂરા વિશ્વમાં, પૂરી સૃષ્ટિમાં દરેક જીવ આનંદમય બને છે. એવા ભગવાનની હાજરી સૌને મળે તથા સૌનું જીવન આનંદમય અને મંગલમય બને એવી મંગલ ભાવના કરી.

બીજા સત્રમાં પ.પૂ. ગુરૂદેવે પ્રભુકૃપાથી શરૂઆત કરી. આનંદવિકાસ અને આત્મવિકાસ એટલે શું તે સમજાવ્યું. 6 Sigma Process વિશે સમજણ આપી. ત્યારબાદ કોઈપણ વસ્તુ, વ્યક્તિ, પરિસ્થિતિ, જીવ, પરમાણુથી હેરાન પરેશાન ન થવા માટે નિર્ણય લીધો “મારે નથી થવું હેરાન.”

જીવનમાં Six Sigma લાવવા માટે શું કરવું જોઈએ તે સમજાવ્યું.

શુભેચ્છક :

લક્ષ્ય ડુંચા હૈ ફિર લક્ષણ મી તો વૈસે હી ધારણ કરને હોંગે ।



प्रेमનો विकास करवा डर व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिती, जव, परमाणु... पांचेय ने “नमो जिज्ञासां” कही तेमनो परमात्मा स्वरूपे स्वीकार करवानो छे. जगतनो “नमो” लावथी स्वीकार करवानो छे. प्रभुनी असीम कृपा लई दर वस्तु, व्यक्ति, परिस्थिती, जव, परमाणुने कृपा आपी आनंदमां रहैवानो प्रयोग कराव्यो.

“नमो जिज्ञासां, जिअ लयासां”

त्रीजो Process अटले मैत्रीनो Process. वगर कारणे सौनी साथे मैत्री करवी.

“तमे गमे तेवा डो, I Love You.”

त्यारबाद योथा Process मां “सद्गुरुनुं शरणा” ....

पांचमो Process अटले चारैय Process मां आपो दिवस मग्न रहैवुं – “कायोत्सर्ग”.

Sixth Process दोषोथी मुक्त थवानो Process – “पय्यकृपासा”.

त्यारबाद आंभ बंध करी Instant Constant प्रतिक्रमण कराव्युं. जेनी साथे वधारे उभेलो थाय छे तेने नजर समझ लावी तेने “तमे गमे तेवा डो, I Love You” कहेवुं.

बीजो दिवस – अटले महाविदेहनाथ जवित तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी साथे Contract करवानो दिवस – **Agreement Day**. प.पू. गुरुदेवे सत्रनी शरुआत प्रभुकृपा करीने पछी स्तुतिथी करी. आ सत्रमां प.पू. गुरुदेवे मैत्रीथी ल्क्तियोग कछी रीते प्रगट कराय तेनी समझसां आपी. प्रेमरोगमांथी प्रेमयोगमां आववा माटे ‘प्रतिक्रमण’ नामनो शुद्धिकरणनो Process बताव्यो. प.पू. गुरुदेवे अेक बीजा साथे प्रेम करवानी Formula आपी. भगवान साथे, सद्गुरु साथे, माता-पिता साथे, आसपासना लोको साथे, पुरा विश्वना लोको साथे प्रेमनो मार्ग बताव्यो. प्रेमनो मार्ग अटले जिन मार्ग – जतना... Care. दिल्थी प्रेम करवानो छे.

भगवाननुं विवरण अेक शब्दमां करीअे तो अे छे के तेमना हृदयमां मात्र ‘प्रेम’ ने ‘प्रेम’ ज छे. आपणो जेवा छीअे अेवा ज स्वीकार करे छे. आपणो पण भगवान जेवा प्रेम स्वरुपा, ज्ञान स्वरुपा, योग स्वरुपा बनवानुं छे. आपणो दिवस आवो प्रेम करवानो छे जे हंमेशा टकी रहेशे कारण मुक्तिनो अनुभव प्रेमना माध्यमथी ज छे. अटला माटे ज श्री सीमंधर स्वामी साथे प्रेमसंबंध बांधवानो छे. प.पू. गुरुदेवे जवित तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी विशेषे वर्णन कर्युं. तेमना अस्तित्व विशेषे, परिवार विशेषे, तेमनी भूमि विशेषे विस्तारथी बताव्युं. 24 तीर्थकर भगवंताना गुणगान नाम स्मरण करतां करतां सौ भगवानमय बन्यां.

बीजा सत्रमां प.पू. गुरुदेवे भगवान साथे आपणुं Internal Growth करवा माटे 9 Steps मां मार्ग बताव्यो.

- (1) श्रवण – भगवाननी वातो वारंवार सांभलवी.
- (2) किर्तन – गुणप्रमोद करवुं.
- (3) स्मरण – दिल्थी वातो याद करवी.
- (4) शरण – स्वीकार करवुं.
- (5) अर्थना – अडोभाव.

- (6) पाद्सेवनम – सद्गुरुना यरणोमां बेसवुं.
- (7) दासत्व – No Question, No Answer.
- (8) साप्य – Unconditional Friendship.
- (9) आत्मसमर्पण – Total Surrender.

त्रीजो दिवस – Day to Day Life मां Smile तपनो दिवस.

**Smile Day - Smile** योग. आ सत्रनी शरुआत प.पू. गुरुदेवे स्तुतिथी करी त्यारबाद आराधकोने ‘तप’ अटले शुं? अेवो प्रश्न कर्यो. अलग अलग जवाब मण्यो. त्यारबाद तप विशेषे, पय्यकृपासा, सामायिकना उपकरणो, कटासणुं, मुडपत्ति, यरवडो विशेषे समझसां आपी. तपनुं लक्ष शुं छे? तपनुं लक्ष छे “Smile”! भुश रहैवुं. विना कारण भुश रहैवुं! तप अे समता प्रगट करवा माटेनो Process छे. कोछे पण वस्तु, व्यक्ति, परिस्थिती आवे, आपणो भुश रहैवानुं छे. “मारे नथी थवुं डेरान” आ निर्णयने जगृत राखवानो Process छे ‘तप’. त्यारबाद प.पू. गुरुदेवे तपना 6 आंतर तप अने 6 बाह्य तप विशेषे विस्तारथी समझसां आपी. आपणो अंतरमां अने बाह्यमां शुं काम करवानुं छे तेना विशेषे पू. गुरुदेवे समझसां आपी.

बीजा सत्रमां भगवानना जन्मथी लईने निर्वाण अवस्था सुधीनी जवनयात्रा संगीत साथे प.पू. गुरुदेवे करावी. आ यात्रा जोता जोता आपणो पण आ रीते जवन जववानुं छे.

जे कोछे पण अरिहंतनुं ध्यान धरे छे, अेमनुं चिंतन करे छे, अेमना गुणोनों स्वीकार करे छे, भगवाननी जवन घटना क्मने पोताना जवनमां स्थापित करे छे ते अवश्य अरिहंत बने छे. “अरिहंत वंदनावली” द्वारा भगवाननी जवनयात्रामांथी भगवान बनवानी Formula मणी.

योथो दिवस अटले **Change of Destiny through नकार मंत्र**. सत्रनी शरुआत प.पू. गुरुदेवे स्तुतिथी करी. त्यारबाद आत्मरक्षा मंत्र विधिवत् कराव्यो. त्यारबाद नमस्कार महामंत्र आपणां जवनमां कछी रीते परिणामीत थाय छे तेनी समझसां आपी. शून्यथी अनंतनी यात्रा नमस्कार महामंत्र द्वारा कछी रीते थाय छे तेनी समझ आपी. ‘नमो’ लावमां प्रेमनो विकास करवानी Formula आपी. मंत्र अने मंत्रनी Powerful शक्तिओ विशेषे समझ आपी. ज्यारे आपणो मंत्रनो उच्चार करीअे छीअे त्यारे अेना तरंग आपणो अंदर आवे छे. अेवा मंत्रथी आह्वान करीने पोतानी अंदर अवतरणनी शक्ति मनुष्यमां छे. त्यारबाद पांच धूननो गुंजारव प.पू. गुरुदेवे कर्यो.

बीजा सत्रमां स्थूल जगतनुं सम्यक् दर्शन करावामां आव्युं.

आ जगत जेमां आपणो रडीअे छीअे ते केवुं छे? तेनुं प.पू. गुरुदेवे दर्शन कराव्युं. जगत अटले शुं? जगत शेनुं बनेवुं छे?... पांच Universal नियम लागु पडे छे अेम भगवान बतावे छे.

- (1) परिवर्तन – जगत परिवर्तनशील छे. व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिती दरेक क्षण बदलाय छे. आ परिवर्तननो स्वीकार करो. Give Space.
- (2) विविधता – जगत विविधतावाणुं छे. दरेक व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिती अलग अलग छे. दरेक व्यक्ति विशेषे छे. अेनी विशेषतानो आनंद माणो. विविधतानो स्वीकार करो.





- (3) આપણે સૌ એકબીજા પર નિર્ભર છીએ. આનંદ ઉપકારનો સ્વીકાર કરો. હરેક જીવને Thank You કહો.
- (4) જગત Multi Reflection Mirror છે. જે તુ આપીશ, અનંતગણું તને પાછું મળશે.
- (5) તુ આ સૃષ્ટિનો એક અંશ છે. માટે સૃષ્ટિના બધાજ નિયમ વસ્તુ, વ્યક્તિ, પરિસ્થિતી, જીવ, પરમાણું પર લાગુ પડે છે.

**પાંચમો દિવસ - મહાવીર બનવાનો દિવસ - મહાવીર જન્મોત્સવ.**  
આ દિવસની સૌ આતુરતાથી રાહ જુએ છે. આ દિવસે સાક્ષાત્ ક્ષત્રિયકુંડનો નજારો જોવા મળે છે. સિધ્ધાર્થ રાજા, ત્રિશલા માતા પધારે છે. મહાવીરનો જન્મ થાય છે. દેવલોકથી ઈન્દ્ર, ઈન્દ્રાણી, છપ્પન દિક્કુમારીકાઓ તથા ક્ષત્રિયકુંડના નગરજનો સૌ ભગવાન મહાવીરના જન્મ સમયે પધારે છે. રાજજ્યોતિષ દરબારમાં હાજર થાય છે અને સિધ્ધાર્થ રાજા અને ત્રિશલામાતાને ત્યાં ત્રિભુવનનાથ તીર્થંકર પરમાત્મા મહાવીરના અવતરણની ઉદ્ઘોષણા કરે છે. આ સાથે ત્રણે લોકમાં આનંદ-ઉત્સવ મનાવવામાં આવે છે. ત્રિશલામાતાની સેવામાં પ્રિયવંદા દાસી હાજર હોય છે. દેવલોકથી સૂચિ કર્મ કરવા માટે છપ્પન દિક્કુમારીકાઓ આવે છે. ભગવાનના જન્મ પછી નાના મહાવીરને મેરુ પર્વત પર ઉત્સવ મનાવવા દેવેન્દ્રો લઈ જાય છે... અદ્ભૂત નજારો... જાણે આપણે ખરેખર ભગવાન મહાવીરના જન્મ સમયે ક્ષત્રિયકુંડમાં હાજર હોઈએ... એવો નજારો જોવા મળે છે.

ત્રિશલામાતાને આવેલ ૧૪ સ્વપ્ન... આંતર વિકાસના ચૌદ પગથિયા... નૃત્ય સાથે ત્રિશલામાતાને તથા જગતને દર્શન કરાવવામાં આવે છે.

આ વર્ષે સિધ્ધાર્થ રાજા તથા ત્રિશલામાતા બનવાનો લાભ શ્રી અતુલભાઈ માડૂ તથા શ્રીમતી પૂર્વીબેન માડૂ પરિવારે લીધો હતો. નાના મહાવીરના રૂપમાં તેહાન અક્ષય શાહ હતા.

બપોરના સત્રમાં પ.પૂ. ગુરૂદેવે મહાવીર જન્મોત્સવ મનાવ્યા બાદ મહાવીર બનવા માટે ધ્યેય લક્ષ્ય નક્કી કરાવ્યો.

### છઠ્ઠો દિવસ - જગતનું તાત્વિક દર્શન Scientific Micro Vision Part - I.

છઠ્ઠા દિવસે સ્થૂલ જગતમાંથી સૂક્ષ્મ જગતમાં જવાની યાત્રા શરૂ થઈ. જગત સૂક્ષ્મમાં તત્વનો બનેલો છે. તત્ એટલે જે છે એ. 'ત્વ' એટલે ગુણનો સમૂહ. તત્વ ગુણ હંમેશા રહે છે. સ્વરૂપ બદલાય છે પરંતુ મૂળ સ્વભાવ નથી બદલાતો. Everything is તત્વ અને તત્વ is unique quality. મૂળભૂત બે તત્વ છે - જીવ તત્વ અને અજીવ તત્વ.

તીર્થંકર પરમાત્મા શ્રી સીમંધર સ્વામીની કૃપાથી અને પર્યુષણના માધ્યમથી આજે આપણું અસલી સ્વરૂપ જાણ્યું.

બીજા સત્રમાં પ્રભુની હાજરીમાં પ્રભુના Microscope થી પરમાણું વિજ્ઞાન જોયું. ચેતન પરમાણુ વિશે સમજણ મળી. આઠ પ્રકારના પરમાણુ અને ચાર સંજ્ઞા વિશે સમજણ મળી. કર્મ વર્ગણા વિશે સમજણ મળી.

### સાતમો દિવસ - Law of Cause & Effect. કર્મનું Practical સ્વરૂપ.

જ્ઞાન ગ્રહણનો આ અંતિમ દિવસ છે. 'તીર્થંકર પરમાત્માના ૩૪ અતિશયો પ.પૂ. ગુરૂદેવે સ્તુતિ સ્વરૂપે વર્ણન કર્યા. 14 રાજલોકનું વર્ણન Picture ના માધ્યમથી જોયું. લોક, આલોક, નિગોદ, ત્રસનાડી, સિધ્ધગતિ... વિશે વિસ્તારથી સમજ મળી. કર્મ પરમાણુથી છુટવાનો માર્ગ મળ્યો.

બીજા સત્રમાં પ.પૂ. ગુરૂદેવે કર્મ કોને કહેવાય? કર્મનો બંધ કઈ રીતે થાય છે? કર્મના પ્રકાર આશ્રવ, બંધ, સંવર, નિર્જરા વિશે સમજણ આપી.

જીવ ચૌદ રાજલોકમાં અણુ અણુમાં ફરી આવ્યો છે. એક પણ જગ્યા કે ક્ષેત્ર એવું નથી કે જ્યાં આપણો જન્મ ન થયો હોય. મનુષ્ય સ્ટેશન પર આવ્યાં છીએ અને અહિંયા જ એવી સમજ અને જ્ઞાન મળ્યાં છે કે પરમલક્ષ "મારે નથી થવું હેરાન"ની સતત જાગૃતિ રાખીને એને પ્રાપ્ત કરી શકીએ છીએ. એટલા માટે પ્રભુનું શરણ, સત્સંગ, ઘરમાં ભગવાનની હાજરી, આવા પર્યુષણ મહોત્સવમાં હાજરી વગેરેની મહેનત કરવી જરૂરી છે.

### આઠમો દિવસ એટલે સંવત્સરી - Practical Life Management Tool.

સવારના સત્રમાં પ.પૂ. ગુરૂદેવે સંવત્સરીનું સ્વરૂપ વિસ્તારથી સમજાવ્યું.

આખા વર્ષનો હિસાબ કરવાનો દિવસ - Balance Sheet બનાવવાનો દિવસ. જ્યાં પ્રભુની હાજરી હોય ત્યાં હરેક પ્રકારની નકારાત્મકતા સહજતાથી દૂર થાય છે. ઉપવાસ એટલે શું? ઉપ એટલે નજીક રહેવું. વાસ એટલે પ્રભુના શરણમાં રહેવું અને પ્રભુના હૃદયમાં રહેવું. ભગવાનના ચરણમાં બેસીને ભગવાન જે રસ્તો બતાવે છે એ રસ્તાને દિલમાં વસાવી જીવનમાં હંમેશ માટે ઉતારવો એનું નામ 'ઉપવાસ'.

કટાસણુ એટલે જાગૃતિમાં સ્થિર રહેવું... 24 કલાક "મારે નથી થવું હેરાન" આ લક્ષમાં જાગૃત રહેવું.

**મુહપતિ** - મુખ પર સ્મિત અને વાણી, ભાષા એવી કે બીજા માટે મંગલકારી, કલ્યાણકારી હોય એવી બોલવી. અભિપ્રાયને વ્યક્ત કરવાનું બંદ કરવું, મુક્ત થવું!

**ચરવડો** - ચોવીસે કલાક હરતાં, ફરતાં કટાસણુ, મુહપતિ સાથે રાખવી અને દિલમાં "તમે ગમે તેવા હો, I love You" 24 કલાક હાલતા-ચાલતા, સૂતા-જાગતા, ખાતા-પીતા પરમલક્ષની જાગૃતિ રાખવાની છે.

આજે સંવત્સરીના દિવસે Life Time ભગવાનના માર્ગમાં રહેવા માટેના Practical Instrument મળ્યા.

ત્યારબાદ ગુણપ્રમોદ તથા અભેદયોગનો પ્રયોગ પ.પૂ. ગુરૂદેવે કરાવ્યો. હું અને પ્રભુ, પ્રભુ અને હું... પ્રભુ સાથે મિલન...!

આ Divine Scientific & Practical સમ્યક્ પર્યુષણ અનુભવધારામાં દરરોજ ત્રીજા સત્રમાં સાંજે ચિત્ત સ્નાનની પ્રક્રિયા કરાવવામાં આવી. દરેક ક્ષણ પ્રતિક્રમણ કેવી રીતે કરવું? Scientific પ્રતિક્રમણ શું છે?

Instant Constant પ્રતિક્રમણ એટલે ચિત્ત સ્નાનની પ્રક્રિયા...! ચિત્તની મલ્લીનતા સાફ કરવાનો Process. Scientific પ્રતિક્રમણ દરેક

**શુભેચ્છક :** हम जितना औरो को लाभ पहुचाएंगे उतना ही हमारा भला होगा । लाभ शब्द को उलट दो तो भला ही होता है ना ।



जव माटे छे. आ Divine प्रतिक्रमण भगवानना बाधरुममां रोज कराववामां आव्युं अने आराधको अंदरथी शुध्द थतां गया. प.पू. गुरुदेवे समजव्युं के आपणुं शरीर बहारना जगत साथे कर्षी रीते Operate करे छे अने आपणां चित्तमां रडेले गमा अज्ञागमानी भावना केवी रीते दूर करवी ते माटे **Action Video Replay** कराव्युं. जेमां व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति विशेषे चित्तमां जे पण गमा-अज्ञागमानी भावनाओ Store करी छे तेने जेठने पछी प्रभुनी डाजरीमां ते भावनाओने Delete करवी. पय्यकूपाणमां निर्णय लेवो अने प्रत्याभ्यानमां इरीथी आ भावनाओने चित्तमां Store न करवानो निर्णय लेवो. त्यारबाद प्रभुअे बतावेले मार्ग प्रमाणे जवन जववानो निर्णय लेवो. आ समजण सडितनुं Scientific & Practical प्रतिक्रमण - आ सम्यक् पर्युषण अनुभवधारांनी पास विशेषता छे. संगीत साथे आ वास्तविक प्रतिक्रमण करीने सौ शुध्द थतां गया. अरिदंत येनल तथा सोडम येनल पर जेठने आ संगीतमय Scientific & Practical प्रतिक्रमण करीने लाभो लोकोअे लाब लीधो.

आ प्रतिक्रमण संगीत साथे त्रण भाषा छिन्दी, गुजराती, अंग्रेजमां कराववामां आव्युं छतुं.

त्यारबाद दररोज प्रतिक्रमण करीने शांती पाठ, आरती अने मंगल दीपक करवामां आवे छे.

आपणुं परमलक्ष “**मारे नथी थवुं डेरान**” सतत जगृतिमां रडे ते माटे अने समयना आ प्रवासमां दरेक पण प्रभुनी डाजरी आपणी साथे डोय तो जवन सरण बनी जाय छे. प्रभुनी डाजरी आपणां घरमां अने जवनमां डोय... अेवा प्रभुमय... प्रभुना प्रेममां पागल बननारा भाग्यशाणी आराधकोअे पोताना दिल्मां तथा घरमां तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामीने प्रतिष्ठित कर्या.

**प्रभुमय... प्रभुना प्रेममां पागल बननारा आराधक छे -**

- |  |              |
|--|--------------|
| (१) श्री अशोकभाई अेस. शाड (थार्मीबेन)      | थाण्डा       |
| (२) श्री लुपेन्द्रभाई अेम. परिष (सुमतीबेन) | नेपथन्सी रोड |
| (३) श्रीमती ज्योतीबेन के. गाळा             | गोरेगाव      |
| (४) श्री जयेन्द्रभाई शाड                   | जुहु         |
| (५) श्रीमती सोनलबेन शाड                    | मुलुंड       |
| (६) श्री अशोकबेन तारायंद जैन               | अंधेरी       |
| (७) श्री सौरभभाई शाड                       | भायंदर       |
| (८) श्री जयेशभाई गाळा                      | डोंबिवली     |

आवी दिल्ना दरवाजा खोलती अने सौनुं जवन मंगलमय, आनंदमय, उत्सवमय बनावती आ **Divine सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा** मडाआरती साथे संपन्न थई.

सौनुं मंगल डो... कल्याण डो... !  
नमो जिज्ञासां.

## श्री किशोर भीमजी संघवी Divine Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा (2018)

महाविदेह... एक ऐसी भूमि है जहाँ एक साथ बीस बीस तीर्थकर परमात्मा विचरण करते हैं। जहाँ करोड़ो देव-देवीओ जिनकी सेवा में हाजिर हैं, अठारासो-अठारासो करोड़ भक्त जिनके आसपास घूमते हैं, सो-सो करोड़ साधु-साध्वी, दस लाख केवली भगवंत जिनके परिवार में हैं.... कितना अप्रतिम सौंदर्य है जिनका...! बस... देखते ही रहे...! कैसा अद्भूत नजारा है उनका कि मयूर-मयूरी और अन्य पक्षी भी उनकी हाजरी का आनंद उठाते हैं, ऋतुए भी सब एक सरीखी हैं, पूरे वातावरण में चारो ओर सुगंध फैल रही है, सभी जीव उनकी हाजरी का आनंद ले रहे हैं और खुद का मंगल और कल्याण कर रहे हैं... कैसा अद्भूत नजारा है यह महाविदेह में... वर्तमान जीवित तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी का...! ऐसा ही अद्भूत नजारा देखने को मिला यहाँ भरतक्षेत्र में भारत देश में मुंबई शहर के पाला धाम की ऋतुभरा कॉलेज के परिसर में। जहाँ पर वर्तमान जीवित तीर्थकर श्री सीमंधर स्वामी विविध स्वरूप में साक्षात् हाजर थे... अहो ! अहो ! कैसा अद्भूत स्वरूप...! देखत ही रहो। आनंद से झूम उठेंगे। और एक निर्णय ले लिया जाएगा कि बस.... मुझे तो अब इनके साथ हमेशा का नाता जोड़ना है। मुझे भी सतत चोबीस घंटे इनकी हाजरी का आनंद मनाना है। भगवान के साथ जुड़कर मैं भी जल्दी जल्दी महाविदेह में प्रभु की पर्वदा में पहुँच जाऊँ और प्रभु की वाणी सुनते सुनते परम मंगल पद को प्राप्त करू...! ऐसी प्रभु की दिव्य साक्षात् हाजरी और प्रभु की साक्षात् दिव्य वाणी... ग्रहण करने को मिली “**परम सुख जीवन विकास केन्द्र**” द्वारा आयोजित “**श्री किशोर भीमजी संघवी Divine Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा**” में जहाँ प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई के श्रीमुख से प्रभु की दिव्य वाणी सतत नौ दिन तीन सत्रों में बहती थी।

इस सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा का आयोजन दि. 6 सप्टेम्बर 2018 से 13 अगस्त 2018 तक आठ दिन के लिए करने में आया था। समस्त जैन समाज तथा अन्य समाज को भगवान का यह दिव्य मार्ग मिले और सबका मंगल हो इसी भाव के साथ संप्रदाय और वाडाबन्धी की ग्रंथिओ से मुक्त होकर सभी को सहर्ष आमंत्रण दिए गए। यहाँ तक पहुँचने के लिए केन्द्र द्वारा Western Line में बोरिवली, कांदिवली, मलाड, गोरेगाव, सांताक्रुझ से और Central Line में मुलुंड, घाटकोपर, सायन से Free Bus सेवा की व्यवस्था करने में आई थी।

आठ दिन की यह Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा हररोज तीन सत्र में थी। प्रथम दो सत्र ज्ञान सत्र के और तीसरा सत्र याने प्रतिक्रमण। Practically Action - Video - Replay करके प्रतिक्रमण करने का सत्र। तत्पश्चात् हररोज रात को शांतिपाठ के बाद आरती और मंगलदीपक उतारा जाता है। पर्युषण के पाँचवे दिन सिध्दार्थ



राजा, त्रिशलामाता पधारते है और वर्धमान महावीर का जन्म होता है । अदभूत है यह दिन... महावीर जन्मोत्सव मनाके महावीर बनने का...!

यह Divine Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा का अरिहंत चैनल पर Delayed Live Telecast किया गया था । लाखो लोगोने घर बैठे यह Scientific Practical प्रतिक्रमण किया था। हररोज आठ दिन Full day www.namojinanam.org पर Telecast करने में आया था । हररोज दो Time स्वामी वात्सल्य और आराधको के लिए रहने की व्यवस्था करने में आई थी ।

ऋतुंभरा के प्रांगण में विधविध स्वरूप मे मुस्कुराते हुए प्रभुजी की हाजरी का अनुभव करने और प्रभु की दिव्य वाणी ग्रहण करने सभी आतुर थे । प.पू. गुरुदेवने तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी की कृपा लेकर शुरुआत की इस Divine Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा की ।

“सीमंधरा ओ सीमंधरा.... आओ पधारो सीमंधरा....,  
मेरे अंतरमें वास करो सीमंधरा....”

इस धून के साथ प.पू. गुरुदेवने जीवित तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी को यहाँ ऋतुंभरा के प्रांगण में पधारने का आह्वान किया । कुछ ही पलो में प्रभुजी की साक्षात् हाजरी हुई । तीर्थकर परमात्मा का यह एक अतिशय है कि जो कोई भी जहाँ से उन्हे बुलाता है, तो वे वहाँ हाजर होते है । तत्पश्चात् श्रेष्ठीवर्य श्री किशोरभाई छाबरिया, FCP of JITO के करकमल द्वारा दीप प्रगटीकरण हुआ ।

भगवान के इस दरबार में ऋतुंभरा अवस्था प्रगट करने प.पू. गुरुदेवने कहा कि यहाँ पर ऐसी तैयारी हो जाए कि भगवान का मार्ग हमारे अंदर आ जाए । अनंतकाल से हमारे अंदर जो गांठें पड़ी हुई है उसे छोड़नी है और हमारा जीवन आनंद-उत्सवमय बनाना है । इसलिए यहाँ आठ दिन चारो ओर से Cut-off होकर खुद का निरीक्षण करना है । खुद को देखकर अपने आप में बदलाव लाना है । यह बदलाव लाने के लिए ही यह पर्युषण है ।

तत्पश्चात् प.पू. गुरुदेवने नौ दिन की यात्रा कैसे करेंगे इसकी झलक दिखलाई । स्थूल से सूक्ष्म में किस तरह Entry करेंगे यह समझाया । तीर्थकर परमात्मा का मार्ग हमारे जीवन में कितना महत्व का है यह समझाया । चौबीस घंटे भगवान हमारे साथ है तो हमारे अंदर के आवरण टूटते है । जीवन में आनेवाले अंतराय जो हमे वारंवार सताते है वह टूटते है । मन, शरीर स्थिर बनता है । धन-संपत्ति योग व्यवस्थित बनते है । परिवार मधुर बनता है । सारे विश्व मे, सारी सृष्टि में हर जीव आनंदमय बनता है । ऐसे भगवान की हाजरी सबको मिले और सबका जीवन आनंदमय और मंगलमय बने ऐसी मंगल भावना की ।

दुसरे सत्र में प.पू. गुरुदेवने प्रभुकृपा से शुरुआत की । आनंदविकास और आत्मविकास याने क्या ? Six Sigma Process के बारे में समझाया । तत्पश्चात् वस्तु, व्यक्ति, परिस्थिती, जीव, परमाणु से हेरान परेशान न होने के लिए निर्णय लिया – “मुझे नहीं होना परेशान” ।

जीवन में Six Sigma लाने के लिए क्या करना चाहिए यह बताया ।

प्रेम का विकास करने हर व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिती, जीव, परमाणु... पाँचो को “नमो जिणाणं” कहकर उनका परमात्मा स्वरूप स्वीकार करना है । जगत का “नमो” भाव से स्वीकार करना है ।

प्रभु की असीम कृपा लेकर वस्तु, व्यक्ति, परिस्थिती, जीव, परमाणु को कृपा देकर आनंद में रहने का प्रयोग करवाया ।

“नमो जिणाणं, जिअ भयाणं ।”

तीसरा Process याने मैत्री का Process. बिना कारण सबके साथ मित्रता करना ।

“आप कैसे भी हो, I Love You.”

तत्पश्चात् चौथे Process में सदगुरु का शरण ।

पाँचवा Process याने इन चारो Process में पूरा दिन मग्न रहना – “कायोत्सर्ग” ।

छट्टा Process – दोष से मुक्त होने का Process – “पचक्खाण” ।

तत्पश्चात् आँख बंद करके Instant Constant प्रतिक्रमण करवाया । जिनके साथ ज्यादा झमेला (झगड़ा) है उसे नजर समक्ष लाकर – “आप कैसे भी हो, I Love You” कहना ।

दुसरा दिन – महाविदेहनाथ जीवित तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी के साथ Contract करने का दिन – Agreement Day.

प.पू. गुरुदेवने प्रभुकृपा करके स्तुति से सत्र की शुरुआत की । इस सत्र में प.पू. गुरुदेवने मैत्री से भक्तियोग किस तरह प्रगट कर सकते है इसकी समझ दी । प्रेमरोग में से प्रेमयोग में आने के लिए ‘प्रतिक्रमण’ नामका शुद्धिकरण का Process बताया । प.पू. गुरुदेवने एक दुसरे से प्रेम करने की Formula दी । भगवान के साथ, सदगुरु के साथ, माता-पिता के साथ, आसपास के लोगो के साथ, पूरे विश्व के लोगो के साथ प्रेम का मार्ग बताया । प्रेम मार्ग याने जिन मार्ग – जतना, Care. दिल से प्रेम करना । भगवान का विवरण एक शब्द में अगर करे तो वो है कि उनके हृदय में मात्र ‘प्रेम’ ही ‘प्रेम’ है । हम जैसे है वेसे हमें स्वीकार करते है । हमें भी भगवान जैसे प्रेम स्वरुपा, ज्ञान स्वरुपा, योग स्वरुपा बनना है । पूरा दिन ऐसा प्रेम करना है जो हमेशा रहेगा । क्योंकि मुक्ति का अनुभव प्रेम के माध्यम से है । इसीलिए श्री सीमंधर स्वामी के साथ प्रेम संबंध बांधना है । प.पू. गुरुदेवने जीवित तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी का वर्णन किया । उनके अस्तित्व के बारे में, परिवार के बारे में, उनकी भूमि के बारे में विस्तारपूर्वक समझ दी । तत्पश्चात् चौबीस तीर्थकर भगवंतो के गुणगान – नाम स्मरण करते करते सभी भगवानमय बन गए ।

दुसरे सत्र में प.पू. गुरुदेवने हमारा Internal Growth बढ़ाने 9 Steps में मार्ग बताया ।

- (1) श्रवण – भगवान की बाते बार बार सुनना ।
- (2) किर्तन – गुण प्रमोद करना ।
- (3) स्मरण – दिल से बाते याद करना ।
- (4) शरण – स्वीकार करना ।

शुभेच्छः : हमें दो कान और एक मुंह दिया गया है, तो शायद इसका मतलब है कि हम जितना बोलते है उससे दुगना सुनें ।



- (5) अर्चना – अहोभाव ।
- (6) पादसेवनम – सद्गुरु के चरण में बैठना ।
- (7) दासत्व – No Question, No Answer.
- (8) साख्य – Unconditional Friendship.
- (9) आत्मसमर्पण – Total Surrender.

तीसरा दिन – Day-to-Day Life में Smile तप का दिन ।

**Smile Day - Smile योग** । इस सत्र की शुरुआत प.पू. गुरुदेवने स्तुति से की । तत्पश्चात् आराधको को 'तप' याने क्या ? यह प्रश्न किया । सभी से अलग अलग उत्तर मिलें । तत्पश्चात् तप के बारे में, पचकखाण, सामायिक के उपकरण – कटासना, मुहपत्ति, चरवडा के बारे में समझ दी । तप का लक्ष क्या है ? तप का लक्ष है "Smile" ! खुश रहना !... बिना कारण खुश रहना !... यह है 'तप' । समता प्रगट करने का Process है 'तप' । कोई भी वस्तु, व्यक्ति, परिस्थिती आए... हमें खुश रहना है । "मुझे नहीं होना परेशान" यह निर्णय को जागृत रखने का Process है "तप" । तत्पश्चात् प.पू. गुरुदेवने 6 आंतर तप और 6 बाह्य तप के बारे में विस्तार से समझ दी । हमें अंदर और बाहर क्या काम करना है उसके बारे में प.पू. गुरुदेवने समझ दी ।

दुसरे सत्र में भगवान के जन्म से लेकर निर्वाण अवस्था तक की जीवनयात्रा संगीत के साथ प.पू. गुरुदेवने करवाई । यह यात्रा देखते देखते हमें भी ऐसा जीवन जीना है ।

जो कोई भी अरिहंत का ध्यान धरता है, उनका चिंतन करता है, उनके गुणों का स्वीकार करता है, भगवान के जीवनक्रम को अपने जीवन में स्थापित करता है वह अवश्य अरिहंत बनता है । "अरिहंत वंदनावली" द्वारा भगवान की जीवनयात्रा में से भगवान बनने की Formula मिली ।

**चौथा दिन – याने Change of Destiny through नवकार मंत्र ।**

सत्र की शुरुआत प.पू. गुरुदेवने स्तुतिगान से की । तत्पश्चात् आत्मरक्षा मंत्र विधिवत् करवाया । नमस्कार महामंत्र हमारे जीवन में किस तरह परिणामी होता है यह बात समझाई । शून्य से लेकर अनंत की यात्रा नमस्कार महामंत्र द्वारा किस तरह है यह बताया । "नमो" भाव में प्रेम का विकास करने की Formula मिली । मंत्र और मंत्र की Powerful शक्तिओं के बारे में बताया । जब हम मंत्र का उच्चार करते हैं तब उसके तरंग हमारे अंदर आते हैं । ऐसे मंत्र से आह्वान करके अपने अवतरण की शक्ति मनुष्य में है । तत्पश्चात् पाँच धून का गुंजारव प.पू. गुरुदेवने किया ।

दुसरे सत्र में स्थूल जगत का सम्यक् दर्शन करवाया गया ।

यह जगत जिसमें हम रहते हैं वह कैसा है ? उसका प.पू. गुरुदेवने दर्शन करवाया । जगत याने क्या ? जगत किसका बना हुआ है ? पाँच Universal नियम लागू होते हैं ऐसे भगवान बताते हैं ।

- (1) परिवर्तन – जगत परिवर्तनशील है । व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिती हर क्षण बदलते हैं । इस परिवर्तन का स्वीकार करो । Give Space.
- (2) विविधता – जगत विविधतावाला है । हरेक व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिती

अलग अलग है । हरेक व्यक्ति विशेष है । उसकी विशेषता का आनंद मनाओ । विविधता का स्वीकार करो ।

- (3) हम सब एक दुसरे पर निर्भर हैं । अनंत उपकार का स्वीकार करो । हर जीव को Thank You कहो ।
- (4) जगत Multi Reflection Mirror है । जो तु देगा, अनंत गुना तुझे वापस मिलेगा ।
- (5) तु इस सृष्टि का एक अंश है । इसलिए सृष्टि के सारे नियम हर वस्तु, व्यक्ति, परिस्थिती, जीव, परमाणु पर लागू होते हैं ।

**पाँचवा दिन – महावीर बनने का दिन... महावीर जन्मोत्सव ।**

सभी इस दिन की आतुरता से राह देखते हैं । इस दिन साक्षात् क्षत्रियकुंड का नजारा देखने मिलता है । सिध्दार्थ राजा, त्रिशलामाता पधारते हैं । महावीर का जन्म होता है । देवलोक से इन्द्र-इन्द्राणी, छप्पन दिक्कुमारिका तथा क्षत्रियकुंड के नगरजन सभी भगवान महावीर के जन्म समय पधारते हैं । राजज्योतिष दरबार में हाजिर होते हैं । सिध्दार्थ राजा और त्रिशलामाता के यहाँ त्रिभुवननाथ तीर्थकर परमात्मा महावीर के अवतरण की उद्घोषणा करते हैं । इसी के साथ तीनों लोक में आनंद उत्सव मनाया जाता है । त्रिशलामाता की सेवा में प्रियवंदा दासी हाजिर होती है । देवलोक से सूचि कर्म करने हेतु माता की सेवा में छप्पन दिक्कुमारिकाएँ आती हैं । भगवान के जन्म के बाद छोटे महावीर को मेरु पर्वत पर उत्सव मनाने देवेन्द्रो ले जाते हैं । अद्भूत नजारा.... जैसे सच में भगवान के जन्म समय पर हम क्षत्रियकुंड में हाजर थे.... ऐसा नजारा देखने मिलता है ।

त्रिशलामाता को आए हुए 14 स्वप्न... आंतरविकास के 14 चरण (पगथार)... नृत्य के साथ त्रिशलामाता तथा जगत को दर्शन कराने में आते हैं ।

इस साल सिध्दार्थ राजा तथा त्रिशलामाता बनने का लाभ श्री अतुलभाई मारु तथा श्रीमती पूर्वीबिन अतुलभाई मारु ने लिया था । छोटे महावीर के रूप में थे तेहान अक्षयभाई शाह ।

दुसरे सत्र में प.पू. गुरुदेवने महावीर जन्मोत्सव मनाने के बाद महावीर बनने के लिए ध्येय, लक्ष नक्की करवाया ।

**छट्टा दिन – जगत का तात्त्विक दर्शन । Scientific Micro Vision Part - I.**

छट्टे दिन स्थूल जगत मे से सूक्ष्म जगत मे जाने की यात्रा शुरु हुई । जगत सूक्ष्म में तत्व का बना हुआ है । तत् याने जो है वह । 'त्व' याने गुण का समूह । तत्व गुण हमेशा रहता है । स्वरूप बदलता है लेकिन मूल स्वभाव नहीं बदलता । Every thing is तत्व और तत्व is Unique Quality. मूलभूत दो तत्व है । जीव तत्व और अजीव तत्व । तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी की कृपा से और पर्युषण के माध्यम से आज हमारे अस्तित्व का स्वरूप जाना ।

दुसरे सत्र मे प्रभु की हाजरी मे प्रभु के Microscope से परमाणु का विज्ञान देखा । चेतन परमाणु के बारे मे समझ मिली । आठ प्रकार के पोरमाणु और चार संज्ञा के बारे मे समझ मिली । कर्म वर्गणा की समझ मिली ।



### सातवा दिन – Law of Cause & Effect. कर्म का Practical स्वरूप ।

ज्ञान ग्रहण का यह अंतिम दिन है । तीर्थंकर परमात्मा के 34 अतिशय प.पू. गुरुदेवने स्तुति गान करके वर्णन किया । 14 राजलोक का वर्णन Picture के माध्यम से देखा । लोक, आलोक, निगोद, त्रसनाडी, सिध्दगति... के बारे में विस्तारपूर्वक समझ मिली । कर्म परमाणु से छूटने का मार्ग मिला ।

दुसरे सत्र में कर्म किसे कहते हैं ? कर्म का बंध कैसे होता है ? कर्म के प्रकार आश्रव, बंध, संवर, निर्जरा के बारे में समझ मिली ।

जीव चौद राजलोक के अणु-अणु में घूमकर आया है । एक भी जगा या क्षेत्र ऐसा नहीं है कि जहाँ हमारा जन्म न हुआ हो । मनुष्य स्टेशन पर आये हैं और यहाँ पर ही ऐसी समझ और ज्ञान मिले हैं कि परमलक्ष “मुझे नहीं होना परेशान” की सतत जागृति रखकर उसे प्राप्त कर सकते हैं । इसीलिए प्रभु का शरण, सत्संग, घर पर भगवान की हाजरी, ऐसे पर्युषण महोत्सव में हाजरी... आदि की महेनत करनी जरूरी है ।

### आठवा दिन याने संवत्सरी – Practical Life Management Tool.

सुबह के सत्र में प.पू. गुरुदेवने संवत्सरी का स्वरूप विस्तारपूर्वक समझाया । पूरे साल का हिसाब करने का दिन – Balance Sheet बनाने का दिन । जहाँ प्रभु की हाजरी हो वहाँ हरेक प्रकार की नकारात्मकता सहजता से दूर होती है । उपवास याने क्या ? उप याने नजदिक रहना, वास याने प्रभु के शरण में रहना और प्रभु के हृदय में रहना । भगवान के शरण में रहकर भगवान जो रास्ता बताते हैं वह रास्ता दिल से जीवन में हमेशा के लिए उतारना – उसका नाम ‘उपवास’ ।

कटासना याने जागृति में स्थिर रहना... 24 घंटे “मुझे नहीं होना परेशान” इसी लक्ष में जागृत रहना ।

मुहपत्ति – मुख पर स्मित । वाणी, भाषा ऐसी कि दुसरो के लिए मंगलकारी, कल्याणकारी हो । अभिप्राय को व्यक्त करने का बंद करना । मुक्त होना ।

चरवडा – चौबीस घंटे घूमते-फिरते कटासना, मुहपत्ति साथ में रखना और दिल में “आप कैसे भी हो, I Love You” – 24 घंटों घूमते फिरते, उठते-बैठते, खाते-पीते, सोते-जागते परम लक्ष की जागृति रखनी है ।

आज संवत्सरी के दिन Life Time भगवान के मार्ग में रहने के Practical Instrument मिले ।

तत्पश्चात् गुणप्रमोद तथा अभेदयोग का प्रयोग प.पू. गुरुदेवने करवाया । मैं और प्रभु, प्रभु और मैं... प्रभु के साथ मिलन... ।

इस Divine Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा में हररोज तीसरे सत्र में शाम को चित्त स्नान की प्रक्रिया करवाई गई । हर क्षण Scientific प्रतिक्रमण कैसे करना ? क्या है यह Scientific प्रतिक्रमण ?

Instant Constant प्रतिक्रमण याने चित्त स्नान की प्रक्रिया....!

चित्त की मल्लीनता साफ करने का Process...! चित्त स्नान प्रतिक्रमण हर जीव के लिए है । यह Divine प्रतिक्रमण भगवान के बाथरूम में रोज करने में आया और आराधक सभी अंदर से शुद्ध बनते गए । प.पू. गुरुदेवने समझाया कि हमारा शरीर बहार के जगत के साथ किस तरह Operate करता है । हमारे चित्त में रहे हुए अच्छे-बुरे की भावना दूर करने के लिए Action - Video - Replay करवाया । जिसमें व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिती के बारे में हमारे चित्त में जो भी अच्छे-बुरे की भावनाएँ Store की हैं उसे देखना और फिर प्रभु की हाजरी में उस भावनाओ को Delete करना । पचक्खण में निर्णय लेना और प्रत्याख्यान में फिर से इस भावनाओ को चित्त में Store न करने का निर्णय लेना । तत्पश्चात् प्रभु ने बताये हुए मार्ग मुताबिक जीवन जीने का निर्णय लेना । यह समझ सहित का Scientific & Practical प्रतिक्रमण इस पर्युषण अनुभवधारा की खास विशेषता है । संगीत के साथ यह प्रतिक्रमण करके सभी शुद्ध बनते गए । अरिहंत चैनल तथा सोहम चैनल पर यह संगीतमय Scientific & Practical प्रतिक्रमण करके लाखों लोगोने लाभ लिया । यह प्रतिक्रमण संगीत के साथ तीन भाषा हिन्दी, गुजराती और English में कराने में आया था ।

तत्पश्चात् हररोज प्रतिक्रमण के बाद शांतिपाठ करके आरती तथा मंगल दिपक उतारा गया ।

हमारा परमलक्ष “मुझे नहीं होना परेशान” सतत जागृति में रहे और समय के इस प्रवास में हर क्षण प्रभु की हाजरी हमारे साथ हो तो जीवन सरल बन जाता है । प्रभु की हाजरी हमारे जीवन और घर में हो ऐसे प्रभुमय, प्रभु के प्रेम में पागल भाग्यशाली आराधकोने अपने दिल में तथा घर पर तीर्थंकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी की प्रतिष्ठा की ।

### प्रभुमय... प्रभु के प्रेम में पागल बननेवाले आराधक हैं...

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) श्री अशोकभाई एस. शाह (चार्मीबेन)      | थाना         |
| (2) श्री भुपेन्द्रभाई एम. परीख (सुमतीबेन) | नेपयन्सी रोड |
| (3) श्रीमती ज्योतीबेन के. गाला            | गोरेगाँव     |
| (4) श्री जयेन्द्रभाई शाह                  | जुहू         |
| (5) श्रीमती सोनलबेन शाह                   | मुलुन्ड      |
| (6) श्री अशोकभाई ताराचंद जैन              | अंधेरी       |
| (7) श्री सौरभभाई शाह                      | भायंदर       |
| (8) श्री जयेशभाई गाला                     | डोंबिवली     |

ऐसी दिल के दरवाजे खोलनेवाली और सबका जीवन मंगलमय, आनंदमय, उत्सवमय बनाती यह Divine Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा महाआरती के साथ संपन्न हुई ।

सबका मंगल हो... कल्याण हो !

नमो जिणाणं ।



## 12 Divine Steps : ADVANCED SPIRITUAL LIFE STYLE TRAINING

Scientific & Practical સમ્યક્ પર્યુષણ અનુભવધારાનું નવું નજરાણું  
**દ્વાદશાંગી જીવનશૈલી**

આ વર્ષે પર્યુષણ દરમ્યાન આઠ/નવ દિવસનું ગૃહસ્થ માટે Residential ઉપધ્યાન.

(1) શારીરિક (2) માનસિક (3) આર્થિક (4) પારિવારિક (5) માનસિક (6) આધ્યાત્મિક....  
જીવનના આ છ ક્ષેત્રને Balance કરવાની પ્રક્રિયા એટલે “ઉપધ્યાન”.

24 કલાક ભગવાનના દરબારમાં ભગવાનની સાથે ભગવાનના માર્ગમાં રહેવાનું અભિયાન “પર્યુષણ”.  
શ્રી સીમંધર સ્વામીના શરણમાં અને પ.પૂ. ગુરુદેવ પંકજભાઈના માર્ગદર્શનમાં... આ છે

### 12 Divine Steps

#### ❖ પ્રભુકૃપા - સાતકૃપા ❖

ચાર મહાતત્વ : (1) ઈશ્વર (2) અરિહંત (3) સિદ્ધ (4) સાધુની કૃપા લેવાની  
(5) માતા-પિતા (6) સદ્ગુરુજન (7) જીવસૃષ્ટિની કૃપા લઈ કૃપા આપવાની.

Thank You..... God Bless You.

#### ❖ પંચામૃત શાંતિ કળશનું અમૃતપાન ❖

(1) કૃપા અમૃત (2) પાંચ પરમલક્ષ્ય અમૃત (3) પ્રતિક્રમણ અમૃત (4) મૈત્રી અમૃત (5) જ્ઞાનામૃત.

#### ❖ દશ મૈત્રીનો અભ્યાસ ❖

(1) સ્વજન મૈત્રી (2) શરીર મૈત્રી (3) સ્પર્શ મૈત્રી (4) પ્રાણ મૈત્રી (5) વિચરણ મૈત્રી અને શુદ્ધાત્મા નમસ્કાર યોગ  
(6) આહાર મૈત્રી (7) મંગલ મૈત્રી (8) વ્યવહાર મૈત્રી (9) પરિવાર મૈત્રી (10) સેવા મૈત્રી.

#### ❖ વિશેષ ચરણ - વિચરણ ❖

બ્રહ્મમુહૂર્તમાં આપણાં અસ્તિત્વથી સમગ્ર જીવસૃષ્ટિ સાથે મૈત્રી....  
પ્રેમની ગંગા વહાવવાની પ્રક્રિયા.... “વિચરણ”

#### ❖ અંતિમ ચરણ ❖

મન, બુદ્ધિ, ચિત્ત શુદ્ધિકરણ Process  
નિજ દોષ દર્શન... “પ્રતિક્રમણ”

આ છે શ્રી સીમંધર સ્વામી દ્વારા ખતાવેલ દ્વાદશાંગી જીવનશૈલી

“આવો આવોને સીમંધર દરબારમાં, તવા જીવનની નવી દિશામાં ચાલવા...”

“પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્ર” દ્વારા આયોજિત “ઉપધ્યાનાત્મક પર્યુષણ”માં આપ સૌને  
Advanced Spiritual Life Style Training લઈ જીવનને નવી દિશા આપવા સપ્રેમ આમંત્રણ....

આવું ઉપધ્યાન કરવાની જેમની પણ ભાવના હોય તેમણે નીચે આપેલ નંબર પર Contact કરવો.

**Contact : 9892756649, 9987503512**

નમો જિણાણં.



## 12 Divine Steps : ADVANCED SPIRITUAL LIFE STYLE TRAINING

Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा का नया नजराना....

### द्वादशांगी जीवनशैली

इस साल पर्युषण दौरान गृहस्थों के लिए आठ/नौ दिनों का Residential उपध्यान ।

(1) शारीरिक (2) मानसिक (3) आर्थिक (4) पारिवारिक (5) सामाजिक (6) आध्यात्मिक....

जीवन के इन 6 क्षेत्रों को Balance करने की प्रक्रिया याने “उपधान”

24 घंटे भगवान के दरबार में, भगवान के साथ, भगवान के मार्ग में रहेने का अभियान = “पर्युषण”

श्री सीमंधर स्वामी के शरण में और प.पू. गुरुदेव पंकजभाई के मार्गदर्शन में.... यह है

### 12 Divine Steps

#### ❖ प्रभुकृपा – सातकृपा ❖

चार महातत्व : (1) ईश्वर (2) अररिहंत (3) सिद्ध (4) साधू की कृपा लेना ।

(5) माता-पिता (6) गुरुजन (7) जीव सृष्टि की कृपा लेकर कृपा देना ।

Thank You..... God Bless You.

#### ❖ पंचामृत शांतिकलश का अमृतपान ❖

(4) कृपा अमृत (2) पाँच परम लक्ष अमृत (3) प्रतिक्रमण अमृत (4) मैत्री अमृत (5) ज्ञानामृत

#### ❖ दस मैत्री का अभ्यास ❖

(1) स्वजन मैत्री (2) शरीर मैत्री (3) स्पर्श मैत्री (4) प्राण मैत्री (5) विचरण मैत्री और शुद्धात्मा नमस्कार योग

(6) आहार मैत्री (7) परिवार मैत्री (8) व्यवहार मैत्री (9) मंगल मैत्री (10) सेवा मैत्री

#### ❖ विशेष चरण – विचरण ❖

ब्रह्ममुहूर्त में अपने अस्तित्व से समग्र जीव सृष्टि के साथ मैत्री.....

प्रेमकी गंगा बहाने की प्रक्रिया... “विचरण”

#### ❖ अंतिम चरण ❖

मन, बुद्धि, चित्त, शुद्धिकरण की Process, निज दोष दर्शन... “प्रतिक्रमण”

यह है श्री सीमंधर स्वामी द्वारा बतायी हुई द्वादशांगी जीवन शैली

“आओ आओने सीमंधरा दरबारमां, नवा जीवननी नवी दिशामां चालवा ।”

“परम सुख जीवन विकास केन्द्र” द्वारा आयोजित “उपध्यानात्मक पर्युषण” में आप सब को Advanced Spiritual Life Style Training लेकर जीवन को नई दिशा देने के लिए सप्रेम आमंत्रण ।

ऐसे उपधान करने की जिसकी भी भावना हो वे नीचे दिए हुए नंबरों पर संपर्क करें ।

**Contact : 9892756649, 9987503512**

नमो जिणाणं ।

शुभेच्छः : तुम क्या कर रहे हो “वो” नहीं देखता लेकिन दिल में क्या चल रहा है वो देखता है । सच्चे दिल पर साहिब राजी ।



## स्वामी वात्सल्य



कई सालों से हम देहरासर में, उपाश्रय में प्रभु की प्रतिष्ठा महोत्सव के निमित्त, दिक्षा महोत्सव के निमित्त, महावीर जन्म कल्याण के निमित्त, देहरासर की वर्षगांठ निमित्त स्वामी वात्सल्य में जाते हैं..... । लेकिन ये स्वामी वात्सल्य क्या है ? ये ही हम जानते नहीं ।

भगवानने बताया 'स्वामी वात्सल्य' याने जिसे भी मिलो उन्हें "नमो जिणाणं" कहना क्योंकि उनके अंदर भगवान (स्वामी) बिराजमान है ।

स्वामी याने परमात्मा । हम सबके अंदर स्वामी बिराजमान है । और श्री सीमंधर स्वामी, अपने अंदर जो स्वामी बिराजमान है उनको पहचानने में हमारी help करते हैं । जैसे हमारे अंदर स्वामी (भगवान) बिराजमान है, वैसे ही सबके अंदर भी स्वामी (भगवान) बिराजमान है । तो उनके साथ वात्सल्य करना सरल है कि कठीन..... ? वात्सल्य दो तरीके से हो सकता है । "नमो जिणाणं" कहके और दुसरा शरीर क्षुधा-पूर्ति करके ।

यह जगत में जितने भी लोग हैं, यह सब स्वामी हैं । और वो ही जिन परमात्मा है । सबके अंदर जिन परमात्मा बिराजमान है । मुझे उन लोगो की भक्ति करनी है तो किस प्रकार हो सकती है ? वात्सल्य करके..... !

जहाँ स्वामी की भी भक्ति ही होती है, अपेक्षा कुछ भी नहीं होती । कुछ भी लेना नहीं है, मात्र देना ही है, उसे वात्सल्य कहते हैं । स्वामी वात्सल्य याने प्रेमपूर्वक प्रदान करना ।

जो वात्सल्य कर रहा है उनके लिये हम स्वामी हैं । उनकी द्रष्टि में मात्र एक ही भाव.....

अहो ! इतने सारे भगवान आयेंगे.... और ये अवसर के निमित्त ऐसा दिव्य लाभ मुझे कब मिलेगा.... ! अहो.... अहो.... इस भाव से करानेवाला वात्सल्य करता है । इसलिए उसका नाम "स्वामी वात्सल्य" है ।

यह वात्सल्य... अहोभाव... मुझे आपने यह अद्भूत मौका दिया । आज मुझे सीमंधर स्वामी मिल गये । जो आप सब में बिराजमान है ।

इसलिए जिसने ये वात्सल्य किया उन्हें इतने सारे स्वामी का लाभ मिला । आर्शिवाद मिला ।

अब समझ में आया... स्वामी वात्सल्य क्या है ?

अभी हमें ऐसा अवसर मिल रहा है ऋतुंभरा के दरबार में, सम्यक् पर्युषण पर्व के निमित्त से, हरदिन, वहाँ आये हुए हरेक स्वामी के साथ वात्सल्य करने का अमूल्य अवसर ।

ऐसे उच्च कोटी के जीवों को, जो तीर्थकर परमात्मा भी हो सकते हैं.... ! ऐसे स्वामीओं को अहोभावसे.... आनंदपूर्वक वात्सल्य करने का दिव्य अवसर नौ दिन मिलने वाला है ।

मनुष्य के जीवन में जीवदया, वैयावच्च, प्रभातयात्रा, चैत्यपरिपाटी, तपस्वीओं का वरघोडा, जिन प्रतिष्ठा... जैसे ग्यारह कर्तव्यों में से एक कर्तव्य है 'स्वामी वात्सल्य', जो जीवन में एकबार अवश्य करवाना ही चाहिये । और तब अहोभाव से स्वामी भक्ति करते करते जाने-अनजाने अवश्य उनका तथा उनके परिवार का मंगल निश्चित ही है... ।

'अपूर्व अवसर ऐसा कब आयेगा

कब करेंगे स्वामी भक्ति रे....

तीर्थकर सम जीवो को शाता उपजायेंगे....'

ऐसे दिव्य मंगल लाभ लेने के लिए संपर्क कीजिए :

**Ph.: 9869052507, 9322235233**



# Divine Scientific & Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा - 2018 में प.पू. गुरुदेव की विविध भावमुद्रा



श्री सोमंधर स्वामी के भाव तरंगों से जुड़ते हुए प.पू. गुरुदेव



Scientific Practical Divine Lifestyle Enjoy करते हुए प.पू. गुरुदेव



परम लक्ष का अभ्यास कराते हुए प.पू. गुरुदेव



Practical Results के लिए शारीरिक मुद्रा कराते हुए प.पू. गुरुदेव



खुले दिल से मैत्री करने का मार्ग देते हुए प.पू. गुरुदेव



पंच परमेष्ठि का अहोभाव कराते हुए प.पू. गुरुदेव



संगीतमय नृत्य से भेद अभेद योग कराते हुए प.पू. गुरुदेव



Unique द्रष्टिकोण की पप्रभावना कराते हुए प.पू. गुरुदेव



सेवा से जीवन सरल बनाने का मार्ग बताते हुए प.पू. गुरुदेव

## अक्षय तृतीया महासत्संग और भक्ति संध्या - 2018



Dediicated, Devoted जीवन मार्ग देते हुए प.पू. गुरुदेव



Divine Vibration से "स्व" परिवर्तन कराते हुए प.पू. गुरुदेव



Determined Action से जीवन में समता लाने का मार्ग बताते हुए प.पू. गुरुदेव



अनुभव आधारित जीवन से वास्तविकता समजती हुई एक बहन



सत् समर्पण से जीवन अखंड कराते हुए प.पू. गुरुदेव



भक्तिसंगीत से अनंत आनंद लेता हुआ परम आनंद परिवार

# Residential उपध्यानात्मक सम्यक् पर्युषण मुक्ति की यात्रा के साधकों का बहुमान



चि. वत्सलभाई अतुल मारु, थाना



चि. तेजसभाई लक्ष्मीचंद गाला, डोंबिवली



श्री निलेशभाई रोहित शाह, ओशिवारा



श्री दिनेशभाई मालदे, मुलुन्द



श्री हिरालालभाई रांभीया, डोंबिवली



श्री रजनीकांतभाई शाह, डोंबिवली



श्री गुणवंतभाई शाह, थाना



कु. कविताबेन शांतिलाल शाह, थाना



श्रीमती विमलाबेन लक्ष्मीचंद गाला, डोंबिवली



श्रीमती बीनाबेन जवेरी, सायन



श्रीमती पुरबाई देढिया, अंधेरी



श्रीमती नंदिताबेन वसंत शाह, डोंबिवली



श्रीमती भावनाबेन कंपाणी, माटुंगा



श्रीमती नंदाबेन शाह, मुलुन्द



मातुश्री केसरबेन शाह, सायन

# Science of Divine Living नमस्कार महामंत्र योग शिबीर (अंधेरी, बोरिवली)



प.पू. गुरुदेव द्वारा प्रभुकृपा का 1st Step of Divine Living लेते हुए J. B. नगर, अंधेरी के शिबीरार्थी



प.पू. गुरुदेव की कृपा से आयोजित शिबीर में दीप प्रकटीकरण करते हुए श्री मुनिसुखत स्वामी जैन देरासर J. B. नगर के ट्रस्टी श्री संजयभाई बोरा और श्री नवीनभाई नाहर



सत् देव, सत् गुरु और सत् धर्म का कुतूहलता से शरण लेते हुए J. B. नगर, अंधेरी के शिबीरार्थी



प.पू. गुरुदेव द्वारा सत् के संग से भव्य जीवन की शुरुआत enjoy करते हुए J. B. नगर, अंधेरी के भाग्यशाली शिबीरार्थी



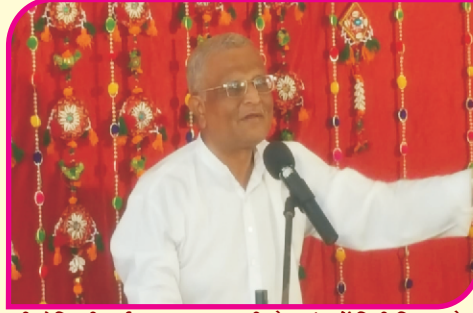
दिव्य जीवन शिबीर के माध्यम से प्रभु द्वारा बताया गया वास्तविक मार्ग Share करते हुए प.पू. गुरुदेव और J. B. नगर, अंधेरी के शिबीरार्थी



संगीतमय मंत्र योग से Dynamic ध्यान करते हुए J. B. नगर, अंधेरी के शिबीरार्थी



प.पू. गुरुदेव द्वारा शिबीर में मन, मस्तिष्क और हृदय खोलते हुए दिव्य मनुष्य जीवन का Celebration करते हुए J. B. नगर, अंधेरी के शिबीरार्थी



श्री बोरिवली वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ में विधी क्रिया और तत्व ज्ञान के भेद की अहमीयत का अहसास दिलाते हुए प.पू. गुरुदेव



प.पू. गुरुदेव द्वारा 12 Steps Of Divine Living की संगीतमय शिबीर का आनंद लेते हुए बोरिवली स्थानकवासी जैन संघ के शिबीरार्थी



प.पू. गुरुदेव की Scientific Practical And Divine Live कृपा का श्रवण करते हुए बोरिवली स्थानकवासी जैन संघ के शिबीरार्थी



प.पू. गुरुदेव द्वारा Divine Living शिबीर में उपस्थित होकर लाभ लेते हुए बोरिवली स्थानकवासी जैन संघ के शिबीरार्थी



प.पू. गुरुदेव के साथ enjoy करके दिव्य जीवन के 5 आधार समजते हुए बोरिवली वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ के शिबीरार्थी



प.पू. गुरुदेव द्वारा जीवन उपयोगी मंत्र मार्ग से श्रमण बन्ने का निर्धार करते हुए बोरिवली स्थानकवासी जैन संघ के दिव्य शिबीरार्थी



गुरु मंत्र धून द्वारा परमात्मा के साथ योग में जुड़ते हुए बोरिवली स्थानकवासी जैन संघ के शिबीरार्थी



प.पू. गुरुदेव के साथ समय के प्रवास में मैत्री धून द्वारा जगत को स्वीकारते हुए बोरिवली स्थानकवासी जैन संघ के शिबीरार्थी

रोज देखिये, प.पूज्य पंकजभाई को  
अरिहंत टी.वी चैनल पर  
सुबह ८.२० बजे और रात ११.४० बजे

नमो जिणाणं

Complete Live Telecast (Full 9 Days / 9 Hours)

www.namojinanam.org

Youtube.com/paramsukhtvnamojinanam

१३ वे वर्ष मे भव्य पदार्पण

श्री किशोर भीमजी संघवी

DIVINE SCIENTIFIC PRACTICAL

सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा

प.पूज्य श्री पंकजभाई के सानिध्य मे

हररोज स्वामी वात्सल्य  
(दोनों टाइम)

आराधको के लिए नौ दिन  
रहने की व्यवस्था

FREE  
बस व्यवस्था

पर्युषण निर्ग्रथ बनने का महापर्व है। निर्ग्रथ का अर्थ है ग्रंथिओ से (मन की गांठोसे) मुक्त होना। जीवन में जागृत न रहने से ऐसी गांठे हर पल बंधती है और यही हमारी परेशानी का कारण है। जाने अनजाने में यह गांठे ही हमारा जीवन क्लेशमय बना देती है और जीवन जीना दुष्कर बन जाता है। इसी कारण जिनमार्ग में साल में एक बार पर्युषण महापर्व की व्यवस्था है।

अपने जीवन में ऐसे कितने पर्युषण आये और चले गए लेकिन हमारी हालत जैसी थी वैसी ही है। हर पल हम परेशानी से झुझते हैं, लेकिन इससे छुटकारा नहीं मिलता। तो चलो, हम जुड़ जाए इस पर्युषण के महायज्ञ में और जीवन को शांत, सुखी और निराकुल बनाएँ और 'स्व' का विकास करें।

आयोजन की खासियत

जैन शासन के इतिहास में पुनः ऐसा भव्य आयोजन १३ वे वर्ष में पदार्पण होने जा रहा है। भगवान ने अपनी हाजरी में जिस तरह Practically और Scientifically निर्ग्रथ बनने की 6 Consciousness Levels Of Divine Lifestyle बतलाई थी बिल्कुल वैसी ही Process... प्रक्रिया जिसमें मात्र सुनना नहीं है किंतु ज्ञानपूर्वक on the spot निर्ग्रथ बनना और इसे जीवन का एक अभिन्न अंग बनाने का Process सिखना है। हर सत्र में Practically अलग अलग प्रयोग करते हुए जीवन में अमल करने के लिए यह सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा का आयोजन किया गया है। जो इसकी मुख्य विशेषता है।

जाहेर निमंत्रण

समस्त जैन तथा अन्य समाज को, भगवान के इस महायज्ञ में धर्म, संप्रदाय और  
वाडाबंधी की ग्रंथि से मुक्त होकर जुड़ने का सहर्ष हार्दिक आमंत्रण है।



स्थल :

ऋतुभरा कोमर्स कॉलेज, एम. के. संघवी हॉल,  
जुहु सर्कल, जुहु बस डेपो के सामने, चंदन सिनेमा के पास,  
जे.वी.पी.डी. स्कीम, जुहु, मुंबई (INDIA)

हररोज स्वामी वात्सल्य :

अेकासणा तथा चौविहार की व्यवस्था रखी गई है।  
एक दिन पहले नाम दर्ज करवा कर पास लेना  
आवश्यक है ताकि उचित व्यवस्था हो सके।

खास सूचना :

स्वामीवात्सल्य, अेकासणा, चौविहार  
के कुपन सिर्फ सत्र के शुरुवात के  
१ घंटे के दौरान ही दिये जाएंगे।



केन्द्र द्वारा व्यवस्था : नाम दर्ज करवाकर बस पास (FREE PASS) लेना आवश्यक है।



बोरीवली, कांदीवली, मलाड, गोरेगांव

बोरीवली (वे.), राजमहल होटल, चंदावरकर रोड से  
सुबह 8.00 बजे बस रवाना होगी।

अल्पेशभाई मामणीया - 9820162699 • अल्पेशभाई शाह - 9820212816

मुलुंड, घाटकोपर, सायन, सांताक्रुझ

मुलुंड (वे.) झवेर रोड देहरासर से  
सुबह 8.00 बजे बस रवाना होगी।

रीटाबेन - 9869862373 • नीतीनभाई - 9869052507

SPECIAL TELECAST ON ARIHANT TV

संगीतमय SCIENTIFIC PRACTICAL संवत्सरी प्रतिक्रमण

ता. 02-09-2019, सोमवार समय : सुबह 8.00 a.m. से 10.00 a.m. (Life Management Tool)

ता. 03-09-2019, मंगलवार समय : शाम 4.00 p.m. से 7.00 p.m. संवत्सरी प्रतिक्रमण

हिन्दी,  
गुजराती,  
English  
Combined

नोंध : जो लोग विधीपूर्वक प्रतिक्रमण धर्मस्थानोमें नहीं कर रहे हैं उनके लिए खास।

YOUNGSTERS, PATIENTS, SENIOR CITIZENS के लिए घर बैठे प्रतिक्रमण।

पिछले साल ५०,००० लोगों ने अरिहंत चैनल के माध्यम से SCIENTIFIC प्रतिक्रमण का लाभ लिया था। इस साल ज्यादा से ज्यादा लोगो को लाभ मिले ऐसी भावना है। आप सभी से प्रेरणा है की आप अपने GROUPS में इसे FORWARD करें।

TELECAST ON ARIHANT TV (अरिहंत टी.वी.)

रविवार - 25-8-2019, पर्युषण एक जीवनशैली with 6  
Scientific Steps (Part - I)  
रात को 9.00 p.m. से 10.00 p.m.

सोमवार - 26-8-2019, पर्युषण एक जीवनशैली with 6  
Scientific Steps (Part - II)  
दोपहर को 3.00 p.m. से 4.00 p.m.

Residential उपध्यानात्मक पर्युषण

24 घंटे भगवान के साथ भगवान के मार्ग में रहने का अभियान है  
पर्युषण। जिन्हे ऐसे Residential उपध्यानात्मक पर्युषण करने  
की भावना हो वह नीचे दिए हुए नंबर पर संपर्क करे।

Contact : 9833133266, 9987503512



आयोजक : परम सुख जीवन विकास केन्द्र, मुंबई

WATCH ARIHANT TV CHANNEL DAILY 8.20 a.m. & 11.40 p.m.

अरिहंत टी.वी. चैनल भारत में CABLE SET TOP BOX, VIDEOCON D2h, TATASKY, AIRTEL पर देख सकते हो।  
आस्था App Download करके भी आप अरिहंत TV Channel देख सकते हो।

Live Telecast also on : facebook/Science Of Divine Living/paramsukhjivanvikaskendra



Complete Live Telecast  
(Full 9 Days / 9 Hours)  
www.namojinanam.org

नमो जिणाणं

१३ वे वर्ष मे भव्य पदार्पण

श्री किशोर भीमजी संघवी  
DIVINE SCIENTIFIC PRACTICAL  
सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा

: कार्यक्रम की रुपरेखा :

हरके दिन के तथा स्वामी वात्सल्य के दाता बनकर लाभ लेने के लिए निमंत्रण ।  
नोंध : दाताओ को तारीख और अवसर के मुताबिक नाम लिखाने के लिए विनंती ।



प.पू. श्री पंकजभाई के सानिध्यमे



Live महावीर जन्म महोत्सव : १४ स्वप्न दर्शन (संगीतमय नृत्य के साथ)

ता. 30-8-2019, शुक्रवार समय : सुबह 10.00 से 2.30 स्वामी वात्सल्य दोपहर 2.00 बजे से

त्रिशला माता, सिध्दार्थ राजा,  
वर्धमान महावीर बनने का  
अमूल्य अवसर । साथ में  
शांती कलश, आरती, मंगलदिपक

नृत्य के साथ  
१४ स्वप्न दर्शन  
करवाने का लाभ

६४ इन्द्र, इन्द्राणी  
५६ दीककुमारी  
बनने का अमूल्य  
अवसर

हरके Session, स्वामी वात्सल्य, संवत्सरी प्रतिक्रमण, पूरे दिन का लाभ और आरती, मंगलदिपक का लाभ लेने के लिए निमंत्रण है ।  
DONATION के लिए नीचे दिए हुए संपर्क नंबर या पर्युषण के दौरान DONATION COUNTER पर संपर्क करने के लिए विनंती है ।

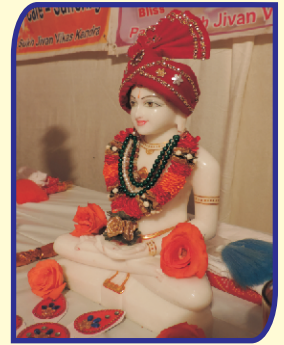
| तारीख / वार            | सत्र-१ : सुबह १०.०० से १.००   | सत्र-२ : दोपहर ३.०० से ५.३०  | सत्र-३ : शाम ७.१५ से १०.१५                                 |
|------------------------|---|--|--|
| २६-०८-२०१९<br>सोमवार   | पर्युषण एक जीवनशैली   | पर्युषण जीवनशैली के<br>6 पराक्रम   | २४ घंटे का प्रतिक्रमण तथा<br>शांती पाठ, आरती और मंगलदीपक   |
| २७-०८-२०१९<br>मंगलवार  | भक्ति योग, नमो भाव, अहोभाव  | पंचपरमेष्ठि समर्पण भाव   | २४ घंटे का प्रतिक्रमण तथा<br>शांती पाठ, आरती और मंगलदीपक   |
| २८-०८-२०१९<br>बुधवार   | भगवान की बताई हुई Life Style<br>बनाना ही सम्यक् तप है<br>(आत्म समर्पण - Devotion)           | भगवान के जीवन की छह दिव्य<br>अवस्थाएँ (संगीत के साथ)                                       | साप्ताहिक प्रतिक्रमण तथा<br>शांती पाठ, आरती और मंगलदीपक    |
| २९-०८-२०१९<br>गुरुवार  | मंत्रयोग और नवकार मंत्र ही आज<br>के युग की Short Cut चाबी for<br>Success, Happiness & मोक्ष | Five Scientific Divine<br>Vision of World (सम्यक् दर्शन)                                   | साप्ताहिक प्रतिक्रमण तथा<br>शांती पाठ, आरती और मंगलदीपक    |
| ३०-०८-२०१९<br>शुक्रवार | भगवान का LIVE जन्म महोत्सव<br>स्वप्न दर्शन के साथ (संगीत के साथ)                            | परम लक्ष का विज्ञान<br>जीवन की Success चाबी  | चार महिने का प्रतिक्रमण तथा<br>शांती पाठ, आरती और मंगलदीपक |
| ३१-०८-२०१९<br>शनीवार   | जगत का तात्त्विक<br>Scientific Micro Vision Part-I  | Scientific Micro-Vision<br>(सम्यक् दर्शन) Part-2   | चार महिने का प्रतिक्रमण तथा<br>शांती पाठ, आरती और मंगलदीपक |
| ०१-०९-२०१९<br>रविवार   | Law of Cause & Effect<br>कर्म का Practical स्वरूप   | Self Realisation<br>भेद / अभेद योग   | चार महिने का प्रतिक्रमण तथा<br>शांती पाठ, आरती और मंगलदीपक |
| ०२-०९-२०१९<br>सोमवार   | संवत्सरी PRACTICAL<br>LIFE MANAGEMENT TOOL<br>PART - I                                      | समय : दोपहर 3.30 से 7.30<br>संवत्सरी आलोचना, प्रतिक्रमण, शांती पाठ<br>तथा आरती और मंगलदिपक | (गुजराती, हिन्दी,<br>English<br>Combined)                  |
| ०३-०९-२०१९<br>मंगलवार  | संवत्सरी PRACTICAL<br>LIFE MANAGEMENT TOOL<br>PART - II                                     |  |  |

रोज तीसरे सत्र मे Practical Scientific प्रतिक्रमण समझपूर्वक जिस तरह भगवान महावीर ने आजसे २६०० साल पहले बताया था उसी तरह करेंगे गुजराती/हिन्दी/English मे संगीत के साथ । तत् पश्चात रोज रात को शांती पाठ करके भगवान की आरती और मंगलदीपक समझपूर्वक संगीत के साथ उतारेंगे । यह Scientific Practical पर्युषण अनुभवधारा की खासियत है ।

CT : 9322235233 / 9833133266 / 9987503512  
9869052507 / 9892756649 / 9820212816

Language : हिन्दी, गुजराती, English Combined

# ऋतुंभरा परिसर में प्रभुजी के विविध स्वरूप



# जीव से शिव (सिद्ध) की यात्रा – महाशिवरात्री महोत्सव



शिव महिमा का स्तुति स्तवना और मंत्रोच्चार से मुक्ति का पुरुषार्थ कराते हुए प.पू. गुरुदेव



प.पू. गुरुदेव द्वारा महाशिवरात्री के अवसर पर शिव भक्ति करता हुआ परम आनंद परिवार



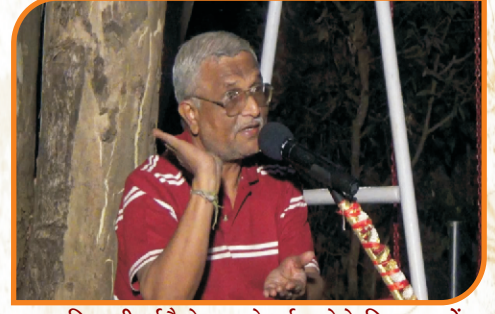
सामुहिक स्नात्र पूजा द्वारा श्री शांतिजिनेश्वर प्रभुजी के भाव तरंगों से जुड़ता हुआ परम आनंद परिवार



सत्गुरु सानिध्य से प्रभु का चैत्यवंदन करते हुए जीव से शिव की यात्रा में आराधक



शांतिपाठ द्वारा जीवन में आनंद मंगल कायम करते हुए श्री जगदीशभाई शाह परिवार और परम आनंद परिवार



महाशिवरात्री पर्व कैसे शून्य से पूर्ण बनने के लिए साल में एक बार आता है यह विज्ञान समझाते हुए प.पू. गुरुदेव



Campfire का आनंद लेते हुए प.पू. गुरुदेव के साथ प्रश्नोत्तरी द्वारा हल लेते हुए आये हुए महमानों के साथ चि. जशभाई जाखरिया



Old महाबलेश्वर के मंदिरों में दर्शन करते हुए पवित्र नदियों के जल से ईश्वर कृपा लेते हुए आराधक



पंचगिनी Table Land पर विचरण करते हुए निसर्ग आनंद में प.पू. गुरुदेव के साथ परम आनंद परिवार

## Divine Lifestyle For Students, Professionals, Businessmen, Everyone



प.पू. गुरुदेव द्वारा दिव्य जीवन के 5 व्यवहारों को एकाग्रता और उत्साह से सुनाते हुए ज्ञान सरिता School के शिक्षकगण एवम् विद्यार्थी



प.पू. गुरुदेव के पूछे गए प्रश्न के जवाब में हाथ ऊंचा करके भगवान बनने के मार्ग में चुड़ने के लिए तैयार ज्ञान सरिता School के विद्यार्थी



भगवान जैसे 100% स्वतंत्र बनने का परम लक्ष्य निर्धार करते हुए ज्ञान सरिता School के विद्यार्थी



Divine Lifestyle शिबीर का लाभ लेकर ज्ञान सरिता विद्यालय की प्रमुख श्रीमती इलाबेन रुपारेल का परमसुख जिवन विकास केन्द्र द्वारा बहुमान



परम सुख सेविका द्वारा तालियों की गडगडाहट में प्रभु शरण स्वरूप नमो जिगाणं Cap पहनाकर ज्ञान सरिता विद्यालय की उपप्रमुख श्रीमती आरतीबेन जोबनपुत्रा का बहुमान



प.पू. गुरुदेव की सराहना में शिक्षकों के आदेश से सर्जीत भेंट अर्पण करते हुए एक छात्र

# श्री नवरात्रि शक्ति आराधना, श्री नवपद साधना With श्री सिद्धचक्र महायंत्र पूजन अनुष्ठान (बिलासरी)



गुरु ज्ञान मुक्ति सोपान करते हुए प.पू. गुरुदेव सहित आंबेसरी स्थित प.पू. मुनिराज श्री पद्मशशंकरजी भाई महाराज साहेब



भक्ति भाव से सम्यक् तप की आराधना करते हुए साधक



भोपाल से आए हुए श्रीमती धीराबेन किशोरभाई काराणी परिवारने पूजन का लाभ लेकर श्री सिद्धचक्र महायंत्र अपने घर पधराया



प.पू. गुरुदेव द्वारा दिव्य पूजन का रसपान करते हुए परम आनंद परिवार के सदस्य



ओशिवारा से श्री निलेशभाई रोहितभाई शाह ने गुरु निश्रा में पूजन करके श्री सिद्धचक्र महायंत्र अपने घर पधराया



वासक्षेप पूजन करके डोंबिवली से श्रीमती विमलाबेन लक्ष्मीचंदभाई गाला ने श्री सिद्धचक्र महायंत्र अपने घर पधराया



प.पू. गुरुदेव के मुख से बहेती वाणी और दिव्य पूजन का लाभ लेकर डोंबिवली से श्रीमती नयनाबेन भरतभाई नंदु ने श्री सिद्धचक्र महायंत्र अपने घर पधराया



अंबरनाथ से श्री दिपेन्द्रभाई कल्याणजीभाई हरियाने गुरुकृपा से श्री सिद्धचक्र महायंत्र अपने घर पधराया



प.पू. गुरुदेव के करकमलो से पूजित श्री सिद्धचक्र महायंत्र अपने घर बरोड़ा में पधराने का लाभ लेते हुए श्री पृथ्वेशभाई पंड्या और श्रीमती कल्पनाबेन पंड्या

## श्री चैत्र नवरात्रि आराधना श्री नवपद ज्ञान साधना With श्री सिद्धचक्र महायंत्र पूजन अनुष्ठान



खीरा नगर, सांताक्रुझ में श्री सिद्धचक्र महायंत्र पूजन अनुष्ठान द्वारा आराधना और परम लक्ष्य की साधना करवाते हुए प.पू. गुरुदेव



प.पू. गुरुदेव के मार्गदर्शन से 'नमो जिणाणं, जिअ भयाणं' मंत्र कवच से अभय बनने का पुरुषार्थ करते हुए साधक



प.पू. गुरुदेव द्वारा पूजित श्री सिद्धचक्र महायंत्र अपने घर पधराने का लाभ लेते हुए मलाड से श्रीमती चेतनाबेन संजयभाई शाह



प.पू. गुरुदेव की कृपा से श्री सिद्धचक्र महायंत्र अपने घर पधराने का लाभ लेते हुए अंधेरी से श्रीमती उषाबेन शांतिलालभाई जाखरिया



श्री सिद्धचक्र महायंत्र को अपने घर में स्थापित करके आनंद में नंदुरबार से श्रीमती ताराबेन खुशालचंदजी जैन सहपरिवार



प.पू. गुरुदेव की आज्ञा से अहमदाबाद स्थित श्री भरतभाई निहालचंदजी शाह ने श्री सिद्धचक्र महायंत्र अपनी ऑफिस में पधराया





## શ્રી સીમંધર સ્વામી પ્રેરિત નવીન અભિયાન ઘેર ઘેર સત્સંગ અને નગરે નગરે શિબીર

અરિહંત મેળાની અપૂર્વ સફળતા બાદ પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્રનું એક નવુ આયામ....  
પ.પૂ. પંકજભાઈના સાંનિધ્યમાં...

જીવિત તીર્થંકર પરમાત્મા શ્રી સીમંધર સ્વામીની અસીમ અસીમ કૃપા પ.પૂ. ગુરુદેવ પર વરસી રહી છે. શ્રી સીમંધર સ્વામીની પ્રેરણાથી ભગવાનનો આ સરળ માર્ગ “12 Steps Divine Life Style” દરેક જીવમાં પ્રગટ થાય અને “સવિ જીવ કરુ પ્રેમ રસી” સહુનું મંગલ હો... કલ્યાણ હો... એવી દિવ્ય ભાવધારા સાથે પ.પૂ. ગુરુદેવે એક નવુ અભિયાન આદર્યું છે.

“જીવે જીવે અરિહંત નાદ” એટલે “ભગવાન શ્રી સીમંધર સ્વામીની દિવ્ય વાણી પ.પૂ. ગુરુદેવના શ્રીમુખે” હર જીવમાં... હર ઘર ઘરમાં ગુંજે... આ દિવ્ય ભાવધારા સાથે ઘેર ઘેર પ્રભુની હાજરી સાથે ઉત્સવ સત્સંગનું આયોજન...!

એ જ રીતે ભગવાનનો દિવ્ય માર્ગ “12 Steps Divine Life Style” નગરે નગરે દરેક જીવને Scientifically અને Practically મળે અને સૌનું જીવન આનંદમય બને. તીર્થંકર પરમાત્મા શ્રી સીમંધર સ્વામીના શરણમાં રહીને પરમ લક્ષ પામવાનો આ દિવ્ય માર્ગ સૌને મળે એવી દિવ્ય ભાવધારા સાથે નગરે નગરે દિવ્ય સંસ્કાર શિબીરોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું છે.

આ દિવ્ય Scientific સંસ્કાર શિબીરોનું આયોજન અલગ અલગ Age Groups 6-12 વર્ષ, 13-18 વર્ષ, 19-25 વર્ષ, 26-45 વર્ષ અને 46 અને ઉપરના વર્ષવાળા માટે કરવામાં આવ્યું છે. આપણાં જીવનની 5 Fitness એટલે કે શરીર શુદ્ધિ, પ્રાણ શુદ્ધિ, મન શુદ્ધિ, સંપત્તિ શુદ્ધિ અને વ્યવહાર સંબંધોમાં આત્મીયતા અને આત્મવિકાસની આ દિવ્ય Scientific અને Practical સંસ્કાર શિબીરો છે.

આવા ઉત્સવ સત્સંગ અને The Science of Divine Living ની દિવ્ય Scientific સંસ્કાર શિબીરોનું ઘેર ઘેર અને નગરે નગરે આયોજન કરવામાં આવશે.

અરિહંત મેળામાં “પરમ સુખ Divine Wellness Centre” જ્યાં જન્મથી લઈને મૃત્યુ સુધીની બધી જ સમસ્યાઓનું નિરાકરણ આપવામાં આવશે અને જ્યાં અરિહંત પરમાત્મા શ્રી સીમંધર સ્વામીની સમવસરણ પર દિવ્ય હાજરી હશે એવા “પરમ સુખ Divine અરિહંત નગર”ની ઉદ્ઘોષણા કરવામાં આવી હતી. એની તૈયારીઓ શરૂ થઈ ચૂકી છે. એની પૂર્વભૂમિકા સ્વરૂપે પ્રભુની હાજરીમાં ઘેર ઘેર ઉત્સવ સત્સંગ અને નગરે નગરે “The Science of Divine Living ની દિવ્ય જીવન Scientific સંસ્કાર શિબીરો”નું આયોજન કરવામાં આવ્યું છે.

આવા દિવ્ય ઉત્સવ સત્સંગ આપના ઘરે કરાવવા માટે આપ સૌ પ્રભુવત્સલ ભક્તો, શિબીરાર્થીઓ, સત્સંગીઓ, સેવકો... સૌને સપ્રેમ આમંત્રણ છે.



**જાહેર આમંત્રણ**



પ.પૂ. પંકજભાઈના સાંનિધ્યમાં The Science of Divine Living Scientific & Practical દિવ્ય જીવન સંસ્કાર FREE શિબીર / Workshop માં School/College, જૈન સંઘ, સોશયલ ગ્રુપ, હાઉસીંગ સોસાયટી, યુથ ગ્રુપ, મહિલા મંડળ, સીનિયર સિટિઝન ગ્રુપ, વ્યાપારી મંડળ તથા Business એસોસિયેશન અને ફેડરેશન....

આપ સર્વને સાદર આમંત્રણ છે આવી શિબીરોનું આયોજન આપને ત્યાં કરાવવા માટે

**Contact : 9987503512 / 9920141568 / 9833133266 / 9820944517  
9324903057 / 9892756649 / 9833596020 / 9820162699**



## श्री सीमंधर स्वामी प्रेरित नवीन अभियान घर घर सत्संग और नगर नगर शिबीर

अरिहंत मेले की अपूर्व सफलता बाद परम सुख जीवन विकास केन्द्र का नया आयाम...

प.पू. गुरुदेव पंकजभाई के सांनिध्य में...।

जीवित तीर्थकर परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी की असीम कृपा प.पू. गुरुदेव पर बरस रही है। श्री सीमंधर स्वामी की प्रेरणा से भगवान का यह सरल मार्ग **“12 Steps Divine Life Style”** हर जीव में प्रगट हो और **“सवि जीव करु प्रेम रसी...”** सबका मंगल हो... कल्याण हो... ऐसी दिव्य भावधारा के साथ प.पू. गुरुदेवने एक नया अभियान छेड़ा है।

**“जीवे जीवे अरिहंत नाद”** यानि की जीव मात्र में **“भगवान श्री सीमंधर स्वामी की दिव्य वाणी प.पू. गुरुदेव के श्रीमुख से”** हर जीव में, हर घर घर में गुँजे... इस दिव्य भावधारा के साथ हर घर घर में प्रभु की हाजरी के साथ उत्सव सत्संग का आयोजन...!

इसी तरह भगवान का दिव्य मार्ग **“12 Steps Divine Life Style”** हर नगर नगर में हर जीव को Scientifically और Practically मिले और सबका जीवन आनंदमय बने। श्री सीमंधर स्वामी के शरण में रहकर परम लक्ष्य पाने का यह दिव्य मार्ग सभी को मिले इसी दिव्य भावधारा के साथ नगर नगर दिव्य संस्कार शिबीरों का आयोजन किया गया है।

यह दिव्य Scientific संस्कार शिबीरों का अलग अलग Age Groups 6-12 yrs., 13-18 yrs., 19-25 yrs., 26-45 yrs., 46 yrs. & above के लिए आयोजन किया जाएगा। हमारे जीवन की 5 Fitness याने शरीर शुद्धि, प्राण शुद्धि, मन शुद्धि, संपत्ति की शुद्धि और व्यवहार संबंधो मे शुद्धि की यह दिव्य Scientific & Practical संस्कार शिबीरे है।

ऐसे उत्सव सत्संग और The Science of Divine Living की दिव्य Scientific संस्कार शिबीर घर घर और नगर नगर में आयोजित करने में आएँगी।

अरिहंत मेले में **“परम सुख Divine Wellness Centre”** जहाँ जन्म से लेकर मृत्यु तक की सारी समस्याओ का निराकरण दिया जाएगा और जहाँ अरिहंत परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी की समवसरण पर दिव्य हाजरी होगी.... ऐसे **“परम सुख Divine अरिहंत नगर”** की उद्घोषणा की गई थी। उसी की तैयारियाँ शुरु हो चुकी है। उसी की पूर्वभूमिका स्वरूप प्रभु की हाजरी में घर घर उत्सव सत्संग और नगर नगर में **“The Science of Divine Living दिव्य जीवन Scientific संस्कार शिबीरों”** का आयोजन किया जा रहा है।

ऐसे दिव्य उत्सव सत्संग अपने घर पर करवाने के लिए आप सभी प्रभुवत्सल भक्तो, शिबिरार्थीओ, सत्संगीओ, सेवको... सभी को सप्रेम आमंत्रण है।



**जाहेर आमंत्रण**



प.पू. पंकजभाई के सांनिध्य में The Science of Divine Living Scientific & Practical दिव्य जीवन संस्कार FREE शिबीर / Workshop में School/College, जैन संघ, Social Groups, Housing Societies, Youth Groups, Ladies Groups, Senior Citizen Groups, Trade & Business Associations & Federations.

आप सभी सादर आमंत्रित है ऐसी शिबीरो का आयोजन अपने यहाँ कराने के लिए।

**Contact : 9987503512 / 9920141568 / 9833133266 / 9820944517  
9324903057 / 9892756649 / 9833596020 / 9820162699**



## श्री चैत्री नवरात्री शक्ति आराधना श्री नवपद ज्ञान साधना With श्री सिद्धचक्र महायंत्र जाप पूजन अनुष्ठान

પહેલા તો પ.પૂ. ગુરૂદેવને Thank You, Thank You. જેમણે આટલું સરસ જ્ઞાન આપ્યું કે જીવન કેમ જીવવું.

નવરાત્રી શક્તિ આરાધના અદ્ભૂત છે. હું સાત વર્ષથી પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્રમાં જોડાઈ છું. પર્યુષણમાં પણ હું આવું છું. શિબીર પણ કરી છે. અમે આ વખતે સિદ્ધચક્ર યંત્ર લીધું અને નવરાત્રી આરાધના પેલી વખત કરી. મને અંદરથી અપૂર્વ આનંદ થઈ રહ્યો છે. 7.30 થી 10.30 સુધી ગુરૂજીના મુખથી નવરાત્રી શક્તિ આરાધના વિષે જે સાંભળવા મળે છે તે અદ્ભૂત છે. સાક્ષાત સમોવસરણમાં બેઠા હોઈએ એવું લાગે છે. હવે આપણે અંદરથી જોવાનું જ કામ કરવાનું છે. એ સારી રીતે સમજાવ્યું છે. હું અહીં આવી અને યંત્ર લીધું એના માટે પૂર્વીબેન અને આરતીબેનની આભારી છું. આ માર્ગ અદ્ભૂત છે. પ્રભુકૃપાથી જ અમને મળ્યો છે.

નમો જિણાણં.

**Usha S. Jakharia - 8080326531**

Its my first time and I feel very peaceful and it has given me a great knowledge which I can use from today.

**Meghkumar Jain - 7045484003**

આજનું સિદ્ધચક્ર પૂજન બહુજ અદ્ભૂત અને અલૌકિક હતું અને પૂજન દરમ્યાન ભક્તિભાવમાં રહેતા શરીરના રૂંવાટા ઊભા થયા. આ એક અલૌકિક અનુભવ થયો.

નમો જિણાણં.

**ઉર્મિલા નવીન શાહ - 26209656**

હું બહુજ સદ્ભાગી છું, બહુજ નસીબદાર છું કે દર વર્ષની જેમ આ વર્ષે પણ મને આ અનુષ્ઠાનમાં હાજર રહેવાનો અવસર પ્રાપ્ત થયો. હું વર્ષોથી આ અનુષ્ઠાનમાં આવું છું. આની માટે પૂજ્ય શ્રી ગુરૂદેવ પંકજભાઈ શેઠ અને સેવક જયેજભાઈ ગાલા અને સુરેન્દ્રભાઈનો આભારી છું. મારા જીવનનો એક

દિવસ આજનો દિવસ બહુજ આધ્યાત્મિક આનંદમાં પસાર થયો. મારી બેટરી ચાર્જ થઈ ગઈ. અહીં જો આવ્યો ન હોત તો ટી.વી. જોવામાં દિવસ ગયો હોત. અને ઘણાં બીજા પાપ કર્મો બંધાઈ ગયા હોત. એનાથી હું બચી ગયો. આ અનુષ્ઠાનમાં જેટલી ક્ષણો હું હાજર રહ્યો એટલી ક્ષણો મારી સફળ થઈ ગઈ. એટલી ક્ષણોનો સદ્ઉપયોગ થયો. મારી બેટરી ચાર્જ થઈ ગઈ. આની માટે હું ગુરૂદેવ પંકજભાઈ શેઠ, આયોજકો અને બધા સેવકોનો બહુજ આભારી છું. ગુરૂદેવ તમારા આશીર્વાદ અમને સદા મળતા રહે એજ મારી હૃદયપૂર્વક અરજ અને પ્રાર્થના.

**Hiralal P. Rambhia - 9323197028**

મારી જીંદગીમાં આવું અદ્ભૂત કાર્યક્રમ મે ક્યારેય જોયો નથી. અનુભવ અદ્ભૂત રહ્યો છે. ખરેખર કાંઈ પુણ્ય કર્યા હશે ત્યારે આવા સદ્ગુરૂનો ભેટો થાય. આવા સદ્ગુરૂ મળ્યા અને અમારો ભવ સુધરી ગયો. જીવન કેવી રીતે જીવવું તે જાણવા મળ્યું.

નમો જિણાણં

**ભાવના પી. દોશી - 9757362718**

આજના આ અનુષ્ઠાનમાં ઘણું બધું જીવનમાં ઉતારવા જેવું પૂજ્ય શ્રી પંકજભાઈના મુખેથી સાંભળવા મળેલ. આવા ગુરૂદેવ જીવનમાં મળી જાય તો આપણું જીવન ધન્ય બની જાય. આવા માહોલમાં ખૂબજ શાંતિનો અનુભવ થયો.

**નયના શાંતિલાલ નાગડા - 9967326169**

## जीव से शिव (सिद्ध) की यात्रा महाशिवरात्री महोत्सव

I have been imbibing the values taught by P. Pu. Guruji since the last 10 years or more. At times my inner demons and self doubts overcome me and drag me back to my Karma Satta. However most fortunately Tirthankar Parmatma never lets that happen and as a result of which I have achieved from scratch to strength inspite of the odds, thanks to Prabhu Krupa.

**Mehul J. Shah - 9867855109**



नमो जिज्ञासुं।

जिंदगीना तत्वने समजवानुं मय्युं, माझवा मय्युं. मने तो बधानी  
साथे हर कोईना दिलमां रडेवानुं मय्युं अनो पूबज आनंद थयो.

में तो अक कूल ज माग्युं हतुं आपनी पासे पश आपे तो आपुं  
उपवन आपी दीधुं. पूबज I Love You.

दीपीकाबेन जगदीशभाई शाह - 9820115852

नमो जिज्ञासुं

महाशिवरात्री महोत्सवमां हुं पडेली वपत आवी छुं. मने बडुज  
आनंद थयो. धशा वपत पछी पू. गुरुज साथे रडेवानो मोको मय्यो. धशुं बुधुं  
ज्ञान प्राप्त थयुं अने Life ना धशां बधा Problems ना Solution मय्या.  
पूब पूब आनंद थयो. परम सुभना बधा सेवकोनी सेवानी पूब पूब  
अनुमोदना. पू. गुरुजानो पूब पूब आभार. Thank you very much.

**Nirmala Chheda**

जवनमां पडेली वपत पंयगीनी आववानुं थयुं. सडज रुपे आनंद  
अनुभवायो. उज धशुं बाकी छे. लविष्यमां ज्यारे पश संजोगो मदे आववानी  
ईच्छा न रोकी शकाय.

नमो जिज्ञासुं।

गुणवंत शाह - 9920621560

महाशिवरात्री महोत्सव निमित्ते महाबलेश्वर गया उता.  
मेहुलभाईना बंगलामां पूबज आनंद आव्यो. तेमना घरनी ईट ईट “ॐ  
नमः शिवाय” ना जप करती डोय तेवुं लागतुं हतुं. बाथरूममां तो पूबज  
स्वच्छता उती. 'Godrej Deodorant' पूबज वधारे सुवास केलावतुं हतुं.  
स्वागत ही स्वागत हतुं. जगदीशभाई अने दीपीकाबेननो बंगलो तो जशे  
आपशो ज लागे. बन्नेना भाव पूबज सद्भाव बरेला उता. नीकणती वपते  
मुंभई तरफ रवाना थवानुं हतुं त्यारे पश स्वागत करवाना भाव हतां.

भावनाबेन पंकजभाई शेठ - 9004365653

में चार सालसे गुरुजी के साथ प्रोग्राममें ऑर्गेन बजाता हूँ ।  
आज पहली बार महाशिवरात्री का प्रोग्राम महाबलेश्वर (मोक्ष बंगले) में  
किया । मुझे बहोत अच्छा लगा । हम बाहर के प्रोग्राम करते है मगर ये  
प्रोग्राम में मुझे family के साथ प्रोग्राम कर रहा हूँ ऐसा लगा । मुझे बहुत  
आनंद आया ।

नमो जिज्ञासुं ।

**Shrikant R. Pawaskar - 9821391895**

नमस्कार महामंत्र योग

Science Of Divine Living

आनंदमय जीवन विकास की

अद्भूत शिबीर

प्रथम तो आ शिबीरमां Join थईने पूबज धन्य बनी गया. जे  
नडोता जशता ते जशवा मय्युं. गुरुजनी जे सिभडावानी शैली छे ते पूबज  
सरस अने सरण उती. शिबीर कर्या पछी बीज प्रत्ये मैत्री भाव जगवा लाग्यो.  
राग-द्वेष ओछा थता गया. Practical बनी गया. बधी ज रीते आ शिबीर  
अमने पूबज उपयोगी रडी. आ अक अद्भूत लडावो अमे माशयो. घरमां  
पूबज शांतीनुं वातावरण अनुभव करीअे छीअे. घरना दरेक सव्यो, ‘नमो  
जिज्ञासुं’ बोलातां थई गया छीअे. पूबज सरस अनुभव. मननी शांति अने  
मैत्री भावना दरेक जव माटे करीअे छीअे. उज पश अमे आगण तमारा पगले  
यालीअे तेवी मंगल भावना साथे नमो जिज्ञासुं।

**Neeta H. Mehta - 9004684841**

It was good experience overall. I came to know  
everyone, their problems & solutions. Physical activity  
was the good part. It gives immense pleasure to do this  
kind of activity & hear all the good & spiritual things.

दीपा अशोक मडेता - 9769030974

I have completed Part-I 5-6 years back at  
Ghatkopar. Morning Prakriya, I am doing regularly almost  
everyday. It has controlled my stress, work pressure,  
blood pressure.

Because of Part-I I have come very close to Shri  
Navkar Mantra.

**Ketan S. Karani - 9820208979**

नमस्कार महामंत्र योगमां आव्या पछी मने नवकार मंत्र शुं छे ते  
जबर पडी अने मारा मनने शांती पश मणी. नमस्कार महामंत्र शुं छे अे जशया  
पछी अमे जे डेरान थता हतां ते डेरान थवाना बंध थई गया. अकबीज  
प्रत्ये प्रेम वधवा लाग्युं. आपी सृष्टिमां पश सर्वे जवननी जबर पडी अमने.  
नमो जिज्ञासुं. अमने आनंद थयो.

शुभेच्छः : तुम क्या कर रहे हो “वो” नहीं देखता लेकिन दिल “मैं” क्या चल रहा है वो देखता है । सच्चे दिल पर साहिब राजी ।



नवकार मહામંત્ર યોગ દ્વારા આ બીજા સત્રમાં સ્વતંત્ર વિચાર અમલ કરવાનું યાદ ચાલુ દિવ્ય જીવનના નવ પગથીયા બતાવ્યા. તેમાં મને ખૂબ ફયાદો થયો. મારો આધ્યાત્મિક વિકાસ થયો. દિવસ દરમ્યાન જે જે કાર્યો કરવાનાં આવે છે તે આ સાધનાથી વિના વિઘ્ને સારી રીતે સરળતાથી થઈ જાય છે. આંતર ઔચિત્યમાં બહારના કામ સફળતાથી સરળ થઈ જાય છે.

સાધુ, ઉપાધ્યાય, આચાર્ય પદના જાપ ખૂબ શાંતિથી કરું છું અને નમો જિણાણં નું જાપ આખો દિવસ ચાલ્યા કરે છે. પ્રભુકૃપા થાય છે, મારા કર્મોની નિર્જરા થાય છે. પ્રભુ મારું હિત કરી રહ્યા છે. અરિહંત પદ શું છે? કેમ પહોંચવું? તે મને રસ્તો બતાવ.

વીણા દામજી પાસડ - 9870157835

After joining to Science of Divine Living I have got huge experience that I am feeling very nice. I have started getting good marks in the exams and Just I am getting Shanti in my house. At night I do night prakriya and I get cool and a nice sleep. Next day I am very fresh but because of early school I am not able to do the morning prakirya. But I definitely know that if I will do it I am going to get nice results in my life. I also feel good when I do the 100 breathing counting. I get sleep in 10-20 counts. Sorry ! but this much only.

Thank You !

Tej. A. Dhulla - 9892937740

નમો જિણાણં

હું Science of Divine Living આ રોજ અરીહંત Channel ઉપર જોતી હોઉં છું. મને આતુરતા હતી કે મને પણ આવું ક્યારેક chance મળે અને હું એમાં joint થાઉં. પણ દૂર મોકલવા ઘરેથી તૈયાર નહોતા તથા. પછી એક દિવસ દેરાસરમાં મને પેપલેટ મળ્યું. ડૉબિવલીમાં પણ પંકજભાઈ આવવાના છે તો મને બહુજ આનંદ થયો કે મારો પણ હવે સંપર્ક થશે. પણ મારી ત્યારે તબીયત સારી રહેતી ન હતી. મને બે મહિનાથી તાવ આવતો હતો. પણ મને ખૂબજ ઈચ્છા હતી એટલે ઘરમાં પણ મને રજા આપી. અહીં સાંભળીને મેં 1st Session Join કર્યું. પણ બીજા અઠવાડિયામાં જ્યારે હતું ત્યારે મને હોસ્પિટલમાં admit કરી એટલે આવી ન શકી. પછી મારી તબીયત વધારે ને વધારે ખરાબ થતી ગઈ. અનાજ પણ ખાવાનું બંધ થઈ ગયું. પછી K.D.M.C. હોલમાં આપનો session હતું ત્યારે પણ હું જીદ કરીને આવી અને પ.પૂ. ગુરુદેવ પંકજભાઈ સાથે વાત કરી કે મારી આવી રીતે તબીયત રહે છે અને ડોક્ટરો પણ કંઈ નિદાન આપી શકતા નથી તો હું શું કરું? ગુરુજીએ મને પ્રભુકૃપા અને Morning પ્રક્રિયા અને Night પ્રક્રિયા કરવાનું કહ્યું. મેં એ ખૂબજ શ્રદ્ધાથી કર્યું અને મને થોડાજ દિવસમાં બહુ સારું થઈ ગયું. હવે હું એકદમ સારી છું. હજી પણ મને કંઈપણ Problem આવે તો તરત પ્રભુકૃપા કરું કે મારો problem solve થઈ જાય.

Lilam J. Gada - 9892491203

- ❖ જીવનમાં નિયમીતતા આવે છે. આળસ દૂર થઈ જાય છે.
- ❖ જાપથી સારું લાગે છે. Negative વિચાર ઓછા આવે છે.
- ❖ નવકાર મંત્ર વિશે ઘણી જાણકારી મળી. પાંચ ધૂન કર્યાવગર દિવસમાં ખાલીપણું લાગે છે.
- ❖ ભગવાનની વાણી સરળ શબ્દમાં સમજાય છે. અમુક વાતની ક્યારેય ખબર ન હતી. શરીરમૈત્રી અને પ્રાણમૈત્રીથી સારું લાગે છે. પરમ સુખ જીવન પરિવાર ખૂબજ લાગણીશીલ છે. મંત્રજાપ ખૂબજ powerful છે. જીવનમાં એક અલગ જ અનુભવ.

Bhavana H. Dedhia - 9967766202

મને આ શિબીરમાં આવ્યા પછી ઘણુંજ જાણવાનું મળ્યું. નમો જિણાણં, મારે નથી થવું હેરાન ખરેખર ચમત્કારિક મંત્ર છે. હું ઘણી વખત વ્યાપારી પાસે જાઉં છું અને late payment વ્યાપારી આપે છે ત્યારે મનમાં નમો જિણાણં, જિઅ ભયાણં, મારે નથી થવું હેરાન બોલું છું. ત્યારે ચમત્કારિક અનુભવો થયાં છે.

નમો લોએ સવ્ય સાહુણં મંત્રથી ચમત્કારિક અનુભવ થયાં છે.

ખરેખર, આ શિબીર જીંદગીભર યાદ રહેશે. હું મનોમન આભારી છું પ.પૂ. પંકજભાઈનો તથા પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્રનાં સેવકોનો.

નમો જિણાણં

મહેન્દ્ર જેઠમલ ગડા - 9820862918

## Divine Scientific Practical સમ્યક્ પર્યુષણ અનુભવધારા

પર્યુષણ - 2018

Oh God, Paryushan is Here !! That means no vegetables and no lillotri !! That's what all we have mentality rather celebrating this amazing festival for 8 days. we all are in sorrow. How cheap mentality we all have !! During Paryushan there's misconfusion that we should do tap (તપ) but what is tap?? All have this misconception that tap is fast i.e. no food and only boiled water but they don't know the real meaning of tap!!!! The real meaning of tap is deciding & implementing "Maare Nathi Thavu Hairan" and "Come what may, I will enjoy". Paryushan is festival of enjoyment & not harming our body by doing fast for 8 days. Fast should be done only 1-2 days to relax our internal system, exceeding it is not recommended. I came to know Namobhav, Ahobhav, Care, that should be implemented on our daily basis.



"Maare Nathi Thavu Hairan" & "Come what may, I will enjoy" should be our ultimate goal.

**Daksh Amarshi Chhadva - 8097150990**

नमो जिज्ञासां.

में प मडिना पडेवा Right Knee Replacementनी सर्जरी करावी હતી. તેથી પર્યુષણ પર્વમાં હાજરી આપી શકાશે એમ લાગતું ન હતું પણ મને સીમંધર સ્વામી પ્રભુની કૃપાથી ૧ લે દિવસે Stick (લાકડીના સહારે) હું પર્યુષણ અનુભવધારામાં જઈ શક્યો. ૧ લા Session માં હાજરી આપી. ગુરૂદેવની કૃપા પણ લીધી. બીજે દિવસે પ્રભુકૃપા + ગુરૂકૃપા મળવાથી મને નવી શક્તિનો સંચાર થયો. પ્રભુનો સંકેત મળ્યો કે હવે તું support વગર બીજા Session માં હાજરી આપી શકશે. બસ તુરંત જ પહોંચી ગયો અને પ્રભુકૃપાથી મને જરા પણ તકલીફ વગર હું બન્ને Session ખૂબજ આનંદપૂર્વક અને હૃદયપૂર્વકના ભાવથી પ્રભુભક્તિમાં લીન થઈ ગયો. મારા માટે આ એક ખૂબજ સુખદ અનુભવ હતો. ત્યાર બાદ હું આજે આઠમે દિવસ સુધી ખૂબજ ઉત્સાહપૂર્વક જઈ રહ્યો છું. ન થાક, તરસ, ભૂખ. બધું જ ભૂલી ગયો અને પ્રભુ ભક્તિમાં લીન થઈ ગયો. બીજું સાચું તપ કોને કહેવાય તે મને સમજાયું કે મને શારીરિક તથા માનસિક ઘણાં રોગો હોવા છતાં મેં આનંદપૂર્વક આ આરાધનામાં હાજરી આપી. રોજ મારા માટે તપ થઈ ગયું. સીમંધર સ્વામીની અસીમ કૃપા, ગુરૂદેવ શ્રી પંકજભાઈ, સેવકો તથા ભક્તોને મળતી રહે તેવી જ પ્રભુને પ્રાર્થના.

**પ્રદીપભાઈ તલસાણીયા - 9821149778**

મારા તો ઘણાં experience છે પણ જ્યારે હોલમાં હોઈયે છીયે ત્યારે પ્રભુ સ્તુતિ પછી એમ લાગે છે કે Body માં કોઈ energy ની pipe લગાડી દીધી છે. ૧૦ મીનીટ સુધી ચાલે છે. અને જીવનમાં આ અપનાવી લીધું છે. મારે નથી થવું હેરાન. જ્યારે લક્ષ ભૂલી જાઉં છું ત્યારે હું હેરાન થતી હોઉં છું. પણ awareness પાછી આવી જાય અને આનંદમાં રહું છું. ડગલે અને પગલે સીમંધર સ્વામીની method કામ આવે છે. Even મારા સંપર્કમાં જે આવે છે તેમને આજ રસ્તો બતાવું છું અને તે પણ સારા થઈ ગયા છે. અને ગુરૂસ્તુતિનો તો અલગ જ અનુભવ છે. વાતવાતમાં એ use કરું છું. હું બધાને એમજ કહું કે શ્રી પંકજ સરને ત્યાં જવા વગર આરો નથી. Love you All. Even મારા બધાજ સમયે આ કામ આવે છે. Thanks to શ્રી પંકજ સર અને શ્રી સીમંધર સ્વામી. બધા સેવકોને પણ Love You & God Bless You.

**ચંદન આમટે - 9021024076**

નમો जिज्ञासां

સીમંધર સ્વામી ભગવંતના સમોવસરણમાં પહેલી વખત સંવત્સરી મહોત્સવ માણવાનો, જાણવા, શીખવાનો અને અનુભવ કરવાનો શુભ અવસર મળ્યો તે માટે પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્રનો ખૂબ ખૂબ આભાર. અને આ અનુભવધારા પ.પૂ. ગુરૂજીએ જે અમારા ઉપર વહેવડાવી છે તેનો

નીરંતર અભ્યાસ રહે તેવા હૃદયમાં ભાવ કર્યા છે.

આ પ્રકારનો પર્યુષણ પર્વનો અનુભવ પણ પ્રથમ વાર થયો. જેમ ગુરૂજી કહે છે તે પ્રમાણે પર્યુષણ કરવા નથી પડ્યા, આનંદથી સહજ રીતે થઈ ગયા છે.

તેમજ મહાવીર જન્મ કલ્યાણક પણ જીવંત માણ્યું.

**Dhananjay Shah - 9820945855**

Only in ONE Sentence I can say

"AMAZING experience, spiritual clarity in my Age till."

- એક દ્રષ્ટિ પ્રાપ્ત થઈ છે તેવું માનું છું. પ્રભુ સીમંધર સ્વામીની ઉપસ્થિતિથી વાતાવરણ (સુખ)ની અનુભૂતિ.
- ગુરૂજી દ્વારા સ્પષ્ટ, સચોટ અને વૈજ્ઞાનિક દ્રષ્ટિકોણ સાથેની સમઝણ, અલૌકિક અનુભૂતિ.

**Ashok Jain - 9892279792**

આ હોલમાં આવવાની સાથે જ કાંઈક અલગ જ અનુભવ થાય છે.

ઘરેથી નીકળતી વખતે જે પણ કોઈ પ્રશ્ન હોય, ચિંતા, ભય હોય તે બધું જ અહીં આવીને automatic solve થઈ જાય છે.

દરરોજ ઘરે સવારે ૧૧.૦૦ વાગે એકાસણું કરવા માટે desperate હોઉં છું. જ્યારે અહીંયા ૨.૩૦ કે ૩.૩૦ વાગી જાય તોય ખબર નથી પડતી.

અહીંયા સાક્ષાત સીમંધર સ્વામીની પ્રાણધારા છે, છે ને છે જ. એ વાતમાં કોઈ શંકા નથી. સેવકોની સેવા, એકાસણામાં ધ્યાન રાખવું વગેરે ખરેખર કહેવા માટે શબ્દો નથી.

**Tejal G. Shah - 9819855598**

An experience that is non-describable in words. It touched my heart & there is a call from aatma that 'aaj barabar che sacho rasto che'. Attaining moksh never felt so easy & simple. We are entirely under a wrong impression & toward attaining something that we aren't even aware about. Every cell in the body responded to the connection we built with god. Aatma / Samay no swaroop aaj anand che, however we are doing everything but this. Maitri with every jeev, love with each & everyone is so dynamic at first it is difficult to accept but when it is sinking in, it is so powerful & the aatma says to you, Yes this is it !!

Amazing experience. Wish you good luck. Thank you & God bless you in every way & નમો जिज्ञासां.

**Shweta Haria - 24010433**

સીમંધર સ્વામીની કૃપા અને હાજરી માણવાનો લાહવો પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્રના પર્યુષણમાં અવશ્ય મળે છે. આ એક અદ્ભૂત, અલૌકિક

शुभेच्छक :

खुद ही खुद के चौकीदार बनो । (ये मन न जाने कब क्या करवा दे ।)

અંક : ૪૪-૪૫ / ઓગષ્ટ-૨૦૧૯

૪૬

નમો जिज्ञासां



अनुभव છે. આ વર્ષે લગભગ હું છ દિવસ આવી છું. એવું લાગે છે ભગવાન સામેથી બોલાવે છે. મનના સંશય પોતાની મેળે જ દૂર થયા છે. આ વખતે એક વખત જ્યારે પ્રતિક્રમણમાં ગુરુજીએ જે આલાપ છેડેલો ત્યારે 10 મિનીટ એવું લાગતું હતું કે કેવલ હું જ અને મારા પ્રભુ છીએ. બીજું બધું જ વિસરાઈ ગયું હતું. એ અનુભવ શબ્દમાં વર્ણવી શકાતું નથી. એ રાતે સુતી વખતે પણ એ જ આલાપ અને પ્રભુ મનમાં આવી રહ્યા હતા. આ વખતે જાણે પર્યુષણમાં મારી અંદર પ્રભુકૃપા દ્રઢ કરવા જ સીમંધર સ્વામી આવ્યા છે એવો ભાવ થાય છે. સાથે સાથે મારી બંને દિકરીઓ પણ આ વાતાવરણ માણે છે અને અહીંયા આવવા તત્પર હોય છે. એ પણ મારી ઉપર પ્રભુકૃપા જ છે.

નમો જિણાણં.

**Chainika Shah - 9833283911**

Bhakti is what deeply enjoyed here with Guruji's melodious voice in the nishra of Simandhar Bhagwan.

Wish to thank, Simandhar Bhagwan step in my life throught.

Paryushan here brought a change in thought process in action & speech.

Paryushan like this must actually happen everywhere to gain clarity of goal to attain actual happiness.

**Prinal Dedhia - 9833018128**

Namo Jinanam

On this auspicious day of Paryushan Parva I am blessed that I got opportunity to come and enjoy & do Samvatsari Pratikraman in Scientific way at Param Sukh. The experience here is always different. I feel really full of positivity & feel so happy from inside.

Namo Jinanam

**Hinal R. Dedhia - 9819104739**

### Advanced Spiritual Lifestyle Training

આ વખતના પર્યુષણ અનુભવધારા ખરેખર સાધકો પાસેથી વારંવાર Practical કરાવવામાં આવ્યું કારણ ઘણી જ વાર શ્રવણ કરતા પણ જ્યાં સુધી સ્વનું અનુભવમાં રૂપાંતર ન થાય ત્યાં સુધી પરીણામ મેળવવું મુશ્કેલ છે. ઘણી વધારે વાર અથવા લાંબુ બની જાય છે. હવે સમય બહુજ ઓછો છે. મહિનાના મહિનાઓ વહી ગયા. જીવની મુક્તિ તરફની પ્રગતિ અથવા જીવનમાં પરિવર્તન માટે આ જ ગુરુદેવના પ્રયોગ અને સાથે તેના ઉપયોગમાં રહેલો છે. તે મને વધારે દિવ્યતા તરફ લઈ ગઈ. પ્રભુની સ્પર્શના તેની કૃપાની અનુભૂતિ અલૌકિક, અવર્ણનીય હતી.

**કલ્પના વસંતલાલ સાવલા - 9833596020**

મેં અહાઈ તથા ઉપધાન ગુરુજના સમોવસરણમાં કર્યું. બહુ જ મજા આવી. પૂ. ગુરુદેવના સાનિધ્યમાં રહીને ઘણું બધું જાણવા મળે છે. આપણા જીવનમાં ક્યારેય ન સાંભળ્યું હોય તેવું જાણવા મળે છે. અહીં આવીને બહુજ સારું વાતાવરણ માણવા મળ્યું. આવા અવસર વારંવાર માણવા મળે એવું હું પ્રભુજીને પ્રાર્થના કરું છું. સેવકગણ બહુજ સરસ છે. ગમે તે ઘડીએ સેવા આપવા તૈયાર હોય છે. મારું ઉપધાન પહેલું છે છતાં મને આઠ દિવસ ક્યારે નીકળી ગયા કાંઈ જ ખબર ન પડી.

**દીનેશ માલદે - 9930136690**

નમો જિણાણં.

પરમ પૂજ્ય ગુરુદેવ

સૌને નિગ્રંથ બનવા થવા માટે ભગવાને પર્યુષણ પર્વ આરાધના કરવા માટે આઠ દિવસમાં કરવા માટે આપ્યા છે. એમાં પોતાને જોવાનું છે જે દેખાઈ આવે તેને મારે નથી થવું હેરાન છે. ગાંઠને છોડી દેવાનું નમો જિણાણં, Thank You, I Love You કહેવાનું. તમે ગમે તેવા હો, I Love You, તમે છો અમારા અમે છીએ તમારા જૈન ધર્મ વિજ્ઞાન પર બતાવ્યું છે. આઠમાં દિવસમાં સમજાવ્યું છે. ખબર પડી જાય છે. ગાંઠને છોડી દીધી છે.

**કેશરબેન ખેરાજ શાહ - 9321155006, 022-24091716**

Namo Jinanam

I am grateful for this life experiencing opportunity once again. Helps me to take decisions and learn to live life the way God has shown practically. Also since I have something to do I feel I can share my skills and talents for a higher purpose. The food timings were well suited. Though understanding of concepts is essential practical interactive session would have added an icing to the cake. I did get the blessings and support totally from God, Guruji, Sevaks and participants. Nammo Jinanam.

**Manisha Mota - 9920141568**

નમો જિણાણં

2018 માં પ્રભુની કૃપાએ પરમ સુખ સંસ્થાએ Combo Pack નું આયોજન કર્યું હતું. પર્યુષણ with ઉપધાન. મેં એમાં નામ પણ લખાવ્યું હતું. પણ મન ન માન્યું ઉપધાન માટે એટલે મેં ના પાડી. પર્યુષણ દરમ્યાન પૂ. ગુરુજીએ બીજા દિવસે ઉપધાનનો મહિમા સમજાવ્યો અને શ્રી સીમંધર સ્વામીની કૃપાથી મને ઉપધાન કરવાની ઈચ્છા થઈ અને મને સહમતિ મળી ગઈ. એક દિવસ મને થોડું uncomfortable લાગ્યું. પણ પછી સંઘનો સાથ અને સહકારથી આનંદ આવવા લાગ્યો. જે life માં ક્યારેય નહોતું કર્યું એ બધું થયું અને એ પણ enjoyment સાથે. નાની નાની વાતોમાં એટલા ગુંચવાયેલી, ફસાયેલી, મુંઝાયેલી રહેતી. મને છેલ્લા થોડા સમયથી શારિરીક સુવિધા ન હતી તે પણ શારીરમૈત્રી, પ્રાણમૈત્રી, વીચરણ દરમ્યાન Solve થઈ ગઈ અને એક



नवो सुभध अनुभव लईने हूँ जाँउ हूँ. परेपर अंतरयात्रा अने बहिरयात्रा माटे आटवो सरण, सडज मार्ग भणवा बढल हूँ सौनी ऋणी हूँ. विचारथी वाणी, वर्तन, संस्कार, आदतो अने परिवर्तननी आ यात्रा सुभध रीते पार उतरे अेज प्रभुने प्रार्थना.

Thank You. I Love you all. God bless you all.

**Mayuri M. Vora - 8552864664**

### महावीर जन्म महोत्सव

नमो जिज्ञासां

गया वर्षे अेटले गया पर्युषणमां अमारा धरे प्रभुञ्च पधार्यां छे. बराबर अेक वर्ष थई गयुं. प्रभुञ्च आव्या पछी अमने बहु सारुं लागे छे. धरमां पण शांति लागे छे.

प्रभुञ्च आव्या पछी अमारा धरमां रडेवी Negativity बे मडिनामां बार आवी त्तारे बहु तकलीफ थई. अमने पण अेतकलीफमांथी अेवी रीते बार आव्यां के अमने अत्तारे बहु सारुं लागे छे अने बहु शांति लागे छे. उ० वर्षथी मारा पति अेकज जग्या पर नोकरी करता उता. उमशां उ मडिना पडेला पोतानुं काम यालु करेले छे. प्रभुञ्च आव्या पछी अमारा नाना-मोटा कंई पण problem डोय तो अे अधां प्रभुकृपामां मूकी दईअे छीअे. तो अेमां धणुं सारुं लागे छे. पेला अेम लागतुं उतुं के उवे शुं थशे ? शुं करशुं ? अने पेला तो षोटा विचार आवे पण उवे अेवुं नथी थतुं. उवे तो अेवुं ज विचार आवे छे के आपण उडितमां उशे अे ज थशे. प्रभु छे अेटले मनमां उवे बहु शांति लागे छे. मारा छोकराओने पण सारुं लागे छे ने सांजे अमे अधां साथे मणीने आरती, मंगलदीवो करीअे छीअे. आवो परम सुभ परिवार मने मण्यो अेनो मने बहु आनंद थाय छे. अने आवो गुरुञ्च मण्यो, आवो सत्संग अने पर्युषण थयां अने अेमनी प्रेरणाथी आज्ञे मारा धरे स्वयं भगवान आवी गयां.

Thank You गुरुञ्च.

Thank You ! God Bless You All !

नमो जिज्ञासां

**प्रकुला राजेश देढिया - 8879363858**

2017 ना पर्युषण प्रसंगे में, श्री मुलचंद पासड अने श्री पीयुष मारुअे लीवंडी भाते स्थीत इेकटरी पारस प्लास्टीकमां श्री सीमंधर स्वामी भगवानने स्थापीत करेले छे.

भगवानश्रीना आगमन बाद अमो दरेकना प्रासंगिक तथा कौटुंबीक प्रसंगो निर्विघ्ने पार पडी गयेले. इेकटरीना स्टाइमां पण अेक अनेरो उत्साह जोवा भणतो उतो. इेकटरीना प्रत्येक मशीन निर्विघ्ने कार्यरत उता. श्री मुलचंदभाई भगवाननी कृपाथी पेरालीसीसना अेटेकमांथी सुभरूपे बहार आवी गया. मारा पुत्रनो लग्नप्रसंग सुभरूपे उजवाई गयो. येतनाभेन अने पीयुषभाई उजु वधु सारा गृहमां शीकृत थई गया. प्लास्टीक बंटीनी प्रतिकुण

स्थितिमां भगवाने अमने धीरज आपी अने समता आपी. भले त्रण मडिना इेकटरी बंध रड पण अमे सौ समतामां उता. इेकटरीनो अेक पण वर्कर इेकटरी छोडीने गयो नडी. धीरे धीरे अे प्रतिकुणतामांथी भगवाननी कृपाथी बहार आवी रखा छीअे. मारी प्रेरणा छे प्रत्येक धर / इेकटरी / ओईसमां आवो भगवाननी उाजरी डोवी जरुरी छे. जेथी अनुकुण अने प्रतिकुण परिस्थितिमां आपणो समतोल रडी शकीअे.

**Ramesh Savla - 9702016762**

The Mahavir Janma Mahotsav was an amazing experience. The explanation of 14 Swapna the story of Mahavir Janm - Trishla mata & Siddharth Raja looked like it was actually happening in front of my eyes. The depth & the bhav of every swapna & the anubhav was mesmerizing, can not explain that. I went into a trance, the way Guruji explained it was fantastic.

**Shweta Haria - 24010433**

Excellent performance by all members of Param Sukh & explanation given by P.Pu. Guruji Pankajbhai was very good & in my life first time I experienced total birth day of Mahavir Swami very good.

**Bhupendra A. Shah - 9819056560**

Simple way of leaving life is Paryushan over here. Positive and happy atmosphere changes life to full enjoyment and make it even more worth of living it joyously. In short makes happy & joyous to live in this world.

**Punkit Vora - 7798053461**

In last 37 years this is the first time I have attended 100% Mahavir Janma. Since I have attended all the Paryushan but I have not heard the Janma Vanchan properly due to noise in and around and Ghee boly was not understandable. This is first time I have heard 14 Swapna properly understood the meaning behind each swapna. Also, in my life I have never done full 9 days fasting may be for one day but here in Updhan I have done byasna (बीयासणु) for all 5 days and even for the next three daye i.e. all 8 days. Also, I have not done Updhan as it was very difficult to carryout which I had seen last year one of my relative for 45 days. This program completaly is very much best to understand the Paryushan and Pratikraman. I have never done Pratikraman in my life but here I am seeing it. This is going to change/Parivartan in

शुभेच्छक :

खुद ही खुद के चौकीदार बनो । (ये मन न जाने कब क्या करवा दे ।)





my life after attending this programme.

**Nilesh R. Shah - 9820019547**

My experience of Mahavir Janma Mahotsav over here is really very amazing.

One can actually feel that Lord Mahavir is really born now & the thrilling experience of "Dream Come True" of Trishlamata. Ambience, Atmosphere is very beautiful. It really touches your heart to feel Lord Mahavir as your soulmate.

In other words I can say this is simply a "Heaven".

**Manisha Doshi - 8779609173**

अमारा जवनमां आवुं पडेवुं पर्युषण उतुं. मडावीर जन्म मडोत्सवनी तैयारीओ जोता अने तेमां पण मडावीर स्वामीना जन्म वषते सिध्दार्थ राजा अने त्रीशवारानीना १४ स्वप्नो अने दरेक स्वप्ननी त्रिडाणपूर्वक रहस्यो दरेके दरेक स्वप्न आपणा जवनमां कांई समजवतुं होय अने अेवुं लागे के अरेअर मडावीर स्वामीने आपणो रमाडी रह्या छीअे.

**Nirmala C. Chheda - 9833036839**

ઉપધાન તપ એટલે અંદર અને બહારથી શુધ્ધિકરણ થઈ જાય છે. જે ત્રિપદી જે આપી છે તે નમો જિણાણં, મારે નથી થવું હેરાન, તમે ગમે એવા હો, I Love You. 7 પ્રભુકૃપા લેવાની 3 આપવાની. આવા મંત્ર, મૈત્રી એક સરખી કરવાથી mind માં બરાબર બેસી જાય છે. એમાં જે વિચરણ કરતા હતા ત્યારે અનંત જીવો સાથે મૈત્રી થતી હતી. આવી અદ્ભૂત મૈત્રી એટલે આપણું જીવન સરળ બની જાય છે.

**Minaxi D. Malde - 9930730113**

પૂ. સત્ ગુરુજી અમર રહો.

નમો જિણાણં.

10 વર્ષથી આ પરમ સુખ પરિવારમાં છું. દર વખતનું પૂ. સદ્ગુરુજીનો અનુભવ વિધવિધ હોય છે. એમને મુખે પ્રભુની જે વાણી વહી રહી છે તે અનુપમ છે પણ આ વખતનું મહાવીર જન્મ કલ્યાણકની જે અનુભૂતિ હતી આહા ! આનંદ સાથ મુક્તિના ભાવ ચાલતા હતા. નહીં તો ભાવ હોય ભક્તિ હોય પણ જ્ઞાનમાં જે તત્વ દર્શન મલ્યા માનો મુક્તિનો રસ્તો જ પ્રભુ બતાવી રહ્યા હતા. જેમ જેમ એમના (જન્મ) અવન કલ્યાણકનું વર્ણન ચાલી રહ્યું હતું તેમ તેમ એ દ્રશ્ય સાથે પ્રભુ વીરનું વીરત્વનું જે અનુભૂતિ થઈ માનો શૂન્યતામાં સર્વસ્વ હતું.

Thank You.

God Bless You All

I Love You All.

**વીણા વોરા - 8691020851**

## Scientific Pratikraman

This is my first time experience of Paryushan Parva in the nishra of Simandar Swami Bhagwan.

Motivating factor in changing our attitude towards others is what I achieved & learnt to gain happiness in my life.

Whatever I learnt being a jain since childhood was only the sutras but here I actually got to know meaning of sutra with clarity & how to apply in our practical day to day life.

Being instant process I could learn it fast & apply whenever needed.

Guruji gave me knowledge in the form of scientific process easily understood.

**Prinal Keyur Dedhia - 9833018128**

Special Thanks to Guruji for conducting such Scientific Practical Pratikraman. 99% of jain doesn't know what the real pratikraman is ! They just do timepass over there and some people just repeat the mantra at a very high speed but they don't know the meaning of mantra. But in Nammo Jinanam I came to know what's the real Pratikraman. Pratikraman means deleting good and bad emotions of any person, thing or situation. (વ્યક્તિ, વસ્તુ, પરિસ્થિતી)

The main highlight of Nammo Jinanam that it conducts Scientific Pratikraman which we can do everytime 24 x 7. Many people have a wrong belief that Pratikraman can be done only by jain people but the real truth is any person whether he's Muslim, Hindu or Jain can do this Scientific Pratikraman. It's ultimate experience that one should experience in his/her life.

**Daksh Amarshi Chhadva - 8097150990**

Scientific Pratikraman taught over here is very important for everybody to understand the actual meaning of "Pratikraman". Specially for youngsters who don't follow the rituals as they can't relate to so called "Vidhis & Kriyas" at all. The trigger points penetrate into our minds, which we put it into our system & make it a practice throughout our life in authentic Jainism.

**Manisha Doshi - 8779609173**



It felt very meaningful and peaceful. For the first time I actually understood certain meaning of our Pratikraman. It gave me an insight of what our religion say and how beautifully it can be part of your life.

Loved the Scientific Pratikraman. So glad to be introduced to it.

**Prerana Karnawat Nahar - 9829404400**

‘ॐ ह्रीं श्रीं श्री सीमंधर स्वामीने नमो नमः’

परम सुખ જીવન વિકાસ કેન્દ્ર - મુંબઈ દ્વારા જે પર્યુષણ મહાપર્વ જુહુ (પારલા)માં ઉજવાઈ રહ્યા છે તે ખરેખર બેનમૂન છે. ‘અદ્ભૂત, અકલ્પનીય, અવિસ્મરણીય છે.’

આ પર્યુષણ મહાપર્વમાં જે Pratikraman કરાવવામાં આવે છે તે Instant, Constant result oriented અને Totally Scientific પધ્ધતિથી કરાવવામાં આવે છે અને હું અતિશયોક્તિ ન કરતો હોઉં તો હું કહી શકું કે Pratikraman ના સ્તોત્રો અને ગાથાનો ડર દૂર કરતું આવું પ્રતિક્રમણ પૂરા World માં ક્યાંય થતું નથી અને Totally Result Oriented છે. આજના youngsters જે પ્રતિક્રમણથી અને ઉપાશ્રયોથી દૂર ભાગે છે તેઓ આ Divine Scientific Pratikraman કરશે તો તેમનો ડર દૂર થઈ જશે. દરેક Parents એ તેમના youngsters Boys/Girls ને આ પ્રતિક્રમણમાં મોકલવા જ રહ્યા.

હું આ માટે પ.પૂ. ગુરુદેવ શ્રી પંકજભાઈનો અને પરમ સુખ વિકાસ કેન્દ્રનો જેટલો આભાર માનું એટલો ઓછો છે.

**Prashant R. Shah - 9920393310**

The process of deleting & formatting is so strong, that it cleanses the body. I feel so light & just like a feather after the 1st Pratikraman. After each & every Pratikraman, I am trying to delete instantly at that very moment.

**Shweta Haria - 24010433**

શ્રી સીમંધર સ્વામીની ધારા શૈલીમાં વૈજ્ઞાનિક રીતે પ્રતિક્રમણની વિધી. અદ્ભૂત અનુભવ થયો. આટલા વર્ષો જે સૂત્ર મુજબ પ્રતિક્રમણ કરતાં અસલમાં જે ભાવવાહીક ધારામાં પ્રતિક્રમણ કરવાનો અનુભવ અનોખો હતો.

**Rajnikant C. Shah - 9221812276**

I have been coming here since many years it has always been a different and an unique experience. Removing the positive or negative thoughts about people, situation or objects has always helped me enhance my inner self. It gives me a fresh energy to see situations and people in a new way. The cleaning process

of your thoughts is the most beautiful activity. Nobody would have thought that we can do Pratikraman within a minute, while standing while doing any activity its the most wonderful process to have clear, clean, pure thought for anything. This experience truly makes a person feel divine.

**Nidhi Haria - 9769187791**

નમો જિણાણં

ગયા વર્ષ કરતા આ વખતનું પ્રતિક્રમણ અનોખું છે. ગુરુજીએ જ્ઞાન દ્વારા ખોલી નાખ્યા છે. સારી સમજણ આપી છે. શોર્ટકટમાં પ્રતિક્રમણ છે તે સમજાવ્યું. આજની પીઢીને આ જ જોઈએ છે. માટે મને આ જ રીત ગમી છે. જેટલી સમજણ લઈએ એટલી ઓછી છે. આમાં નમો ભાવ, અહોભાવ, શુદ્ધાત્મા ભાવથી કરીએ તો આપણી જીવન જીવવાની પધ્ધતિ બદલી જાય. બસ એજ.

નમો જિણાણં

**ઈન્દીરા આર. ગાલા - 8097286393**

નમો જિણાણં

પ્રતિક્રમણ એટલે શું? અમને એનો અર્થ ખબર ન હતી. અમો બધુ ક્રિયાથી કરતા હતા. સૂત્રનો શું અર્થ થાય તે પણ ખબર નથી. બીજા જેવી રીતે ક્રિયાઓ કરે તેમ અમો પણ એની સાથે જોડાઈ જતા. અહિંયા જત્તાએ જિવ્યામી જિણાણંદે આ ત્રણ શબ્દ પણ અમો બીજાની જેમ કરતા. પણ અહિંયા ગુરુજીના કહેવાથી જ્યારે આનો અર્થ સમજાવેલ ત્યારે ઘણું આશ્ચર્ય લાગેલ. આવી રીતે Scientific પ્રતિક્રમણ અને આપણા શાસ્ત્રોનો ગુઢ રહસ્યોથી જાણ થયા. અને હવે તો સહજ ભાવે પ્રતિક્રમણ અને દિવસની કોઈપણ ઘડીએ સામાયિક થઈ જાય છે. અને દરેક સાથે મૈત્રી ભાવ રાખવાનો આનંદ આવે છે.

**Nirmala C. Chheda - 9833036839**

નમો જિણાણં

પૂ. સત્તગુરુજી નમો નમઃ

મં મહાવીર જયંતિના દિવસે પ.પૂ. ગુરુજી સાથે જે પ્રતિક્રમણ કર્યું માનો સવારનો રસ્તો મળ્યો ને સાંજે એના પર નીકળવા આગળ પગ ભર્યા ને હળવું ફુલ થઈ ગયું શરીર - મન - ચિત્ત. અને ચિત્તમાં આનંદ આનંદનું અનુભવ આજ સુધી વહી રહ્યો છે ને કાલનો જે પરમાણુ તત્વ જગતનું દર્શન કરી પ્રતિક્રમણ ધર કરી ગયું. આ હા હા ! આ ઉપકાર પ્રભુ પરમાત્માનો આ કાલમાં પણ વર્તી રહ્યો છે ને અમારા જેવા ભૂખ્યા જીવોને મળી રહ્યું છે. ધન્ય ધન્ય પૂ. ગુરુજીનો જેમની કૃપા વગર આવો માર્ગ અનંત ભવો ન મળે. ધન્ય ધન્ય ધન્યવાદ. નમો જિણાણં.

**વીણા વોરા - 8691020551**



## 1) अरिहंत T.V. CHANNEL (हर रोज सुबह 8.20 और रात 11.40 बजे)

प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई के श्रीमुख से साक्षात् अरिहंत परमात्मा, तीर्थंकर परमात्मा की दिव्य वाणी सरल और सचोट शैली में अनुभव करके आनंद उठाने और जीवन में अद्भूत परिणाम पाने के लिए देखिए... हररोज सुबह 8.20 बजे तथा रात को 11.40 बजे ।

पुरे भारत में 3 करोड़ लोग (जैन-अजैन) लोकल केबल SET TOP BOX, VIDEOCON D2h तथा TATA SKY, AIRTEL के माध्यम से अरिहंत टी.वी. चैनल पर प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई की वाणी को ग्रहण करके अपने जीवन में अद्भूत परिणाम प्राप्त कर रहे हैं ।

हम सभी को इसी तरह यह अमृतरस मिलता रहे, इसके लिए अरिहंत टी.वी. चैनल पर प्रसारित हो रहे इस कार्यक्रम के आप सौजन्य दाता बन सकते हैं । आप का नाम जितने दिन का सौजन्य होगा उतने दिन प्रसारित किया जाएगा । अवश्य लाभ लें ।

संपर्क : 9322235233 / 9833133266

## 2) Science Of Divine Living नमस्कार महामंत्र योग शिबीर (Free Shibir) Alternate Sunday

आज के युग की सबसे बड़ी समस्या Tension, Stress, Depression – हरकोई हर वक्त परेशानी से घिरा रहता है फिर शारीरिक, मानसिक रोग के शिकार होते हैं । संबंधों में सुमेल नहीं रहता और न जाने क्या क्या । आपको इन सबसे बाहर निकालना है ? अपने जीवन को सार्थक करना है ? जीवन को लक्ष्मय बनाना है ? हमेशा आनंद में रहना है ?

तो आईए... इस मंत्रयोग की शिबीर में सपरिवार जुड़े और अपना और अपने परिवार का जीवन आनंदमय, मंगलमय बनाए । शिबीर की शुरुआत 23rd June 2019 (Alternate Sunday - Western Line)

30th June 2019 (Alternate Sunday - Central Line)

इस प्रकार की शिबीर का आयोजन आप अपने एरिया में करवा सकते हैं । आपकी भावना ऐसी शिबीर करवाने की हो तो अधिक जानकारी के लिए नीचे दिए हुए नंबर पर संपर्क करें ।

Contact : 9987503512

## 3) एक दिवसीय सामूहिक शक्ति आराधना श्री नवपद ज्ञान साधना With श्री सिद्धचक्र महायंत्र जाप पूजन अनुष्ठान

ता. 16 जून 2019 स्थल : लोनावाला

मुंबई के अलग अलग स्थानों से बस की व्यवस्था रखी गई है ।

सुबह 6.00 बजे मुंबई से प्रयाण होगा । रात 10.00 बजे तक मुंबई आगमन । जिसके पास परम सुख जीवन विकास केन्द्र के माध्यम से लिया हुआ श्री सिद्धचक्र महायंत्र है उनके लिए एक और अवसर आया है अपने यंत्र को Recharge करने का ।

जो लोग अपने घर या ऑफिस में ऐसा अद्भूत श्री सिद्धचक्र महायंत्र स्थापित करना चाहते हैं वह अभी अपना नाम दर्ज करवा लें ।

Contact : 9987503512

## 4) गुरुपुर्णिमा – ता. 16th July 2019

प.पू. गुरुदेव के प्रति अपना अहोभाव व्यक्त करने का दिन ।

गुरु एक तत्व है, व्यक्ति विशेष नहीं । हमें तत्व को पकड़ना है । लेकिन आज के युग में गुरु व्यक्ति स्वरूप बहुत ही जरूरी है । जिस गुरुदेवने हमें हर क्षण मार्गदर्शन दिया, जहाँ हम अटक गए, मायूस हुए वहाँ हर पल हमारे साथ रहे । हमारे जीवन को नई दिशा दी । जीवन जीना सिखाया । ऐसे महान सद्गुरु के प्रति हमें तहे दिल से अहोभाव व्यक्त करना है । हमें अपने आपको समर्पित करना है । अवश्य सभी पधारें । गुरुपूणिमा को अति विशेष बनाए ।

समय और स्थल की जानकारी SMS, Whatsapp द्वारा दी जाएगी ।



## 5) स्वतंत्रता दिन – 15 अगस्त 2019

स्व को स्वतंत्र बनाने का आरंभ दिन । खुद की स्वतंत्रता का ध्वज लहाराने अवश्य सपरिवार पधारें ।  
(समय और स्थान की जानकारी SMS, Whatsapp द्वारा दी जाएगी ।)

## 6) श्री कृष्ण जन्मोत्सव – ता. 23 अगस्त 2019

Negative का अंत और Positive का जन्म । (समय और स्थान की जानकारी SMS, Whatsapp द्वारा दी जाएगी ।)

## 7) Divine Scientific Practical सम्यक् पर्युषण अनुभवधारा 2019

ता. 26 अगस्त 2019 से ता. 3 सप्टेंबर 2019 स्थल : ऋतुंभरा कॉलेज, जुहू, विलेपार्ले, मुंबई ।

## 8) श्री आसो नवरात्री शक्ति आराधना श्री नवपद ज्ञान साधना With श्री सिद्धचक्र महायंत्र जाप पूजन अनुष्ठान

ता. 29 सप्टेंबर 2019 से ता. 13 अक्टोबर 2019

## 9) भगवान महावीर की अंतिम वाणी Non-Stop 48 Hours देशना, जिनमार्ग Trekking

ता. 24 अक्टोबर 2019 से ता. 3 नवंबर 2019

## 10) उपध्यान श्रेणी 1 & II और दिव्य जीवन मुक्ति माला महोत्सव (18 Days) Dec. 2019

उपासक और साधक दशा में स्थिर होने का योग – उपधान श्रेणी जीवन Training.

डिसेम्बर महिने में 18 दिन (9 + 9) की उपधान श्रेणी की साधना का आयोजन प.पू. गुरुदेव श्री पंकजभाई के सानिध्य में होने जा रहा है ।

## 10) उत्सव सत्संग (समय : शाम 7.30 से 10.30)

अरिहंत मेले में जीवे जीवे अरिहंत नाद गजाने के बाद अब हर घर में, हर जन में अरिहंत नाद गूंजे और सभी प्रभुवत्सल अरिहंत परमात्माने बताए हुए मार्ग पर चले ऐसी दिव्य भावधारा के साथ उत्सव सत्संग ने एक नया स्वरूप धारण किया है । हमारे सभी शिबीरार्थियों, सत्संगियों और सेवकों और सभी के घर पर उत्सव सत्संग Celebration.

“जीवे जीवे अरिहंत नाद घर घर – जन जन में भगवान श्री सीमंधर स्वामी की दिव्य वाणी प.पू. गुरुदेव के श्रीमुख से ।”

सोने पे सुहागा... सत्संगियों के BIRTHDAY और MARRIAGE ANNIVERSARY Celebration, Monthly Theme अनुसार जाप... ! सत्संगियों के जीवन की व्यक्तिगत समस्याओं का पूर्ण रूप से निराकरण... ।

आप सभी को ऐसे दिव्य उत्सव सत्संग का लाभ लेने का सप्रेम आमंत्रण... ! आइए... हम सब ऐसे दिव्य उत्सव सत्संग का लाभ लें और हमारा, हमारे परिवार का, अड़ोस-पड़ोस का, सगे-संबंधीओं का, मित्रों का... सबका मंगल करें । प्रभु की हाजरी में... प्रभु के साथ जुड़ जाए । आप सभी को ऐसे दिव्य उत्सव सत्संग अपने घर पर करवाने के लिए आमंत्रण है । जिन्हें भी ऐसे दिव्य सत्संग करवाने की भावना हो, अवश्य नीचे दिए हुए Phone नंबरों पर Contact करें ।

**9987503512 / 9820944517 / 9820933647 / 9930765652**

## 11) परम सुख 24 x 7 HELPLINE No. 09920202756

जीवन की किसी भी समस्या के उपाय के लिए 24 घंटे की HELP LINE सेवा पर सिर्फ एक **Missed Call** करें – **No. 9920202756. WHATSAPP No. 9920203965** आप अपने मोबाइल में Save कर लें और अपना नाम, Area और नंबर लिखकर message भेज दें ताकि आप रोज पू. गुरुदेव की दिव्य वाणी Audio और Video स्वरूप में सुन सकें और आने वाले Programme Updates भी आपको मिलते रहें ।



Continued from Magazine 42 & 43....

### CONCEPT OF SEVA SHOWN BY MAHAVIRA :

Lord Mahavira in Acaranga Sutra has shown how one should Love & take care while living day to day life and it is the role of human being (most evolved being in this Universe) who should not only take care of all other living beings but go out of way and help all living beings and human beings. Human being should structure his life style i.e. Thoughts, Words & Action such that it is full of Attitude of Love, Help, Share & Care. Because of this ingraining done by Jain Sages, Mahatmas, Sadhus, Munis Today also in general those who are born in Jain Families these qualities are variable because of which Jain community is one of the biggest contribution in all social cause of world inspite of being the smallest community in terms of populations.

### PROCESS OF SEVA :

शिवमस्तु सर्व जगतः परहित निरता भवंतु भूतगणाः

दोषा प्रयांतु नाशनम् सर्वत्र सुखी भवतु लोकः

Welcome & Receive all Humans Objects, Situations, Jivas & Parmanus by Mantra "Namo Jinanam" (नमो जिणाणं) bow to God within all of them and beg to give you an opportunity to serve them because it is the best way to remove all Thought, Word & Action impurities from life. Leading to freedom from veils of Karma and Grace all Living & Non Living entities with BLISS in their existence. This is the nature of Seva prescribed by Lord Mahavira for Liberation & Salvation.

Now how this SEVA can be implemented in day to day life of human beings.

(A) All the duties performed by Human being in day to day life should be done with **Reverence of Seva and non essential duties. This Attitude of reverence of Action converts duty in Seva** leads to liberation. For eg. Everyone performs duties to run the family, house, company, business, social organization, nation, administration. All this activities to be performed as opportunities given by God to liberate ourselves from veils of Karma leading to Godhood (Kaivalya).

Every act of human life has to be performed as reverence of God (नमो जिणाणं) .

### **(B) Five Types of Seva :**

- (1) **Tana Seva** : Give 10% of your life's time (Day's time, Week's time, Month's time) to others without any expectations and reverence to God.
- (2) **Mana Seva** : Those people who are doing this type of Seva just appreciate by heart without attitude of finding fault in their activities.
- (3) **Dhana Seva** : Contribute minimum 10% of our earnings, saving to uplift others Monetarily or help them in crisis. Contribute to all social, spiritual, Religious causes.
- (4) **Vacana Seva** : Talk such that your words become peace giving, enlightening and Motivating to others for their upliftment.
- (5) **Contact Seva** : Use your contacts to solve and remove difficulties, obstacles of others.



From the above concept of Seva shown by Lord Mahavira it can be complied how all the humangous problems of families, interpersonal relationships, social structure, house, housing societies, Nation, World and most important that the Human beings internal peace, happiness & prosperity will happen on it's own effortlessly.

### **CONCLUSION :**

We have seen how Mahavira has Scientifically explained the Constituents of Ecology and how these constituents interact with each other. The concept of 5 Internal & External Environments of human beings. How human being is the only culprit who disturbs his own internal ecology which is termed as violence by Mahavira. This turbulence of individual violence converts into wave of Mass violence in society, Country & World leading to disharmony and destruction for all.

As a solution to above Environmental / Ecological unbalance Mahavira has shown the definite Scientific Practical Path to overcome this short comings.

### **MAHAVIRA'S MESSAGE :**

He has told every human being to take the responsibility on self for whatever damage & destruction happening to himself and come out of 'Blame Game'. Hence he himself at his own level has to correct the deficiencies and come out of the damage & destruction. When all humans will act accordingly Balance of Ecology & Environment will follow automatically.

He has emphatically emphasized in his message, Love, Care & Share for all in heart and inculcating as habitual style is the only solution to all the problems in today's world.

To achieve the above solutions of Love, Care & Share in day to day life in all human beings. He has given following Scientific Softwares.

- (a) Jatna Marg
- (b) Science of Mantra Yoga
- (c) Science of Practical Pratikramana
- (o) Concept of Seva Shown by Mahavira

### **PERSONAL INVITATION :**

If you find above solutions of Mahavir logical and Scientific, I invite you all with open hearts to join the community of **PARAM ANAND PARIVAR** where all the Scientific principles of Mahavir are implemented purely Scientifically without any bias of Cast, Creed, Religion or Nation. Till date in last 10 years 5000 people have already joined this movement and we want at least 9 crore families to join this movement and make this world the Best Place to live in, Enjoy and achieve **Eternal Bliss**.

**NAMO JINANAM.**

**GOD BLESS.**



शुभेच्छः : दूसरों का आत्म-सम्मान बढ़ाने के लिए उनकी विशेषताओं का वर्णन करो । छोटी सी बात की भी प्रशंसा करो ।



गतांक (अंक 42+43) से चालु....

### भगवान महावीर की बताई हुई सेवा की व्याख्या ।

आचारंग सूत्र में महावीर भगवानने बताया है कैसे प्रेम और जतना द्वार इन्सान को स्वयं एवं सभी जीवों की मदद बिना किसी कारण करनी चाहिए । यह इन्सान की एक भूमिका है । इन्सान धरती पर विकसित प्राणी है । इन्सान की जीवनशैली i.e. विचार, वाणी और वर्तन, प्रेम, जतना एवं मदद और बँटने की वृत्ति वाली होनी चाहिए । साधु संत, महात्माओं में, मुनिओं में यह बात गहराई से दिखाई देती है । आज भी जैन परिवार के व्यक्तियों में यह गुण दिखाई देते हैं और इस कारण जैन समाज के सदस्य सबसे बड़े योगदान में गिने जाते हैं minority होते हुए भी ।

### सेवा की प्रक्रिया :

शिवमस्तु सर्व जगतः परिहत निरता भवंतु भूतगणाः

दोषा प्रयांतु नाशनम् सर्वत्र सुखी भवतु लोकः

सभी जीवों का स्वागत “नमो जिणाणं” कहकर इनमें रहे हुए परमात्मा को स्वीकारते हुए नतमस्तक उन सभी व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति, जीव एवं परमाणु को बिनती स्वरूप यह भाव करना चाहिए के वे हमें अपनी सेवा करने का मौका दें । यह सब से श्रेष्ठ मार्ग है सभी प्रकार के विचार, वाणी एवं वर्तन की मल्लीनता को निकालने का, कर्म से मुक्त होने का और स्वतंत्रता से सभी जीवों की कृपा और परमानंद पाने का । यह है सेवा का स्वरूप भगवान महावीरने बताया हुआ मुक्ति और निवारण के लिए ।

अब सेवा को अमल में कैसे लाना है नित्य जीवन में ।

(अ) सभी कर्तव्य सेवा में श्रद्धा से करने है । श्रद्धा वृत्ति कर्तव्य को सेवा में परिवर्तित करती है । और यही हमें परमांद तक ले जाता है । Eg. हम सभी कर्तव्य करते हैं घर चलाने, परिवार, व्यवसाय, सामाजिक संस्थाएँ, देश एवं नेतृत्व । यह सभी ईश्वर की दी हुई तक समझकर जब करते हैं तब हम अपने आप को कर्म के बंधन से मुक्त करते हुए कैवल्य प्राप्त होता है । जीवन का हर कार्य ईश्वर के प्रति श्रद्धा (नमो जिणाणं) भाव से करना चाहिए ।

### (ब) पाँच प्रकार की सेवा :

- (१) तन सेवा : हमें अपने दिन के 24 घंटों में से 10% समय दूसरों को उपयोगी होने में बिना किसी कारण देना चाहिए ।
- (२) मन सेवा : हमें मन से मात्र अनुमोदना करनी है । किसी की भी बुराई नहीं करनी है ।
- (३) धन सेवा : कमाई का 10% योगदान हमें सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक कार्यों में दूसरों को उपर उठाने के लिए देना चाहिए ।
- (४) वचन सेवा : हमारी वाणी ऐसी होनी चाहिए जिससे दूसरों को शांति, रास्ता मिले, प्रेरणा मिले ।
- (५) संबंध सेवा : हमारे contacts एक दूसरे को मददरूप हो ऐसे उपयोग में लाने चाहिए ।

भगवान महावीर द्वारा बताई गई सेवा से हम यह देख सकते हैं कि कैसे मनुष्य जीवन की सभी जटील समस्याएँ जैसे की पारिवारिक, पारस्परिक, सामाजिक, घरेलू, housing societies, देश, दुनिया और सब से महत्त्वपूर्ण आंतरिक शांति, खुशी और समृद्धि का उपाय सरलता से अपने आप हो सकता है ।

शुभेच्छः : हमें दो कान और एक मुँह दिया गया है, तो शायद इसका मतलब है कि हम जितना बोलते हैं उससे दुगना सुनें ।



### निष्कर्ष :

महावीर ने पारिस्थितिक constituents के बीच होने वाली बातचीत विज्ञानपूर्वक समझाई है । पाँच आंतरिक और बाह्य वातावरण की व्यख्या दी है । कैसे इन्सान स्वयं ही अपने अंदर की ecology को disturb करता है जिसे हिंसा बताया है । व्यक्तिगत अशांति ही सामुहिक हिंसा का स्वरूप लेते हुए समाज, देश और पूरे विश्व में असामंजस्य और विनाश फैलाता है । इसी असंतुलन और कमी से ऊपर उठने के लिए महावीरने सचोट वैज्ञानिक और व्यवहारिक मार्ग बताया है ।

### महावीर का संदेश –

भगवान महावीरने हरेक इन्सान को अपनी जिम्मेदारी लेने के लिए कहा है । किसी भी प्रकार के विनाश और क्षति के लिए आरोप लगाने से बाहर निकलना है । हर एक को अपने level पर अपने आप को correct करना है । सभी जीव यदि इस प्रकार का वर्तन करते है तो पारिस्थितिक संतुलन अपने आप हो जाएगा ।

प्रभावपूर्वक Love, Care & Share का संदेश देते हुए इसे एक आदत बनाकर जीवन की सभी समस्याओं का हल बताया है । और इसी की प्राप्ति के लिए (Love, Care और Share) के लिए वैज्ञानिक software भी दिया है ।

- (a) जतना मार्ग
- (b) मंत्र योग का विज्ञान
- (c) व्यवहारिक प्रतिक्रमण
- (d) सेवा की परिभाषा

### व्यक्तिगत आमंत्रण :-

यद्यपि आपको उपर बताया गए भगवान महावीर के solutions तार्किक और वैज्ञानिक लगते है तो मैं खुले दिल से आप सभी को परम आनंद परिवार में जुड़ने की प्रेरणा करता हूँ जहाँ भगवान के बताए हुए सिद्धांतों का अमलीकरण किया जाता है बिना किसी जाती, धर्म या देश पक्षपात से । पिछले 10 सालों में 5000 लोग इस आंदोलन में जुड़ चुके हैं और हमारी यह भावना है कि कम से कम 9 करोड़ परिवार जुड़े । इस विश्व को एक बेहतर जगह बनाकर जीने और enjoy करते हुए परमानंद प्राप्त करने के लिए ।

नमो जिणाणं

God Bless







## ૧. “કલ્પસૂત્ર” કેમ વાંચવું? કેવી રીતે વાંચવું?

જ. શાસ્ત્ર એટલે Operation manual અને પર્યુષણમાં હમણાં “કલ્પસૂત્ર” વાંચન ! સૌથી મોટું Operation manual “કલ્પ” એટલે ખબર છે? જેનાથી મારું મંગલ થાય, મારા પરિવારનું મંગલ થાય, મારા અડોસ-પડોસમાં જે વ્યક્તિઓ રહે છે એમનું મંગલ થાય, સૌ આ મંગલ ભાવનામાં રહે એને ‘કલ્પ’ કહેવાય. અને એનો manual એટલે કે શાસ્ત્ર, “કલ્પસૂત્ર”.

કલ્પસૂત્ર એટલે મારું મંગલ, તારું મંગલ, સૌનું મંગલ. એવો માર્ગ જેની અંદર બતાવવામાં આવ્યો છે એનું નામ છે ‘કલ્પસૂત્ર’. એનું વાંચન પણ એવાજ ભાવથી થાય. પણ આપણે શું કર્યું? Manual બન્યું એટલે વાંચન શરૂ કરી દીધું. સીધું ટાણે દરેક પાનું વાંચીને પુરૂ કરવું છે. કાંઈ મળવાનું છે આવા વાંચનથી? હમ્મ? આપણને સંતોષ થઈ જાય છે. સંભળાવવાવાળાને સંતોષ થાય. આખરે શું થાય આપણું? 'Zero'. તો અહીં આપણે દરેક ક્ષણ પોતાના જીવનને કેવું બનાવશું. દરેક Process થી, દરેક પ્રયોગથી. વાંચન અને શ્રમણ માત્રથી નહીં. યોગ એટલે અત્યારે જે આપ સાંભળી રહ્યા છો એનાથી આપનું connection થઈ રહ્યું છે. થઈ રહ્યું છે કે નહીં? હમ્મ! ભગવાનના માર્ગ સાથે, ભગવાનની વાણી સાથે connection થઈ રહ્યું છે. એને “યોગ” કહેવાય. હવે next stage is “ઉપયોગ”. ઉપયોગ એટલે જે ભગવાને બતાવ્યું છે તે મારા જીવનમાં implement કરવાની શરૂઆત. એનું નામ છે “ઉપયોગ”. I will make it a point. હું યાદ કરીને ભગવાને જે બતાવ્યું છે એ point by point, time by time પોતાના જીવનમાં ઉતારીશ. અને જેમ જીવન જીવવાનું શરૂ કરી દીધું સવારથી લઈને સાંજ સુધી જે જે કરી રહ્યો છું એની અંદર ભગવાને જે બતાવ્યું એનું ઉપયોગ કરવું, implementation કરવું.

## ૨. ભગવાનના અસ્તિત્વનું વિવરણ એક શબ્દમાં કેમ કરાય?

જ. આપણી આજુબાજુ જે કોઈ છે એ સૌને પ્રેમ કરો. પૂરા વિશ્વને મૈત્રીનો માર્ગ, પ્રેમનો માર્ગ શીખવાડતું જે માર્ગ છે એ છે જિનનો માર્ગ. ફક્ત પ્રેમ ઉપર જ વજન આપવામાં આવ્યું છે. પ્રેમ એટલે શું? Care, જતના. પ્રેમ તો હૃદયમાં રહે છે. અને દિલમાં કોઈ ઝાંકી શકે છે શું? હમ્મ! હું આપને પ્રેમ કરી રહ્યો છું કે નહીં કેમ ખબર પડશે? અથવા, આપ મને પ્રેમ કરો છો કે નહીં કેમ ખબર પડે? હમ્મ! આપણે પોતાની day to day life માં પ્રેમ કરીએ છીએ કે નહીં. શેના આધાર પર ખબર પડશે? હમ્મ! તું મારી માટે આ કર એટલે પ્રેમ. નહીં તો? દુશ્મની! આ શું છે? આપણી system આ જ છે ને? આપણું કહ્યું માની લીધું તો ‘પ્રેમ’ અને નહીં તો ‘તેરી કટ્ટી, મેરી કટ્ટી’. પછી જરૂરત પડે તો પાછા આવશું, જોશું ‘પ્રેમયોગ’. આજની તારીખમાં પ્રેમ આપણું ‘રોગ’ બની ગયું છે. રોગ કેમ બની ગયું છે? કારણકે આપણે પ્રેમના નામ પર સૌને બાંધવાની કોશિશ કરીએ છીએ. કેવી કોશિશ કરીએ છીએ? કેવું કરીએ છીએ આપણે? બીજાનું કહ્યું માની લીધું અથવા એને આપણું કહ્યું માની લીધું તો એ પ્રેમ. આ બંધન છે કે મુક્તિ છે? હમ્મ! બંધન છે ને? તો કેટલો સમય આ ટકી શકે છે? શું ટકી શકે? એનો પ્રયોગ આપણે કાલે કરીશું. પ્રેમ યોગ, ભક્તિ યોગ, મૈત્રી યોગ. કારણકે ભગવાનનું જે અસ્તિત્વ છે, અગર ભગવાનનું વિવરણ એક શબ્દમાં કરવામાં આવે તો કેવી રીતે કરશું? ભગવાનના અસ્તિત્વનું વિવરણ, explanation અગર આપણે કરવું હોય તો એક શબ્દમાં અથવા તો એક line માં કેવી રીતે કરી શકાય? કોઈપણ ભગવાન પાસે જઈ શકે છે? નાલાયક, નપાવટ, ખૂની, ચોર, ડાકુ, ડકેતી સૌ કોઈ જઈ શકે છે ભગવાન પાસે. તો આનો મતલબ શું થયું? ભગવાન બેવકુફ છે? પ્રેમથી ભરેલા છે. આપણે જેવા છીએ તેવા જ આપણે સ્વીકારી લે છે. અને આપણે આવું કરીએ છીએ? હમ્મ! જેમ છે તે સ્વીકારીએ છીએ?



કહ્યું માની લે તો આપણા. ન માને તો get out. દુશ્મની. બસ ! તો એ જે ભગવાનનું સ્વરૂપ છે, પ્રેમ સ્વરૂપ, જ્ઞાન સ્વરૂપ, આનંદ સ્વરૂપ, યોગ સ્વરૂપ. રોગથી જે મુક્ત છે એવા યોગી જે છે. કાલે આપણે સૌ આવા યોગી બનશું. સૌને કાલે યોગી બનાવી દેશું. બનવું છે કે નહીં?

### ૩. ભગવાનની હાજરીમાં સ્વને જોવાનું મૂળ કારણ શું છે ?

૪. આજની તારીખમાં આપણને પ્રેમરોગ લાગ્યો છે. યોગ નહીં. Infectious disease, Contagious disease. કોઈને પ્રેમથી છૂઓ ને તો ડર લાગે, શક આવે. આવે છે કે નહીં? હમ્મ ! જે સમયે શંકા આવી જાય આપણી અંદર, ખતમ. પુરું જીવન સત્યાનાશ. શંકા કરીને શું આપણે કદી એક બીજા સાથે જીવી શકીએ? પણ આપણે કરીએ છીએ શું? હમણાં અહીં બેસીને પણ ઘરવાળા શું કરતા હશે line ચાલુ છે ને બન્ને? Mobile ભલે બંદ હોય પણ મસ્તિશ્કની line ચાલુ. આ શું કરતા હશે? પેલા શું કરતા હશે? Office માં શું ચાલતું હશે? અહીં શું ચાલતું હશે? ત્યાં શું ચાલતું હશે? પત્ની શું કરતી હશે? મારો વર શું કરતો હશે? મારા છોકરાઓ શું કરે? આ બધું ચાલે છે કે નહીં? હા, internet ! Data management ચાલુ છે. બસ ! તો અહીં પર્યુષણમાં આવને બાહરથી cut off થશું તો આ બધા process કરવાનો મોકો મળશે અને આ બધા process કરશું તો સફળતા મળશે. એક સફળતા મળશે, બે વસ્તુ મળશે. શરીર રોગ મુક્ત થશે. પહેલી સફળતા મન ચિંતા મુક્ત થશે. બીજી સફળતા ધન આપોઆપ ટપકસે. એની પાછળ દોડવું નહીં પડે. Formula બતાવીસ હું દાન પ્રાપ્તિની. પણ મારુ કહ્યું માનવું પડશે. હા ! હું કહું તેમ કરવું પડશે. તો નવ દિવસમાં પૂરો ચમત્કાર. જેને આવવું હોય બોલાવી લેજો. આજે બપોરે જ ફોન કરીને. અહીં તો બહુ જલસા છે. આવી જાઓ. હમ્મ ! સ્વામીવાત્સલ્ય વરસી રહ્યું છે. જોરદાર હમ્મ ! ભાવના અને પ્રભાવના. બધાની હાથે પ્રભાવના આવી ગઈ ને? હમ્મ ! ઉપયોગ

કરજો હં. આપવાવાળાએ એવા હૃદયથી આપ્યું છેક સાંભળવાવાળાના જીવનનું કલ્યાણ થાય. કાનમાં ગુંજારો થાય. ભગવાનની વાણી, ભગવાનના મંત્રનું, ભગવાનના સ્વરોનું, ભગવાનના સૂરોનું અને અંદર કંઈ ચેતના પ્રકટે, જ્ઞાન પ્રકટે અને જીવન પ્રેમમય બને, જીવન સફળ બને, સુકૂનવાન બને આજ હેતુ છે આપણા પર્યુષણનું. સ્વને જોવાનું મૂળ કારણ શું છે? જ્યારે ભગવાનની હાજરીમાં આપણે સ્વને જોઈએ છીએ ત્યારે અલગ વાત થઈ જાય છે કારણકે ભગવાન આપણી સહાયતા કરે છે.

### ૪. ભગવાન સાથે “પ્રેમ યોગ” કરવાથી શું થશે ?

૪. હવે સમજમાં આવે છે ભગવાન કેમ આપણી વચ્ચે બેઠા છે? અને ઘરે લઈ જાઓ તો life after life. આ બધા ભગવાન ઘરે લઈ જવા માટે આવ્યા છે. આપનું દિલ થઈ જાય, પાંચ મિનીટ દર્શન કરજો. આંખોથી આંખો મળી ગઈ, હમ્મ ! એટલે કામ થઈ ગયું. અને કામ થઈ ગયું એટલે જીવન આબાદ થઈ ગયું. આ જીવન નહિ આવતા જેટલા જીવન છે એટલા. જ્યાં સુધી આપણે પોતે ભગવાન ન બનીએ ત્યાં સુધી ભગવાને આ guarantee લીધી છે કે આપ પણ મારા જેવા ન બનો ત્યાં સુધી હું આપની સાથે છું. So, are you ready? તો આપણે આવું કાર્ય કરવાનું છે. આ નવ દિવસમાં ભગવાન સાથે “પ્રેમ યોગ”. ભગવાન સાથે જે પ્રેમ કરે છે મુક્ત બની જાય છે. એ બિનદાસ થઈ જાય છે. કારણ કે ભગવાન એની રક્ષા દરેક ક્ષણ કરે છે. દરેક ક્ષણ ભગવાન જેની સાથે રહેશે એની રક્ષા પણ થશે અને એનો રસ્તો પણ ખુલશે. શરીર રોગથી મુક્ત થશે. મન ચિંતાથી મુક્ત થશે. ધન યોગ પોતાની મેળે પ્રકટ થતું જશે અને પરિવાર યોગ એટલે આપણાં સંબંધ જેટલા પણ સંબંધ છે, પરિવારના સંબંધ, અડોસ-પડોસના સંબંધ, સગા-સંબંધી, કામકાજના સંબંધ, નોકરી-ચાકરીના સંબંધ, બધા સંબંધ અદ્ભૂત બનશે.



## ૫. Negativity કેવી રીતે દૂર કરવી ? શું ભાગ્ય બદલી શકાય ?

જ. આપણી energy is basically energy. શક્તિ,  $E = mc^2$  આ Einstein ની Formula છે. Scientific way થી આજના યુગની અંદર અને **energy never gets destroyed. It only gets transformed.** આ આજનું વિજ્ઞાન કહે છે. અને આપણી આર્ય પરંપરા શક્તિ આરાધનાની અંદર આપણે આજ કરીયે છીએ. કે, નકારાત્મક શક્તિ એ શક્તિ જ છે. જેની અંદર વધારે negativity છે ને એની અંદર, powerful negativity જેની અંદર છે એ powerful positive નહીં, powerful છે આ ઈતિહાસ બતાવે છે. જુઓ, કે કેટલા મોટા મોટા ડાકુ, ગુંડા આ તે હતા, મવાલી એ બધા જ્યારે આ માર્ગમાં આવે છે ત્યારે તેમનું કલ્યાણ પણ એટલાજ speed થી થાય છે કારણ કે they have just changed the direction of the force. That's all. From negative, આસુરી શક્તિઓથી એનો સાત્વિકની ઓર direction થઈ ગયું છે, બસ. આ પૂરી આરાધના, આપણી શક્તિ, છ દિવસની આરાધનાનું role એકજ છે કે જે નકારાત્મકતા છે, કાલી માં છે, શંકા, ભય, ચિંતા, ઘર્ષણ આ બધું બાજુ પર મૂકી, આ બધુ બાજુ પર મૂકી આપણે establish થવાનું છે. શેમાં ? દિવ્યતામાં. Positive માં નથી થવાનું. બરાબર ધ્યાનથી સાંભળજો. This aradhana is for divine energy. There is a very big difference between negative and positive energy. જેમ કે સ્ત્રી અને પુરુષ. તો પછી difference જે છે, actual difference જે છે એ છે. Negative and divine. Divine is natural. Negative and positive energy is called by the subject. Subject એટલે આપણે. વ્યક્તિ, વસ્તુ, પરિસ્થિતિ. વ્યક્તિ નિર્માણ કરે છે એની energy. બે પ્રકારથી નિર્માણ થાય છે energy. એક પૂર્વ કર્મ જનીત એટલે કે જે આપણે store કરી છે data bank ની અંદર. Hard disk ની અંદર. Energy store કરી છે એ release થાય છે. દર શ્વાસમાં release

થાય છે energy. જેને શાસ્ત્રિય ભાષામાં ઉદય કર્મ કહેવાય છે. એ બીજું કંઈ નથી. ઉદય કર્મ એટલે release of matured energy. એટલે કે fixed deposit માં જે amount મુક્યું છે એની maturity થાય છે. તો એ energy છે. હવે fixed deposit માં જે પૈસા મુક્યા છે તે શું આપના કામના છે ? Dormant છે. જ્યારે બાહર આવે ત્યારે આપ કંઈ પણ કરી શકો છો ને ? સમજ્યા 10 લાખની આપની fixed deposit છે. બેંક માં પડ્યા છે. શું ફાયદો ? કંઈ નહીં. જે દિવસે બાહર આવસે ત્યારે આપ શું શું કરી શકો છો ? સમજમાં આવે છે ? So that is also energy. Similarly આપણી અંદર આ જે energy છે બે પ્રકારે છે. One is stored energy. જેને આપણે કાર્મણ બેંક કહીએ છીએ. જેન પરિભાષામાં એને કાર્મણ શરીર કહેવાય છે. Vedic પરંપરામાં તો કારણ શરીર કીધું છે. શરીર બીજું કંઈ નથી, it is stored energy. In whatever form we have stored it is there lying dormant. જ્યારે એનો ઉદય થાય એટલે maturity period આવે ત્યારે energy બાહર આવે છે. તો આપણા જીવનમાં પણ આપણે જેને ભાગ્ય કહીએ છીએ એ ભાગ્ય બીજું કંઈ નથી પણ stored energy છે. શું છે ? Stored energy છે જે આપણે એકત્રિત કરી છે ભૂતકાળમાં પૂર્વ સંસ્કાર, પૂર્વ કર્મ કહેવાય છે. બીજું કંઈ નથી. That is all nothing but stored energy. હવે દરેક શ્વાસમાં એ stored energy બાહર આવે છે, realise થાય છે. પરિણામ આપે છે. એ એનું પરિણામ ભૂતકાળ પ્રમાણે આપે છે. Now, પુરુષાર્થ ક્યાં આવ્યો ? Aradhana કોને કહેવાય ? Aradhana એને કહેવાય છે..... એ stored energy જ્યારે અંદરથી બાહર આવે છે ત્યારે શું કરવાનું છે ? આ આરાધના શું કરાવે છે ? જાગૃતિ આપે છે. જાગૃતિ, alertness, awareness આપે છે. અને અગર આપણે alert અને aware થઈ જઈએ than there is possibility of changing the direction.

નમો જિજ્ઞાણં.



શુભેચ્છક : हम जितना औरो को लाभ पहुचाएंगे उतना ही हमारा भला होगा । लाभ शब्द को उलट दो तो भला ही होता है ना ।



१. “कल्पसूत्र” पढ़ना क्यों है ? कैसे पढ़ें ?

ज. शास्त्र याने operation manual. और पर्युषण में अभी कल्पसूत्र वांचन सबसे बड़ा operation manual है । “कल्प” याने ? मालूम है ? जिससे मेरा मंगल हो, मेरे परिवार का मंगल हो, मेरे आसपास जो लोग है उनका मंगल हो, सब इस मंगल भावना से रहें उसे “कल्प” कहते है । और उसका manual याने, शास्त्र । “कल्पसूत्र” । कल्पसूत्र याने मेरा मंगल, तेरा मंगल, सबका मंगल हो ऐसा मार्ग जिसके अंदर बताया गया है । उसका नाम है “कल्पसूत्र” । इसका वांचन भी ऐसे ही भाव से होता है । लेकिन हमने क्या किया ? Manual बनाया वैसे ही पढ़ाई शुरू हो गई । सीधे टाक । हर पन्ने को पढ़के खतम करना है । कुछ मिलने वाला है क्या ऐसे वाचन से ? हम्म ! हमको संतोष हो जाता है । सुनाने वाले को संतोष होता है । अंत में हमारा zero ! तो यहाँ हम हर क्षण अपने जीवन को कल्प बनाएँगे । क्या बनाएँगे ? हाँ ! हर क्षण अपने जीवन को कल्प बनाएँगे । हर process से, हर प्रयोग से । वांचन और श्रवण मात्र से नहीं । योग, उपयोग और प्रयोग यह तीन प्रक्रिया होंगी । योग याने आप अभी जो सुन रहे हो उससे आपका connection हो रहा है । हो रहा है कि नहीं ? हम्म ! भगवान के मार्ग के साथ, भगवान की वाणी के साथ connection हो रहा है । उसे “योग” कहते है । अब next stage is “उपयोग” । उपयोग याने जो भगवान ने बताया है वैसे मेरे जीवन में implement करने की शुरुआत करूँगा । उसका नाम है “उपयोग” । I will make it a point. मैं याद रख के भगवान जो बता रहे है उसको point by point, line by line अपने जीवन में उतारूँगा । और जैसे जीवन जीना शुरू कर दिया, सुबह से लेकर शाम तक जो जो कर रहे है उसके अंदर भगवान ने जो बताया है उसका implementation करना, इस्तेमाल करना ।

२. भगवान के अस्तित्व को एक शब्द में कैसे explain करेंगे ?

ज. हमारे आसपास जो है सब को प्रेम करो । पूरे विश्व को मैत्री का मार्ग, प्रेम का मार्ग सिखाने वाला जो मार्ग है वह जिन का मार्ग है । मात्र प्रेम के ऊपर ही वजन दिया है । प्रेम याने क्या ? Care, जतना । प्रेम तो दिल में रहता है । और दिल में कोई झाँक सकता है क्या ? हम्म ! हम आपको प्रेम कर रहे हैं कि नहीं कैसे पता चलेगा ? या, आप हमको प्रेम कर रहे हैं कि नहीं कैसे पता चलेगा ? हम्म ! हम अपनी day to day life में प्रेम करते हैं कि नहीं किस आधार पर पता चलेगा ? हम्म ! तु मेरे लिए यह कर तो प्रेम, नहीं तो दुश्मनि । यह है क्या ? हमारा system यही है न ? हमारा कहा मान लिया तो – ‘प्रेम’ और नहीं तो – ‘तेरी कट्टी, मेरी कट्टी’ । फिर जरूरत पड़ी तो वापस आएँगे, देखेंगे । “प्रेम योग” आज की तारीख में प्रेम हमारा ‘रोग’ बन गया है । रोग क्यों बन गया है ? क्योंकि हम प्रेम के नाम पर सबको बाँधने की कोशिश करते है । कैसे कोशिश करते है ? कैसे करते है हम लोग ? दूसरे का कहा माना या उसने अपना कहा माना तो यह प्रेम । यह बंधन है कि मुक्ति है ? हम्म ! बंधन है न ? तो कितने time यह टिक सकता है ? क्या टिक सकता है ? उसका प्रयोग हम कल करेंगे । प्रेम योग, भक्ति योग, मैत्री योग । क्योंकि भगवान का जो अस्तित्व है, अगर भगवान का विवरण एक शब्द में किया जाय तो कैसे करेंगे ? भगवान के अस्तित्व का विवरण, explanation अगर हमें करना है, तो एक शब्द में या एक line में कैसे कर सकते है ? कोई भी भगवान के पास जा सकता है ? नालायक, नफावट, खूनी, चोर, डाकु, डकैत सब कोई जा सकते है भगवान के पास । तो उसका मतलब क्या हुआ ? भगवान बेवकूफ है ? प्रेम से भरे हुए है । हम जैसे है वैसे हमको स्वीकार लेते है । और हम ऐसा करते है क्या ? हम जैसे है वैसे ही स्वीकारते है क्या ? कहा मानेगा तो अपना । नहीं मानेगा तो get out. दुश्मनि । बस ! तो वो जो



भगवान का स्वरूप है, प्रेम स्वरुपा, ज्ञान स्वरुपा, आनंद स्वरुपा, योग स्वरुपा । रोग से जो मुक्त है ऐसा योगी जो है । कल हम ऐसे योगी बनेंगे । सब को कल योगी बना देंगे । बनना है की नहीं ?

### ३. भगवान की हाजरी में खुद को देखने का मूल कारण क्या है ?

ज. आज की तारीख में हमें प्रेम का रोग लगा है । योग नहीं । Infectious disease, Contagious disease. किसी को प्रेम करके छूओ न तो उसे भय लगता है, डर लगता है, शंका आती है । आती है कि नहीं ? हमम् ! जिस समय शंका आ गई हमारे अंदर, खतम । पूरा जीवन सत्यानाश । शंका रखके क्या हम कभी भी एक दूसरे के साथ जी सकते है ? लेकिन हम करते है क्या ? अभी भी यहाँ बैठे हे लेकिन घरवाले क्या करते है, line चालू है न दोनों ? Mobile भले ही बंद हो लेकिन दिमाग की line चालू । ये क्या करता होगा, वो क्या करता होगा ? Office में क्या चलता होगा । इधर क्या चलता होगा । उधर क्या चलता होगा ? बिबी क्या करती होगी ? मेरा मर्द क्या करता होगा ? मेरे बच्चे क्या करते होंगे ? यह सब चालू है कि नहीं ? हाँ, internet ! Data management चालू है । बस । तो यहाँ पर्युषण में आकर बाहर के जीवन से cut off होंगे तो यह सब process करने का मौका मिलेगा । और यह process करेंगे तो सफलता पाएँगे । एक सफलता मिलेगी, दो चीज़ मिलेगी । शरीर रोग मुक्त होगा । पहली सफलता । मन चिंता मुक्त होगा । दूसरी सफलता । धन अपने आप टपकेगा । उसके पीछे दौड़ने की जरूरत नहीं है । Formula बताऊँगा मैं धन प्राप्ती का । लेकिन मेरा सुनना पड़ेगा । हाँ ! मैं बोलु ऐसा करना पड़ेगा । तो नौ दिन में सब चमत्कार । जिसको आना है सबको बुला लेना । आज दोपहर से ही । Phone करके । यहाँ तो बहुत जलसे है । आ जाओ । हमम् ! स्वामीवात्सल्य बरस रहा है जोरदार । हमम् !

भावना और प्रभावना ! सबके हाथ प्रभावना आ गई न ? हमम् ! उपयोग करना हं । देने वाले ने ऐसे दिल से दिया है कि सुनने वाले के जीवन का कल्याण हो । कान में गूँजे । भगवान की वाणी । भगवान के मंत्र का, भगवान के स्वर का, भगवान के सूर का, और अंदर कुछ चेतना प्रकटे, ज्ञान प्रकटे और जीवन प्रेममय बने, जीवन सफल बने, सुकूनवाला बने यही है मकसद हमारे पर्युषण का । खुद को देखने का मूल कारण क्या है ? जब भगवान की हाजरी में हम खुद को देखते है तो बात अलग हो जाती है । क्योंकि भगवान हमें सहायता करते है ।

### ४. भगवान संग “प्रेम योग” करने से क्या होगा ?

ज. अब समझ में आया भगवान क्यों आप के बीच बैठे है । और घर ले जाओगे तो life after life. यह सब भगवान घर ले जाने के लिए आए है । आपका दिल हो गया, पाँच मिनट का दर्शन करना । आँखों से आँखे मिल गई, हमम् ! तो काम हो गया । और काम हो गया तो जीवन आबाद हो गया । ये जीवन नहीं । आने वाले जितने जीवन है । जब तक हम खुद भगवान न बनें तब तक यह भगवानने guarantee ली है कि आप मेरे जैसे न बनो तब तक मैं आपके साथ हूँ । so, are you all ready? तो हमें एसा कार्य करना है यह नौ दिन में । भगवान के साथ “प्रेम योग” । भगवान के साथ जो प्रेम करेगा वो मुक्त बन जाएगा । वो बिनदास हो जाएगा । क्योंकि भगवान उसकी रक्षा हर क्षण करेंगे । हर क्षण भगवान जिसके साथ रहेंगे उसकी रक्षा भी होगी और उसका रास्ता भी खुलेगा । शरीर रोग से मुक्त होगा । मन चिंता से मुक्त होगा । धन योग अपने आप प्रकट होना शुरू हो जाएगा और परिवार योग याने हमारे संबंध । जितने संबंध है, परिवार के संबंध, अडोस पडोस, सगे-संबंधी, काम-धंधे के संबंध, नौकरी-चाकरी के संबंध । सारे संबंध अद्भूत बनेंगे ।



## ५. **Negativity** कैसे दूर करें? क्या भाग्य बदला जा सकता है?

ज. हमारी energy is basically energy. शक्ति  $E = mc^2$  यह Einstein की formula है Scientific way से आज के युग के अंदर । And energy never gets destroyed. It gets transformed. यह आज का विज्ञान कह रहा है । और हमारी आर्य परंपरा शक्ति आराधना के अंदर हम यही करते है । कि नकारात्मक शक्ति वो शक्ति ही है जिसके अंदर ज्यादा negativity है न उसके अंदर, powerful negativity जिसके अंदर है वह powerful positive नहीं, powerful, हं.... । इतिहास बता रहा है देखो कि जितने बड़े बड़े डाकू, गुंडे यह-वह थे, मवाली, वह जब इस मार्ग में आते है तो उसका कल्याण भी उतनी ही speed से होता है क्योंकि they have just changed the direction of the force. That's all. From Negative, आसूरी शक्तियों से उसका सात्विक कि ओर direction हो गया बस । यह पूरी आराधना हमारी शक्ति, छह दिन की आराधना का role एक ही है कि जो नकारात्मकता है, काली माँ है, शंका, भय, चिंता, घर्षण इन सबको हटाकर, इस सबको हटाकर हमें establish होना है । किसमें? दिव्यता में । Positive में नहीं होना है । बराबर ध्यान से सुनना । This aradhana is not for positive energy. This aradhana is for divine energy. There is a very big difference between negative and positive energy. जैसे कि स्त्री और पुरुष । तो फिर difference जो है, actual difference जो है वह है negative and divine. Divine is natural. Negative and positive energy is created by the subject. Subject याने हम । व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति । व्यक्ति निर्माण करता है अपनी energy. दो प्रकार से निर्माण होती है energy. एक पूर्व कर्म जनीत याने कि जो हमने store की है data bank के अंदर । Hard-disk के अंदर energy store की है । वो release होती है । हर साँस में release होती है energy. जिसे

शास्त्रिय भाषा में उदय कर्म कहते है । वो कुछ नहीं है । उदय कर्म याने release of matured energy. याने कि fixed deposit में जो amount डाला है उसकी maturity होती है तो वो energy है । अभी fixed deposit में पैसा डाला तो वह आपके काम का है क्या? Dormant है । जब बाहर आएगा तो आप कुछ भी कर सकते हो न? समझो 10 लाख की आपकी fixed deposit है । Bank में पड़ा है । क्या फायदा? कुछ नहीं । जिस दिन वो बाहर आया तो आप क्या क्या कर सकते हो । समझ में आया? So that is also energy. Similarly, हमारे अंदर यह जो energy है, दो प्रकार की है । One is stored energy. जिसे हम कर्मण Bank कहते है जैन परिभाषा में और कारण शरीर कहते है वेदिक परंपरा में । तो कारण और कर्मण शरीर और कुछ नहीं है । it is a stored energy. Whatever form we have stored it is there lying dormant. जब उसका उदय याने maturity period आता है तो energy बाहर आती है । तो हमारे जीवन में हम जिसे भाग्य कहते है वो भाग्य और कुछ नहीं है लेकिन stored energy है । क्या है? Stored energy है जो हमने इकट्ठी की है भूतकाल में । पूर्व संस्कार, पूर्व कर्म कहते है । और कुछ नहीं है । That is all nothing but stored energy. Now हर साँस में वो stored energy बाहर आती है, realise होती है । परिणाम देती है । वो अपना परिणाम भूतकाल के हिसाब से देती है । Now, पुरुषार्थ कहाँ आया? Aradhana किसे कहते है? Aradhana इसे कहते है, उस energy, जब energy अंदर से बाहर आती है तब हमें क्या करना है? यह aradhana हमें क्या कराती है? जागृती देती है । जागृती, alertness, awareness देती है । और अगर हम alert और aware हो गए then there is possibility of changing the direction.

नमो जिणाणं ।



ગતાંકથી ચાલુ....

નમો જિણાણાં.

હવે આપણી પાસે 15 મિનિટ છે personal satsang માટે. હવે સૌથી પહેલાં પ્રશ્નોત્તરી. કંઈ છે question? કંઈ નહીં હોય. Practice કરો તો હોય ને. હા, દીપાબેનને છે. ઘણાને પ્રશ્ન લખવામાં શરમ આવતી હોય, અરે બોલવામાં શરમ આવતી હોય તો લખીને આપી દેવાના. કારણ કે તમારો પ્રશ્ન એ તમારો નથી. પ્રશ્ન ભલે તમારો હોય પણ એ બધાનો હોય છે. એટલે તમે એમ નહીં સમજતાં આ મારો personal પ્રશ્ન છે. તમે જે અડચણમાંથી પસાર થાવ છો એવી અડચણ લગભગ બધાને હોય છે.

**પ્રશ્ન :** રોજબરોજની ઘટનામાં આપણે જે ત્રિપદી બોલીએ છીએ એમાં third માં જી છે 'તમે ગમે એવા હો હું તમને પ્રેમ કરું છું'. એમાં એની બદલે હું એમ બોલુ કે આપ નિર્દોષ, હું નિર્દોષ તો એમાં મારે શું implement કરવાનું?

**જવાબ :** બુદ્ધિ લગાડીને પાછી. તમને છે ને એલર્જી છે love શબ્દની. હું તમને કહું છું ને, તમે ગમે ઈ કહો છે ને એલર્જી? ઘણાંને એવી એલર્જી હોય કારણ કે નાનપણથી એવા સંસ્કાર હોય love નહીં બોલવાનું. અરે love ઈ તો બહુ pure, divine શબ્દ છે. આપણે love એટલે કંઈક અલગજ વિચારીએ છીએ ઈ આપણો problem છે. આપણી દ્રષ્ટિનો દોષ છે. આપણી સમજણનું દોષ છે. આપણી આખી આ સૃષ્ટિ કેના આધારે ચાલે છે ખબર છે તમને? માત્ર પ્રેમ. માત્ર પ્રેમ બીજું કંઈ નહીં. અને ઈ પ્રેમ જો divine હશે, inverted comma વગરનો હશે, અપેક્ષા રહીત હશે તો જ તમારા સંબંધ વ્યવસ્થિત હશે, otherwise not. ક્યારે પણ આપણા સંબંધો બગડે તો સમજી લેવું કે ક્યાંક આપણે business કર્યું છે પ્રેમ નથી કર્યું. જ્યાં business ની વાત હોય એટલે failure પાકુ છે. પ્રેમ કે love એટલે શું? Love એટલે સામેવાળી વ્યક્તિ જે આપણી સામે આવે છે એનું સ્થાન આપણા હૃદયમાં special આપવું. જગ્યા આપવી જગ્યા. તમારા ઘરે મહેમાન આવે છે તો તમે એને બેસાડો, જગ્યા આપો છો કે નહીં? અંદર લો છોને, આવો આવો શું કહો છે? અચીજા હં. ઈ તો જવા ટાણેને. એમ નથી કહેતા. જાવ જાવ, અચીજાએમ કહો છો. અચીજા એટલે જવા ટાણે ને આવવા ટાણે અચો અચો.

હવે મારે કચ્છી શીખવું પડશે. પાલીતાણા જવાનું છે ત્યાં આખુ કચ્છ જ ભરેલુ છે. હમણા અમે જઈ આવ્યા પાલીતાણા. કલાપૂર્ણસૂરિશ્વરજીનું આખુ સંપ્રદાય ત્યાં છે. એવા ખુશ થઈ ગયા આવી શિબીર કરવાના છે. આ તમે જે શિબીર કરીને નવકારમંત્રની એવી સાધુ-સાધ્વી માટે શિબીર કરવાના છે આપણે ત્યાં દિવાળીમાં તારીખ લખી લેજો. બધાએ આવવાનું છે જલસા કરવા. **પરમ સુખ જીવન વિકાસ કેન્દ્ર** સાધુ-સાધ્વી માટે શિબીર કરશે. તમારે સેવક બનીને આવવાનું છે. બોલો આવી સેવા કરવી છે સાધુ-સાધ્વીની. અરે જબરજસ્ત મજા આવશે. જે ગયા વખતે આવ્યા હતા એમને તો ખબર જ છે. અને આ વખત આવજો જે ગયા વખતે આવ્યા હોય ઈ આ વખત પણ આવજો. બહુ મજા આવશે. આ આવા બધા પ્રસંગો હોય ને picnic હોય, આવી શિબીરો એટલે આવુ બારે જવાનું આયોજન થાય. આવા બધા પ્રસંગોમાં આવવાથી આપણી અંદર result બહુ fast આવે. પર્યુષણ attend કરો. પર્યુષણ પણ આવી રહ્યુ છે 25 તારીખથી. 25 August થી 2 September. આ બધી date લખી રાખજો. અહીંયાથી બસો જશે તમારા માટે. ત્યાં ખાવા-પીવાની વ્યવસ્થા બધુ જ હશે. આયોજન તો પ્રભુ બધુજ કરે છે. હવે આપણે એનો લાભ કેટલો લેવો એ આપણા ઉપર છે. એટલે આ આનંદ ઉત્સવની વાત છે. એટલે હવે તમે આ change કરી નાખજો. **તમે ગમે એવા હો, I love you.** ઓલુ ઔચિત્યમાં આવે તું નિર્દોષ હું નિર્દોષ માત્ર મારા ગોગલ્સમાં દોષ એ પહેલું ઔચિત્ય છે. એ અલગથી એને કંઈ રીતે જોવાનુ છે. તમારો પ્રશ્ન, પહેલાં આ ત્રણ તો કરવાના. તમે ગમે એવા હો I love you. અને આ immediately click થાય એવુ જરૂરી નથી. નહીં થાય click. I love you આ તો શીખવાડવું છે એટલે બોલો છો બાકી તો તમને જોઈ લઉં. આ સત્સંગી બની ગયા ભૂલથી એટલે કરવું પડે છે નહીં એવું નથી. આ life નું enjoyment છે. એટલે જગતમાં આપણે લગભગ શું કરીએ બીજાને સામે આંગળી ચીંધીએ. તારામાં આ ખોટ છે, તારામાં આ ખોટ છે. જેવી આંગળી ચીંધી તારામાં આ ખોટ છે એટલે ગયા કામથી. તો I love you ગયુ. એટલે I love you ને strengthen કરવા માટે આ પહેલુ ઔચિત્ય છે. આંતર ઔચિત્ય શું? તુ નિર્દોષ હું નિર્દોષ માત્ર મારા ગોગલ્સમાં દોષ. શબ્દ જો બરાબર સાંભળજો. તુ નિર્દોષ હું નિર્દોષ I love you નો અર્થ આ જ છે. પણ બોલો લાલુ I love you.

શુભેચ્છક :

જૈસા ચિત્ર દેચ્છેંગે વૈસા ચરિત્ર બનતા હૈ ।



એટલે મનમાં એમ વિચારવું, ચિંતન કરવું કે તુ નિર્દોષ હું નિર્દોષ, આ જગતમાં કોઈ દોષી નથી. આપણે કહીએને તારે લીધે આમ થયું, તે આમ ન કર્યું હોત તો ન થાત. એવું કંઈ નથી. હું પણ નિર્દોષ છું અને સામેવાળો પાત્ર જે હોય વ્યક્તિ, વાસ્તુ કે પરિસ્થિતિ એ પણ નિર્દોષ છે. માત્ર આપણે એ ઘટનાને, એ વ્યક્તિને, એ વસ્તુને, એ પરિસ્થિતિને જોવાના ગોગલ્સ પહેરીએ છીએ એજ આપણો દોષ છે. ગોગલ્સ પહેરીએ છીએ એટલે શું? ગોગલ્સ પહેરીએ છીએ એટલે opinion develop કરીએ છીએ. અને આ opinion થી આપણા અને સામેવાળા વચ્ચે દિવાલ ઊભી થાય છે. Invisible wall. ક્યારે પણ તમારું કોઈની પણ સાથે વ્યવહારની અંદર દિવાલ ઊભી થવાની એવી અહેસાસ થાય, થાય કે નહિ આવું અહેસાસ થાય કે નહીં. ખબર પડે છે કે નહીં કે હવે આની સાથે આપણું નથી જામતું. એવું બધું થાય કે નહીં. સમજણ પડે કે નહીં. ત્યારે આ બધા શું છે, સર્જન હોય ને સર્જન, ઓપરેશન કરે ને હોસ્પિટલમાં એટલે ભગવાન આપણને પોતાના સર્જન બનાવા માગે છે. એના surgical tools છે. શું છે surgical tools છે કે આજ tools આપણા ઉપર પ્રયોગ કરવાનો, operation કરવાનો. આપણા ગોગલ્સનો દોષ, ગોગલ્સ એટલે શું? અભિપ્રાય, opinion. એક વ્યક્તિ આપણને મળ્યા. આજે તમે મને પહેલી વાર મળ્યા એટલે નામ, ધામ આ તે બધું પૂછી લીધું. બરાબર. પછી એ પૂછ્યું એમાં problem નથી. એ પૂછ્યું એની સાથે શું કર્યું. આ વ્યક્તિ આવા, આ વ્યક્તિ આવા, ઈ મે મારું પોતાનું અભિપ્રાય જોડી દીધું. ઈ એવા છે કે નહીં એની કોઈ guarantee નથી. ઈ હોય કે ન હોય મારે શું લેવાદેવા. એટલે જ ઓલો ત્રીજો મંત્ર શું કહે છે તમે ગમે એવા હો, I love you. આ સહેલું છે કે નહીં? નહીં તો આપણે શું કરીએ opinion develop કરીએ. તમે ગમે એવા હો ન બોલીએ તો What we do immediately? Opinion develop કરીએ. કે આ આવા, આ આવાને પછી અંદર store કરી દઈએ ને પછી બીજી વાર તમે મળો તો ત્યારે હું તમને મળતો જ નથી. કોને મળું. મારા અભિપ્રાયો જે તમારા વિષેના હોય એ રીતે જ હું તમને મળું આનું નામ ગોગલ્સ. ગોગલ્સ કેવા હોય? કલરવાળા હોયને. એટલે આપણે ઈ વ્યક્તિ બદલ એક કલર પકડી લીધો. આપણા ચશ્મા બરાબર છે. અને એજ રીતે એ વ્યક્તિને જોવાની આપણને

આદત પડતી જાય જાણતા કે અજાણતા. એટલે આ આંતર ઔચિત્ય છે. આ પણ આખો મહિનો practice કરવાની છે. સત્સંગ જો જીવનમાં પ્રગટ કરવું હોય તો તુ નિર્દોષ હું નિર્દોષ. અત્યારના આપણે શું કરીએ? તારા લીધે. તારા લીધે આદત શેની થાય તારા લીધે, તારા લીધે. હવે તારા લીધે માંથી તુ નિર્દોષ હું નિર્દોષ માત્ર મારા ગોગલ્સમાં દોષ. હવે ગોગલ્સ કાઢી શકાય કે નહીં? ઈ કોના હાથમાં છે? સામેવાળાના કે આપણા? ગોગલ્સ કાઢતા કેટલી વાર લાગે? પ્રફુલ્લભાઈ કાઢો તો ગોગલ્સ. આ જો કેટલી વાર લાગી. એક second લાગી. એટલે જો નિર્ણય લઈએ કે આ અભિપ્રાય હવે મારે આ વ્યક્તિ માટે નથી વાપરવું એટલે ગોગલ્સ નીકળી ગયા. નીકળી ગયા કે નહીં? આપણી અંદર કોક અભિપ્રાય હોય કે આ વ્યક્તિ આવા અથવા કોઈ આપણને કીધું આ વ્યક્તિ આવા X Y Z, A B C D. હવે આપણને જિંદગીમાંય મળ્યા નથી પણ કોકે કીધું એટલે આપણે હવે એને એજ રીતે જોઈએ. ઓલાને ખબર પણ ન હોય પણ આપણે એને આમ આમ જોતા હોય. ઉપરથી નીચે ઓલાને થાય કે આ કેમ આમ કરે છે. આ ભાઈને ઓળખતોય નીચ તોય આમ, આમ જોયા કરે છે. આવું થાય છે કે નહીં તમારા જીવનમાં. ઘણીવાર થાય કારણ કે X Y Z કોકે આપણા વિષે કંઈક કહી દીધું હોય તો ઈ આમ આમ જોયા કરે. હવે એણે ગોગલ્સ પહેરી લીધા. એટલે આવા ગોગલ્સ પહેરવાથી શું થાય? લફરા ઊભા થાય. થાય કે નહીં. બે વ્યક્તિ વચ્ચે ખટરાગ ઊભો થાય કે નહીં. Yes ખટરાગ ઊભો થવાનો જ. Positive પણ કીધું હોય તો પણ ખટરાગ ઊભો થવાનો લાંબે ગાળે. એટલે જ આપણે હેરાન થઈએ છીએ. આ અર્જુનના વિષાદનું કારણ છે. ભગવદ્ગીતા એની ભાષામાં એની શૈલીમાં જે વાત કરવા માગે છે એ બીજું કંઈ નથી આ જ છે. મંત્રયોગની અંદર બધું direct છે, સ્પષ્ટ છે, clear છે. આ જ્ઞાન યોગ છે. ભગવદ્ગીતા કહો કે કોઈ પણ શાસ્ત્રનો યોગ કહો એ જ્ઞાનયોગ છે. It is indirect. Never direct. સમજાવે, બુજાવે, પટાવે, કેટલા બધા 700 શ્લોક. આપણે તો ત્રણ મંત્રમાં બધું પતી જાય આખી ભગવદ્ગીતા આવી ગઈ. આવી ગઈ કે નહીં? ને આ 700 શ્લોક જોવા છે કે નહિ? તમે એના માટે જ આવ્યા છો કે નહીં?

To be continued.....





गतांक से चालु....

नमो जिणाणं ।

अब हमारे पास 15 minute है personal satsang के लिये । सबसे पहले प्रश्नोत्तरी । Question है ? नहीं होंगे । Practice की हो तो न । हा दीपाबेन का है । कई लोगों को प्रश्न लिखने में शर्म आती है और बोलने में शर्म आती है तो लिखकर दे देना । क्योंकि आपका प्रश्नो वो आपका नहीं है । प्रश्न भले आपका हो लेकिन वो सबका होता है । तो आप ये नहीं समझना कि मेरा personal प्रश्न है । आप जिस परेशानी में से गुजर रहे है ऐसी परेशानी लगभग सबको होती है ।

**प्रश्न :-** हर दिन की घटना में हम जो त्रिपदी बोलते है इसमें third में जो है आप कैसे भी हो मैं आपको प्रेम करता हूँ । इसके बदले मैं ऐसे बोलु कि आप निर्दोष मैं निर्दोष तो इसमें मुझे क्या implement करना है ?

**उत्तर :-** बुद्धि लगायी न वापस । आपको न allergy है love शब्द से । मैं आपको कहता हूँ न आप कुछ भी कहे है न allergy. कईयों को एसी allergy होती है क्योंकि बचपन से ऐसे संस्कार है love नहीं बोलने का । अरे love याने अलग ही सोचते है । यही हमारा problem है । हमारी दृष्टि का दोष है, हमारी समझ का दोष है । हमारी सृष्टि किसके आधार पर चलती है मालूम है आपको ? प्रेम, सिर्फ प्रेम और कुछ नहीं । और ये प्रेम divine होगा, inverted comma बिना का होगा , अपेक्षारहित होगा तो ही आपके संबंध व्यवस्थित होंगे । Otherwise not. कभी भी हमारे संबंध बिगड़े तो समझ लेना की कहीं हमने business किया है प्रेम नहीं किया है । जहाँ business की बात आती है तो failure पक्का है । प्रेम अथवा love माने क्या ? Love मतलब सामने वाली व्यक्ति जो हमारे सामने आती है उसको स्थान हमारे हृदय में special देना । जगह देना जगह । आपके घर में

महेमान आते है तो आप उनको बिठाते है, जगह देते है कि नहीं । अंदरे लेते है न आईये, आईये क्या कहते है ? अजीचा, हं यह तो जाने के समय कहते है । ऐसे नहीं कहते कि जाइय जाइये । अचीजा ऐसे कहते है । अचीजा याने जाने के समय अचो अचो आने के समय । अब मुझे भी कच्ची सीखनी पडेगी । पालीताणा जाने का है वहाँ पूरा कच्छ ही भरा पडा है । हम अभी जाकर आये पालीताणा । वहाँ कलापूर्णसूरीश्वरजी का पूरा संप्रदाय है । इतने खुश हो गये कि एसी शिबीर करने वाले है । ये जो आपने शिबीर किया न जो नवकारमंत्रका ऐसी साधु-साध्वीजी के लिए करने वाले है वहाँ । दिवाली में तारीख लिख लेना सब । सब कोआना है जलसा करने । परम सुख जीवन विकास केन्द्र साधु-साध्वी के लिए शिबीर करेगा । आपको सेवक बनकर आना है । बोलो एसी सेवा करनी है साधु-साध्वीजी की । अरे जबरजस्त मजा आयेगी । जो गये वक्त आये थे उनको तो पता है । पिछली बार जो आये थे इस बार भी आना । बहोत ही आनंद आयेगा । ये ऐसे सब प्रसंग होते है न picnic हो, एसी शिबीर हो तो बाहर जाने का आयोजन होता है । ऐसे सब अवसरों में आने से हमारे अंदर result बहोत fast आते है । पर्युषण attend करीये, पर्युषण भी आ रहे है 25 तारीख से । 25 August से 2 September. ये सब date लिखकर रखना । यहाँ से बस जायेगी आपके लिये । वहाँ खाने-पीने की सब व्यवस्था होगी । आयोजन तो प्रभु सब करते है अब इसका लाभ हमें कितना लेना है ये हमारे उपर है । मतलब ये आनंद उत्सव की बात है । इसलिये अब आप ये change कर देना आप कैसे भी हो I love you. वो तो औचित्य में आता है तु निर्दोष मैं निर्दोष सिर्फ मेरे गोगल्स में दोष । ये पहला औचित्य है । इसे अलग से कैसे देखना है । आपका प्रश्न पहले यह तीन तो करना ही है । आप कैसे भी हो I love you और ये immediately click हो ऐसा जरूरी नहीं है । नहीं होगा click. Love



you यही तो सिखाया है । इसलिये तो बोलता हूँ बाकी तो मैं तुमको देख लूँ । यह सत्संगी बन ये भूल से इसलिये कहना पड़ रहा है, नहीं ऐसा नहीं है । ये life का enjoyment है । यानी हम दुनिया में क्या करते हैं ? दूसरों के सामने उँगली उठाते हैं । तेरे में ये कमी है याने गये काम से, I love you गया । मतलब I love you को strengthen करने के लिये ये पहला औचित्य है । आंतर औचित्य क्या तु निर्दोष में निर्दोष सिर्फ मेरे गोगल्स में दोष । शब्द को ध्यान से सुने तु निर्दोष मैं निर्दोष I love you का अर्थ यही है । लेकिन बोलना I love you है । मतलब मनमें ऐसे विचारना, चिंतन करना के तु निर्दोष, मैं निर्दोष इस जगत में कोई दोषी नहीं है । हम कहते हैं तेरे लिये ऐसा हुआ, तुने ऐसा किया इसलिये हुआ, तुने ऐसा नहीं किया होता तो ऐसा नहीं होता । ऐसा कुछ भी नहीं है । मैं भी निर्दोष हूँ और सामने वाला पात्र जो भी हो, व्यक्ति, वस्तु या परिस्थिति ये भी निर्दोष है । हम सिर्फ इन घटनाओं में उस व्यक्ति, उस वस्तु और परिस्थिति को देखने का गोगल्स पहनते हैं, हमारा यही दोष है । गोगल्स पहनते हैं मतलब क्या ? गोगल्स पहनते हैं मतलब opinion develop करते हैं । इस opinion से ही हमारे और सामनेवाले के बीच में दिवाल खड़ी होती है । Invisible wall. कभी भी आपके व्यवहार के अंदर किसी के भी साथ दिवाल खड़ी हो रही है ऐसा ऐहसास हो, होता है कि नहीं ऐसा ऐहसास ? समज आता है कि अब इसके साथ हमारी बननेवाली नहीं है । ऐसा कुछ होता है कि नहीं ? समज आता है कि नहीं ? तो ये सब क्या है ? सर्जन होता है न, सर्जन operation करता है न hospital में याने भगवान हमें स्वयं का सर्जन बनाना चाहते हैं । इसके surgical tools है । क्या है ये surgical tools है कि जो tools है हमारे उपर प्रयोग करना है, operation करना है, हमारे गोगल्स के दोष, गोगल्स मतलब क्या ? अभिप्राय, opinion, एक व्यक्ति हमें मिला, आप

पहलीबार मिले है तो नाम ठिकाना ये सब पूछ लिया बराबर । फिर ये पूछा इसमें problem नहीं है । ये पूछा और इसके साथ क्या किया ? ये व्यक्ति ऐसा, ये व्यक्ति वैसा । ये मैंने अपना स्वयं का अभिप्राय जोड़ दिया । ये वैसे है कि नहीं इसकी कोई guarantee नहीं है । ये हो के न हो मुझे क्या लेना देना ? इसलिये ही वो तीसरा मंत्र क्या कहता है आप कैसे भी हो, I love you. ये सरल है कि नहीं । नहीं तो हम क्या करते हैं ? Opinion develop करेंगे कि ये ऐसे, ये ऐसे फिर इसको अंदर store कर लेते हैं । फिर जब दूसरी बार मिलो तो तभी मैं आपको मिला ही नहीं हूँ किसको मिलता हूँ मेरे अभिप्राय जो आपके प्रति है उसी तरह से आपको मिलता हूँ । इसी का नाम है गोगल्स । गोगल्स कैसे होते हैं ? कलरवाले होते हैं । मतलब हमने उस व्यक्ति के प्रति जो कलर पकड़ लिया हमारे गोगल्स में बराबर है । इसी तरह उस व्यक्ति को देखने की हमको आदत हो जाती है जाने-अनजाने में । यह आंतर औचित्य है । इसकी भी पूरा महिना practice करनी है । सत्संग जो जीवन में प्रकट करना हो तो तु निर्दोष मैं निर्दोष । अभी हम क्या करते रहे तेरे कारण, तेरे कारण । आदत किसकी होती है तेरे कारण, तेरे कारण । अब इस तेरे कारण में से तु निर्दोष मैं निर्दोष सिर्फ मेरे गोगल्स में दोष । अब गोगल्स निकाल सकते हैं कि नहीं । ये किसके हाथ में है सामने वाले के या हमारे ? गोगल्स निकालने में कितना समय लगता है ? प्रफुलभाई निकालो तो गोगल्स । ये देखिए कितना समय लगा । एक second लगी । मतलब अगर निर्णय लें कि ये अभिप्राय अब मुझे इस व्यक्ति के लिये नहीं उपयोग करना है तो गोगल्स निकल गये । निकल गये कि नहीं ?

**To be continued.....**





## तुलसी

### जानिए तुलसी के ५ प्रकार और १० करिश्माई लाभ

हिन्दू धर्म में तुलसी को मां लक्ष्मी का रूप मानकर घर के आंगन में पूजनीय स्थान दिया जाता है। लेकिन इसके अलावा भी तुलसी के वैज्ञानिक व आयुर्वेद की दृष्टि से कई लाभ मिलते हैं। इस अनमोल पौधे के कुल ५ प्रकार होते हैं, जो स्वास्थ्य से लेकर वैज्ञानिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। जानिए तुलसी के ५ प्रकार –

- १) श्याम तुलसी,
- २) राम तुलसी,
- ३) श्वेत/विष्णु तुलसी,
- ४) वन तुलसी
- ५) नींबू तुलसी

तुलसी के पांचो प्रकारों को मिलाकर इनका अर्क निकाला जाता है, तो यह पूरे विश्व की सबसे प्रभावकारी और बेहतरीन दवा बन सकती है। एक एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-बायोटिक, एंटी-इन्फ्लेमेटरी व एंटी-डिजीज की तरह कार्य करने लगती है। जानिए इस अनमोल दवा के यह बेहद कीमती फायदे –

- १) पांच प्रकार की तुलसी का अर्क निकालकर इसके मिश्रण का सेवन करने से कई समस्याओं से निजात पाई जा सकती है। एक ग्लास पानी में एक या दो बूंद अर्क मिलाकर इस मिश्रण को १ लीटर पानी में डालकर रखें और कुछ देर बाद इसका सेवन करें। पीने के पानी में इसका प्रयोग कर रोगाणुओं से बचा जा सकता है।
- २) पांच तुलसी का यह अर्क सैंकड़ो रोगों में लाभदायक सिद्ध होता है। बुखार, फ्लू, स्वाइन फ्लू, डेंगू, सर्दी, खांसी, जुखाम, प्लेग, मलेरिया, जोड़ो का दर्द, मोटापा, ब्लड प्रेशर, शुगर, एलर्जी, पेट में कृमि, हेपेटाइटिस, जलन, मूत्र संबंधी रोग, गठिया, दम, मरोड़, बवासीर, अतिसार, आंख दर्द, खुजली, सिर दर्द, पायरिया, नकसीर, फेफड़ों की सूजन, अल्सर, वीर्य की कमी, हार्ट ब्लॉकेज आदि समस्याओं से एक साथ निजात दिलाने में सक्षम है।
- ३) यह मिश्रण एक बेहतरीन विष नाशक की तरह कार्य करता है। इसके रोजाना सेवन से शरीर से हानिकारक एवं अवांछित तत्व बाहर निकल जाते हैं और शरीर के आंतरिक अंगों की भी सफाई होती है। श्री तुलसी स्मरण शक्ति को बढ़ाने के लिए बेहद कारगर उपाय है।


- ४) इसके सेवन से लाल रक्त कणों में इफाजा होता है और हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ता है। एक बूंद श्री तुलसी का प्रतिदिन सेवन करने से पेट संबंधी बीमारियां धीरे-धीरे समाप्त हो जाती है। वहीं गर्भवती महिलाओं में उल्टी की परेशानी होने पर भी यह लाभकारी है।
- ५) खांसी या जुकाम होने पर इसका प्रयोग शहद के साथ करना फायदेमंद होता है। गले में दर्द, मुंह में छाले, आवाज खराब होने पर या मुंह से दुर्गंध आने की स्थिति में इसकी एक बूंद मात्रा का सेवन भी बेहद कारगर साबित होगा। दांत का दर्द, दांत में कीड़ा, मसूड़ों में खून आने जैसी समस्याओं में इसकी ४ से ५ बूंद पानी में डालकर कुल्ला करें।
- ६) शरीर की त्वचा जल जाने पर इसका रस लगाना लाभदायक है वहीं किसी विषैले जीव-जंतु के काटने पर इसे लगाने से राहत मिलती है और जहर भी उतरता है। इसकी कुछ बूंदें शरीर पर लगाकर सोने से मच्छरों से बचा जा सकता है।
- ७) कान में दर्द होना या कान बहने जैसी समस्याओं में तुलसी का रस हल्का गुनगुना कर कान में डालने से फायदा होगा। वहीं नाक की समस्या या फोड़े-फुंसियां होने पर इसका गुनगुना रस डालने से लाभ होगा।
- ८) बालों में किसी भी प्रकार की समस्या जैसे – बाल झड़ना, सफेद होने पर इस रस को तेल में मिलाकर लगाना लाभकारी होगा। वहीं जुएँ व कीड़े होने पर रस की कुछ बूंदें नींबू के रस में मिलाकर लगाएं और कुछ घंटों के बाद धो लें। इससे काफी लाभ होगा।
- ९) त्वचा की हर समस्या का समाधान है इसके पास। नींबू के रस के साथ इसे त्वचा पर लगाने से त्वचा की सफाई होगी और चेहरा दमकने लगेगा। सुबह और शाम के वक्त चेहरे पर इसका इस्तेमाल करने पर कील, मुहांसे, दाग-धब्बे और झाइयों से निजात मिलेगी। इसे नारियल तेल के साथ लगाने से सफेद दाग भी ठीक हो जाता है।
- १०) वजन घटाने के लिए भी तुलसी बेहद काम की चीज है। इसके नियमित सेवन से आपका मोटापा तो कम होगा ही, यह कोलेस्ट्रॉल को कम कर रक्त के थक्के जमने से रोकती है। इससे हार्ट अटैक की संभावना भी कम होती है।

शुभेच्छः :

सब की बिगड़ी बनाने वाला तो एक “परमात्मा” ही है।

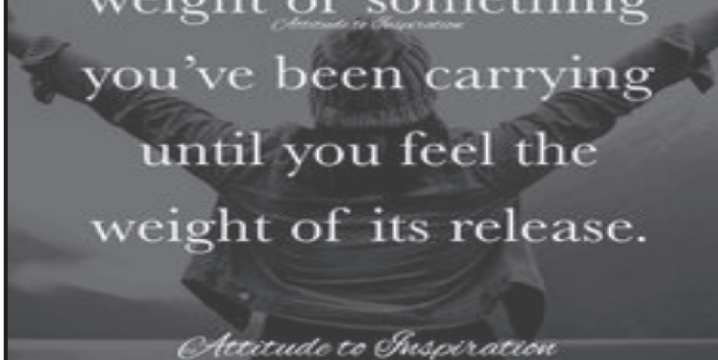


I want to express myself in a **different** way. I have a performing inclination.



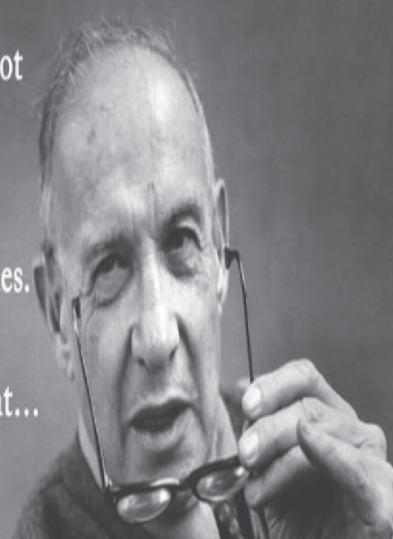
*likequotes.com*

Sometimes you don't realize the weight of something *Attitude to Inspiration* you've been carrying until you feel the weight of its release.



*Attitude to Inspiration*

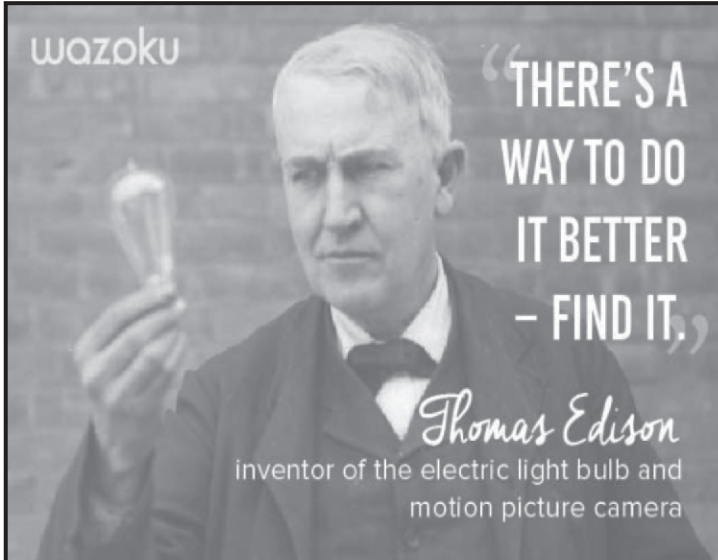
"The enterprise that does not **innovate** inevitably ages and declines. And in a period of rapid change such as the present... the decline will be fast."



*-Peter F. Drucker*

wazoku

"THERE'S A WAY TO DO IT BETTER - FIND IT,"



*Thomas Edison*  
inventor of the electric light bulb and motion picture camera

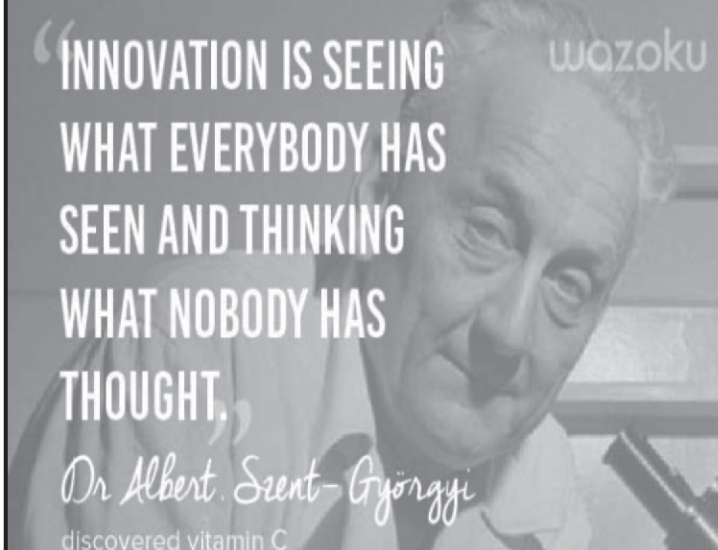
"FAILURE IS AN OPTION HERE. IF THINGS ARE NOT FAILING, YOU ARE NOT INNOVATING ENOUGH,"



*Elon Musk*  
co-founder of PayPal and Tesla Motors

wazoku

"INNOVATION IS SEEING WHAT EVERYBODY HAS SEEN AND THINKING WHAT NOBODY HAS THOUGHT,"



*Dr. Albert Szent-Györgyi*  
discovered vitamin C

wazoku

શુભેચ્છક :

धर्म की बात तुम जानते तो हो, अब आचरण में भी लाओ ।



नमो शिवायं

नमो जिणाणं

नमो शिवायं

## **DIVINE LIFESTYLE FOR STUDENTS PROFESSIONALS ,BUSINESSMEN & Everyone**

### **दिव्य ज़ुवन व्यवस्थाना १२ पगथिया (सोपान) दिव्य जीवन व्यवस्था के 12 Steps**

रोज सवारै आंभ जुलतानी साथे.....

(१) प्रभुकृपा : ईश्वरने धन्यवाए. (THANK YOU.)

आपे मने नवुं जुवन जुववानो अवसर आप्यो छे.

(२) माता-पिताने धन्यवाए.(THANK YOU).माता-पिता ईश्वरनो अवतार छे.

अे वगर कारणे आपणा माटे भधुं ज समर्पित करे छे.

(३) सद्गुरु अने गुरुजनने धन्यवाए. (THANK YOU). अे आपणी अंदर रहेला अज्ञानने हटावे छे. आपणने योग्य मार्ग पर चालवा माटे मार्गदर्शन आपे छे.

(सद्गुरु जुवननुं मार्गदर्शन आपे छे ज्यारे गुरुजन पास विषयनुं मार्गदर्शन आपे छे.)

(४) सर्व जुव-अजुव ने धन्यवाए. (THANK YOU).

जेमना अनंत अनंत उपकार आपणा उपर छे.

रोज सुबह आंख खुलते ही...

(१) प्रभुकृपा : ईश्वर को THANK YOU. आपने मुझे नया जीवन जीने का अवसर दिया है ।

(२) माता-पिता को Thank you. : माता पिता ईश्वर का अवतार है (LIVE GOD) वे बिना कारण हमारे लिए सबकुछ समर्पित करते है ।

(३) सद्गुरु और गुरुजन को Thank You.. : ये हमारे अंदर रहे हुए अज्ञान को मिटाते है । हमे सही मार्ग पर चलने के लिए मार्गदर्शन करते है ।

(सद्गुरु जीवन का मार्गदर्शन देते है और गुरुजन Special विषय का मार्गदर्शन देते है)

(४) All Living & Non-living beings को Thank You.-

जिनके अनंत अनंत उपकार हमारे उपर है ।

### **3 Whatsup भेसेज प्रभुने (3 WhatsApp Message प्रभु को)**

(१) आजको दिवस अद्भूत छे. आज का दिन अद्भूत है ।

(२) कंठ परा थंठ जय हुं हंमेशा आनंदमा रहीश. कुछ भी हो जाए मै हमेशा आनंद मे रहुंगा/रहुंगी ।  
दरेक व्यक्ति, दरेक वस्तु, दरेक परिस्थिति भधा साथे हुं आनंदमा रहीश.  
हर व्यक्ति, हर वस्तु, हर परिस्थिति सब के साथ मै आनंद मे रहुंगा/रहुंगी ।

(३) कंठ परा थंठ जय हुं हंमेशा हसतो रहीश/हसती रहीश.

कुछ भी हो जाए मै हमेशा मुस्कुराता रहुंगा /रहुंगी ।

**Watch P.Pujya Pankajbhai on ARIHANT TV Channel  
Daily 8.20am & 11.40pm**

**Visit : Youtube.com/Paramsukh TV namojinanam**

**Visit : Facebook.com/Paramsukhjivanvikaskendra**

**Twitter : @namo\_jinanam**

**Be a Lifetime Member of Namo Jinanam - Quarterly Magazine**

जीवन की किसी भी समस्या, कोई भी सवाल के समाधान के लिए परमसुख 24 X 7 Helpline सेवा पर सिर्फ एक Missed Call करें : 9920202756

**To get Audio Video Clips, Programme Updatee on WhatsApp  
Join our WhatsApp Group (WhatsApp No. : 9920203965)**



## दरेक जए साथे व्यवहारना प पगथिया

- (१) જે કોઈપણ મળે, એમની સાથે આપણો વ્યવહાર નમો જિણાણથી શરુ કરવાનો છે . નમો જિણાણનો અર્થ છે : આપની અંદર રહેલા પરમાત્માને હું વંદન કરુ છું, એનો હું સ્વીકાર કરું છું અને મારા હૃદયમાં સ્પેશિયલ સ્થાન આપું છું . (ત્યારબાદ મનમાં ૨ નિર્ણય લેવાના છે)
  - (૨) મારે નથી થવું હેરાન .
  - (૩) તમે ગમે તેવા હો I LOVE YOU .
  - (૪) ગુણ પ્રમોદ - નમો જિણાણ અને મનમાં બે નિર્ણય લીધા બાદ સામેવાળાના ૨ ગુણ બતાવી એમની પ્રશંસા કરવાની છે પછી વાતચીત શરુ કરવાની છે .
  - (૫) વિદાય થતી વખતે I LOVE YOU, I THANK YOU, GOD BLESS YOU કહીને વિદાય થવાનું છે .
- (આ રીતે ૧૨ પગથિયાને જીવનમાં અપનાવવાથી આપણું જીવન સદા આનંદમા રહેશે અને આપણા દરેક કાર્યમાં સરળતા રહેશે.)

## सब के साथ व्यवहार के 5 STEPS

- (१) जो भी मिले , उनसे हमारा व्यवहार नमो जिणाणं से शुरु करना है । नमो जिणाणं का अर्थ है - आपके अंदर रहे हुए परमात्मा का मैं दर्शन करता हूं, उसका मैं स्वीकार करता हूं और मेरे हृदय में स्पेशियल स्थान देता हूं । (उसके बाद मन मे दो निर्णय लेने है)
- (२) मुझे नहीं होना परेशान ।
- (३) आप कैसे भी हो I LOVE YOU .
- (४) गुण प्रमोद (**Appreciation**) - नमो जिणाणं और मन मे दो निर्णय लेने के बाद सामनेवाले के दो गुण बताकर उनकी प्रशंसा करनी है, फिर बातचीत शुरु करनी है ।
- (५) बिदा होते समय I LOVE YOU, I THANK YOU, GOD BLESS YOU कहकर बिदा होना है । (इस तरह यह 12 STEPS को जीवन मे अपनाने से हमारा जीवन सदा आनंद मे रहेगा । हमारे सारे कार्य मे सरलता होगी ।)

પરમ પૂજ્ય પંકજભાઈના સાનિધ્યમાં Science of Divine Livingની શિબીરોનું આયોજન દરેક વયજૂથના લોકો માટે કરવામાં આવે છે તથા જૈન /હિંદુ લોકપર્વોના મહોત્સવો ઉજવાય છે .

સૌને પ્રેરણા છે, અમારા પરમ આનંદ પરિવારમા જોડાવા માટે.

## जाहेर निमंत्रण

हिन्दु / जैन संघ, संस्थाएँ, Association, महिला मंडल, Youth Groups, सामाजिक संस्थाएँ, Educational Institutes, व्यापारी मंडल, अन्य संघ, सोसायटी सभी को अपने वहाँ अलग अलग प्रकारके Scientific & Practical Workshops का आयोजन करने हेतु निमंत्रित करते है ।

CONTACT

9987503512 / 9833133266 / 9820944517 / 9920141568  
9324903057 / 9833596020 / 9820162699 / 9892756649

**Stressfree, Tensionfree और आनंद/खुशी का अनुभव करने अवश्य जुड़ें ।**

नमोभाव - अहोभाव - मैत्रीभाव - सेवाभाव - पंचपरमेष्ठि शरणभाव

**आयोजक : परम सुख जीवन विकास केन्द्र, मुंबई.**



## NAMO JINANAM

### Param Sukh Jivan Vikas Kendra - Vision 2025

#### Project - 1 :

परम सुख Divine Wellness Centres in every suburb of Mumbai & Other Cities.

#### Features of Wellness Centres :

- A)** 1) Physical Fitness Wellbeing & Counselling.  
 2) Mental Fitness Wellbeing & Counselling  
 (a) Intellectual  
 (b) Emotional  
 3) Financial Fitness Wellbeing & Counselling  
 (Careers, Jobs, Business & Investments)  
 4) Family Wellbeing & Counselling  
 (Kids, Parents, Youth, Married Couples - Age beyond 50 years)  
 5) Social Relationship Wellbeing & Counselling.  
 6) Spiritual Fitness Wellbeing & Counselling.  
 7) Country, Global & Universal Wellness & Counselling.  
 8) Fitness Wellbeing & Counselling for subjects right from Womb of Mother till death.
- B)** 1) Divine Medical Diagnostic Centre.  
 2) Medical Counselling.  
 3) Diet & Food Counselling.
- C) Divine Shop**  
 1) Divine Food & Medicine Centre.  
 2) Divine Literature Centre.  
 (a) Audio / Video CD / DVD  
 (b) Magazine & Books  
 (c) Different Posters, Cards, Mantra Kits, Satsangi Kits etc.
- D) Multi Utility Hall**  
 For Conducting :  
 (a) Satsang & Festival Celebrations.  
 (b) Workshops & Shibirs.  
 (c) Seminars & Conferences

#### Project - 2 :

परम सुख Divine Arihant Nagar :

मुंबई के आसपास एक से दो घंटे की दूरी पर एक ऐसे परम सुख Divine Village की स्थापना करना जहाँ....

- ☞ श्री सीमंधर स्वामी समवसरण मंदिर और आराधना साधना केन्द्र (36000 लोगों के लिए I)
- ☞ Divine Life University & Training Centre – जहाँ नई पिढ़ी (New Generation) को Divine जीवन जीने की Training दी जाएगी। अध्यापकों, प्राध्यापकों के द्वारा दिव्य जीवन व्यवस्था के शिक्षण, संस्कार और संस्कृति का ढांचा पूरी University में खड़ा किया जाएगा।
- ☞ Divine Food and Medicine Centre होगा।
- ☞ Divine आरोग्य केन्द्र जहाँ (a) आयुर्वेदिक (b) नेचरोपेथिक (c) Alternative Medicine & Day Care Centre होगा।
- ☞ Divine आवास योजना।

ऐसे परम सुख Divine Nagar में श्री सीमंधर स्वामी के शरण में रहकर हर जीव का परम मंगल और कल्याण हो ऐसी परम सुख जीवन विकास केन्द्र की मंगल भावना है और अरिहंत परमात्मा श्री सीमंधर स्वामी का शरण हर जीव को मिले और जन जन मे इस मार्ग का प्रसार हो यही दिव्य भावना के साथ परम सुख Divine Wellness सेवा केन्द्र और परम सुख Divine Nagar का निर्माण 2025 तक करना यह हमारा Vision है।

**2018 तक Project - 1 : परम सुख Divine Wellness सेवा केन्द्र शुरू करने की भावना है।**

**2023 तक Project - 2 : परम सुख Divine Arihant Nagar शुरू करने की भावना है।**

आओ... अरिहंत बनने के इस Divine विराट कार्य के निर्माण कार्य में हम सब जुड़ जाएँ और परम मंगल पाएँ।

मंगल... मंगल... मंगल...

नमो जिणाणं।

**CT : 9322235233/9833133266/9820212816  
9987503512/9820944517/9920141568**



## नमो जिणाणं

### Param Sukh Jivan Vikas Kendra द्वारा की जानेवाली ७ क्षेत्र की सेवा प्रवृत्तियाँ

- (1) होस्पिटल सेक्टर - GOVERNMENT HOSPITAL को उपयुक्त साधन सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है । गरीब मरीजों और CRITICAL PATIENTS को HIGH VALUE MEDICAL सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है ।
- (2) EDUCATION SECTOR - PRIMARY, SECONDARY और उच्च शिक्षण के लिए जरूरतमंद विद्यार्थियों को SCHOOL, COLLEGE TUTION FEES उपलब्ध करवाई जाती है ।
- (3) आश्रम सेक्टर- GOVERNMENT आश्रमों तथा अन्य आश्रमों में जरूरी साधन सामग्री तथा खाद्यान, GROCERY ITEMS उपलब्ध करवाई जाती है ।
- (4) पू. साधु-साध्वी भगवंत वैयावच्च - जिस प्रकार जरूरत है, उस प्रकार सेवा की जाती है ।
- (5) SCIENCE OF DIVINE LIVING - समाज उपयुक्त सामाजिक , धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा प्रचार प्रसारण की सेवा की जाती है ।
- (6) पशु पक्षी जीवदया तथा वृक्षारोपण
- (7) जीवन की किसी भी समस्या के उपाय के लिए 24 x 7 HELPLINE सेवा तथा जन्म से लेकर मृत्यु तक की सारी समस्याओं के हल (SOLUTIONS) के COUNSELLING CENTRES

## जीवे जीवे अरिहंत नाद - घर घर में सत्संग - नगर नगर शिबीर

अरिहंत मेले में जीवे जीवे अरिहंत नाद गजाने के बाद अब हर घर में, हर जन में अरिहंत नाद गूंजे और सभी प्रभुवत्सल अरिहंत परमात्माने बताए हुए मार्ग पर चले ऐसी दिव्य भावधारा के साथ उत्सव सत्संग ने एक नया स्वरूप धारण किया है । हमारे सभी शिबीरार्थियों, सत्संगियों, सेवकों और सभी के घर पर उत्सव सत्संग Celebration.

### जीवे जीवे अरिहंत नाद

### घर घर - जन जन में श्री सीमंधरस्वामी की वाणी

### दिव्य जीवन व्यवस्था के १२ सोपान

सोने पे सुहागा... सत्संगियों के BIRTHDAY और MARRIAGE ANNIVERSARY Celebration, Monthly Theme अनुसार जाप...! सत्संगियों के जीवन की व्यक्तिगत समस्याओं का पूर्ण रूप से निराकरण... ।

आप सभी को ऐसे दिव्य उत्सव सत्संग का लाभ लेने का सप्रेम आमंत्रण...! आइए... हम सब ऐसे दिव्य उत्सव सत्संग का लाभ ले और हमारा, हमारे परिवार का, अड़ोस-पड़ोस का, सगे-संबंधीओं का, मित्रों का... सबका मंगल करे । प्रभु की हाजरी में... प्रभु के साथ जुड़ जाए ।

आप सभी को ऐसे दिव्य उत्सव सत्संग अपने घर पर करवाने के लिए आमंत्रण है । जिन्हें भी ऐसे दिव्य सत्संग करवाने की भावना हो, अवश्य नीचे दिए हुए Phone पर Contact करे ।

9987503512/9930765652/9833133266/9920141568/9892756649/9324903057



आयोजक : परम सुख जीवन विकास केन्द्र, मुंबई .

WATCH ARIHANT TV CHANNEL DAILY 8.20am & 11.40pm

अरिहंत टी.वी. चैनल भारत में CABLE SET TOP BOX, VIDEOCON D2h, TATASKY, AIRTEL और WORLDWIDE www.yupptv.com पर देख सकते हो ।

Visit : [Youtube.com/Paramsukhtvnamojinanam](https://www.youtube.com/Paramsukhtvnamojinanam)

[Facebook.com/paramsukhjivanvikaskendra](https://www.facebook.com/paramsukhjivanvikaskendra)

आपके जीवन के कोई भी प्रश्न हो, परम आनंद परिवार में जुड़ना चाहते हो, AUDIO CD, VIDEO DVD या MAGAZINE के लिए इस नंबर पर MISSED CALL करें : +91 9920202756 & WHATSAPP NO. +91 9920203965

शुभेच्छः :

हर पल तुम शिकायत से देखते हो या धन्यवादी होते हो ।